डाक पंजीयन सं. जयपुर सिटी/ 110/2024-26

R.N.I. NO. RAJHIN/2006/16735 राजस्थान एवं केन्द्र सरकार से विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

रॉयल पत्रिका

रॉयल पत्रिका मंगवाने के लिए संपर्क करें - 9799559096 0141-4982834

सरकारी नौकरियों की जानकारी के लिए पढ़ें पृष्ठ 5

वर्ष : 20 | अंक : 14 | पेज: 08 | जयपुर, सोमवार, 05 मई से 11 मई 2025 | साप्ताहिक | मूल्य: 7 रुपए

विधान सभा में प्रश्न पूछ कर मांग लिए 20 लाख

- एसीबी ने रंगे हाथ विधायक को पकड़ा

- जब विधायक ही भ्रष्टाचार कर रहे हैं तो प्रदेश का विकास कैसे संभव है ?

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने भारत आदिवासी पार्टी (बीएपी) के बाँसवाड़ा जिले के बागीदौरा से विधायक जय कृष्णा पटेल को जयपुर में रविवार को 20 लाख रूपए की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया। विधायक ने टोडाभीम के एक खान मालिक रविन्द्र कुमार मीना से विधानसभा में माइन्स संबंधी लगाये सवाल वापस लेने की एवज में दो करोड़ रूपए का सौदा किया और राशि किस्तों के रूप में मांगी थी। 20 लाख रूपए उसी क़िस्त का हिस्सा थे।

प्रदेश का पहला मामला -
प्रदेश का यह पहला मामला है जब एसीबी ने किसी विधायक को रिश्वत लेने के मामले में गिरफ्तार किया है। एसीबी के डीजी डॉ. रवि प्रकाश मेहरड़ा ने बताया कि परिवादी खनन मालिक से विधानसभा के पास स्थित विधायक क्वार्टर परिसर में उसकी ही कार में बैठकर विधायक जय कृष्णा ने रिश्वत के रूपए लिए। विधायक ने गाड़ी में बैठकर रिश्वत के नोट गिने भी। टीम ने विधायक के हाथ धुलवाए तो उसमें नोटों पर लगाया रंग निकला।

उपचुनाव जीतकर बने थे विधायक -
जय कृष्णा बाँसवाड़ा जिले के बागीदौरा विधानसभा क्षेत्र से भारत आदिवासी पार्टी (बीएपी) के विधायक हैं। 4 जून 2024 को घोषित उपचुनाव परिणामों में जय कृष्णा पटेल ने भाजपा के सुदामा तम्बोलिया को 51434 वोटों से हराया था। यह सीट कांग्रेस विधायक महेंद्रजीत सिंह मालवीय के कांग्रेस छोड़ भाजपा में जाने और सांसद का चुनाव लड़ने के चलते इस्तीफा देने के बाद रिक्त हुई थी।

विधानसभा में भी भ्रष्टाचार –
प्रश्न पूछकर अनुपस्थित रहना, प्रश्न पूछकर वापस लेना और प्रश्न के लिए पैसे लेना विशेषाधिकार हनन है। ऐसे मामलों में प्रिविलेज कमेटी से रिपोर्ट लेने के बाद विधानसभा अध्यक्ष सदस्यता समाप्त करने का निर्णय कर सकते हैं। पहले भी संसद में ऐसे उदाहरण आये हैं। जिनमें सदस्यता समाप्त करने की कार्यवाही की गयी। विधायक का भ्रष्टाचार फैलाना वह भी विधानसभा में प्रश्न पूछकर, यह प्रदेश का पहला मामला है। आम जनता में यह तो माना जाता है कि विधायक सड़क, बिल्डिंग, पानी की पाईप लाईन, हेरीटेज बिल्डिंग रिपेयर, नगर निगम के ठेके आदि में कमीशन लेते हैं। लेकिन सबूत किसी के पास नहीं है। विधायक प्रदेश में भ्रष्टाचार फैलाएंगे तो प्रदेश का विकास कैसे होगा। विधायक को तो जनता की सेवा करने के लिए चुना जाता है।

जाति जनगणना से किस राजनैतिक दल को फायदा होगा ?

- पार्टियों के नाम पर जातियों के समूह बन रहे हैं
- जनसंख्या ज्यादा होने के कारण ओबीसी, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति का राजनीति में दबदबा बढ़ सकता है
- राजनीति में दबदबा रखने वाली पार्टियां हाशिये पर जा सकती हैं

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। जाति जनगणना देश का चर्चित मुद्दा बनता जा रहा है। जाति जनगणना का विरोध करने वाली भाजपा ने आश्चर्यजनक रूप से देश में जाति जनगणना करवाने का ऐलान कर दिया। जबकि कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, बहुजन समाज पार्टी, राष्ट्रीय जनता दल आदि पार्टियां लगातार जाति जनगणना की लम्बे समय से मांग करती आ रही हैं। मोदी सरकार ने जातिगत जनगणना की घोषणा तो कर दी है, लेकिन सवाल उठता है कि जाति जनगणना करवाने से भाजपा को कितना लाभ होगा और कितना नुकसान होगा? दूसरी ओर कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, राष्ट्रीय जनता दल आदि पार्टियां जाति जनगणना की घोषणा के बाद जश्न मनाने की स्थिति में हैं और जातीय समूहों तक ले जाने की तैयारी कर रही है, जातियों के प्रतिशत के अनुसार आरक्षण बढ़ाने के लिए दबाव बनाने की कोशिश करने का प्रयास करेंगी। जाति जनगणना होने के बाद देश का राजनीतिक स्वरूप बदलने लगेगा। इसलिए यह अभी से कहना आसान नहीं है कि जातीय जनगणना से किस पार्टी को कितना फायदा और नुकसान होगा?

राजनीतिक पार्टियों में जाति समूह एकत्रित हो रहे हैं
देश में जैसे - जैसे संविधान और आरक्षण का प्रभाव बढ़ता जा रहा है, देश में जातिवाद भी बढ़ता जा रहा है। अब तक करीब-करीब कांग्रेस और भाजपा में सवर्ण जातियों का वर्चस्व था। भाजपा में अभी भी सवर्ण जातियों का नियंत्रण है ।

जिसमें ब्राह्मण, वैश्य और राजपूत जातियां मुख्य हैं। कुछ ओबीसी और दलित जातियां भी जुड़ी हुई हैं। लेकिन उन पर भरोसा नहीं किया जा सकता कि भाजपा को कब छोड़ दें? कांग्रेस पार्टी में जैसे-जैसे राहुल गांधी का वर्चस्व बढ़ता जा रहा है ब्राह्मण, वैश्य और राजपूत आदि सवर्ण जातियों का दबदबा कम हो रहा है और ओबीसी एवं दलित जातियों का प्रभाव बढ़ता जा रहा है। कांग्रेस अपने पुराने वोट बैंक की ओर लौट रही है। कांग्रेस में पहले ब्राह्मणों का अच्छा प्रभाव था, लेकिन अब उनका प्रभाव घटता जा रहा है। समाजवादी पार्टी में पिछड़े, दलित और मुस्लिम जातियों के गठजोड़ पर राजनीति हो रही है।

इसी तरह बिहार में राष्ट्रीय जनता दल में पिछड़ों, यादवों, दलितों की राजनीति का बोलबाला है। ज्यादातर राजनीतिक दल विचारधारा से ज्यादा जातियों के गठजोड़ और उनके फायदे की राजनीति कर रहे हैं, लेकिन बात सभी राष्ट्रभक्ति की करते हैं।

भविष्य की राजनीति
देश में पिछड़ों, दलितों एवं आदिवासियों की जनसंख्या 80 प्रतिशत के करीब है। जिनको संविधान में आरक्षण मिला हुआ है।

आरक्षित जातियां देर-सवेर एक होने के प्रयास में रहेंगी । यदि आरक्षण जारी रहता है तो इन जातियों का जल्दी राजनीति प्लेटफार्म तैयार हो सकता है। आरक्षित जातियों के नेताओं का पार्टियों में तेजी से वर्चस्व बढ़ता जाएगा ओर सवर्ण जाति के नेता राजनीति में कमजोर होकर सत्ता से बाहर हो सकते हैं, कयोंकि देश में सवर्ण जातियों की जनसंख्या मात्र 20 प्रतिशत से कम है। भविष्य में जातिगत जनगणना के आंकड़े आने के बाद आरक्षण की 50 प्रतिशत सीमा को बढ़ाया जा सकता है और सरकार के ज्यादा संसाधनों पर आरक्षित जातियों का अधिकार हो सकता है।

दाई हलीमा मैटरनिटी एण्ड जनरल हॉस्पिटल का शुभारंभ

भीलवाड़ा, (रॉयल पत्रिका)। भीलवाडा शहर के चिकित्सा इतिहास में एक महत्वपूर्ण अध्याय उस समय जुड़ गया, जब सोमवार 5 मई को दाई हलीमा मैटरनिटी एण्ड जनरल हॉस्पिटल का शुभारंभ हुआ। ट्रस्ट के चैयरममैन एवं सदस्यों के मुताबिक यह अस्पताल केवल ईंट-पत्थरों की एक इमारत नहीं, बल्कि एक ऐसे ख्वाब की ताबीर है, जो स्वास्थ्य को बोझ नहीं, बल्कि हर व्यक्ति का हक़ मानता है। सेवा, संवेदना और सच्ची इंसानियत के उसूलों पर खड़ा यह संस्थान खासतौर पर महिलाओं और बच्चों की देखभाल के लिए समर्पित रहेगा। अस्पताल के शुभारंभ के अवसर पर डॉक्टरों और कर्मचारियों की एक समर्पित टीम ने अपनी सेवाओं की शुरुआत की। वरिष्ठ महिला चिकित्सा अधिकारी डॉ. फरजाना सिद्दीकी, चिकित्सा अधिकारी डॉ. अभिषेक पंचोली, मुख्य कार्यकारी अधिकारी ताहिर हुसैन शेख, फार्मासिस्ट तस्लीम खान, नर्सिंग स्टाफ नाज़िया बानो और एकता राव, व कंप्यूटर ऑपरेटर मोइनुद्दीन खान जैसे अनुभवी व्यक्तियों ने इस मिशन में जुड़कर सेवा की शपथ ली। सभी सदस्यों ने एक स्वर में कहा कि वे इलाज से पहले भरोसा देंगे, दवाओं से पहले दुआ करेंगे और इस अस्पताल को इंसानियत का ऐसा घर बनाएंगे जहाँ दर्द के बदले राहत और मायूसी के बदले उम्मीद दी जाएगी। चैयरममैन ने बताया कि अस्पताल में मातृत्व एवं प्रसूति विभाग की विशेष व्यवस्था की गई है, जहाँ गर्भवती महिलाओं और नवजात शिशुओं की सम्पूर्ण देखभाल सुनिश्चित की जाएगी। साथ ही जनरल मेडिसिन और ओपीडी सेवाओं के अंतर्गत आम बीमारियों से लेकर विशेषज्ञ परामर्श तक की सुविधाएँ उपलब्ध

रहेंगी। ब्लड टेस्ट, एक्स-रे, सोनोग्राफी जैसी नैदानिक सेवाएं भी अस्पताल परिसर में ही सुलभ कराई गई हैं। 24 घंटे अनुभवी नर्सिंग स्टाफ की मौजूदगी हर मरीज को बेहतर देखभाल देने के लिए तत्पर रहेगा। संस्थान का विशेष फोकस इस बात पर है कि इलाज और दवाइयाँ आम लोगों की पहुंच में रहें, इसलिए हर सेवा किफायती दरों पर उपलब्ध कराई जाएगी। अस्पताल प्रबंधन का मानना है कि यह संस्थान सिर्फ इलाज का केंद्र नहीं, बल्कि एक सामाजिक जिम्मेदारी है। यह हर उस माँ के लिए एक सुरक्षित आश्रय बनेगा जो अपने और अपने बच्चे के बेहतर स्वास्थ्य की कामना करती है। शहरवासियों ने इस नई पहल का स्वागत करते हुए उम्मीद जताई कि यह अस्पताल आने वाले समय में भीलवाड़ा में चिकित्सा और मानवता की एक मजबूत मिसाल बनेगा। दाई हलीमा मैटरनिटी एण्ड जनरल हॉस्पिटल अब उन तमाम लोगों के लिए एक उम्मीद की किरण बन चुका है, जो बेहतर इलाज की आस लिए दर-दर भटकते हैं।

पाकिस्तान की मंशा है भारत में हिंदू मुस्लिम के बीच दंगे हों

- पाकिस्तान की यह भी मंशा हो सकती है कि भारत के बहुसंख्यक हिंदू मुसलमानों पर हमला कर दें और देश में गृह युद्ध हो जाए जिससे पाकिस्तान भारतीय सेना से बिना लड़े युद्ध जीत जाए

- भारत में नफरत फैलाने वाले पाकिस्तान के जाल में फंसते जा रहे हैं

एम. खान

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। जम्मू कश्मीर में पाकिस्तानी आतंकवादियों ने बड़े प्रचार-प्रसार और प्रोपेगंडा के साथ भारतीय पर्यटकों को उनका धर्म पूछ कर 28 लोगों को गोलियां चलाकर शहीद कर दिया। जब तक सुरक्षा बल पहुंचते आतंकवादी अपना काम करके निकल लिए। देश में यह पहली बार हुआ कि आतंकवादियों ने लोगों से इस्लामिक कलमा पढ़ने के लिए कहा। आतंकवादियों को पाकिस्तान से फंड एवं ट्रेनिंग मिलता है और भारत में अराजकता फैलाने की पूरी कोशिश करते हैं। जिससे भारत में अशांति बनी रहे और भारत की साख विश्व स्तर पर खराब होती रहे है। पाकिस्तान जानता है कि वह भारत का युद्ध में आमना-सामना नहीं कर सकता है। पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी पूरी जानकारी रखती है कि भारत का धार्मिक, सामाजिक एवं आर्थिक मिजाज कैसा है। भारत में पाकिस्तान के एजेंट हैं। पाकिस्तानी एजेंटो के द्वारा भारत की सभी गतिविधियों की आईएसआई जानकारी रखती है।

भारत के बहुसंख्यक हिंदू और मुसलमानों में टकराव-
पाकिस्तान के सेनाध्यक्ष मुनीर खान ने एक बार नहीं दो बार बयान दिया कि हिंदू-मुस्लिम समुदाय के लोग एक साथ नहीं रह सकते हैं। इसके पीछे पाकिस्तान की साजिश का अंदाजा लगाया जा सकता है। आतंकवादियों ने भी इस्लामिक कलमा पूछ कर भारतीय नागरिकों पर गोलियां चलाईं। इसके पीछे पाकिस्तान का भारत को फँसाने का जाल नजर आता है। पाकिस्तान भारत में हिंदू मुस्लिम का फसाद चाहता है। आतंकवादियों की घृणित कृत्य से भारत का बहुसंख्यक हिंदू वर्ग नाराज हो जाए और वह भारत के अंदर ही मुस्लिम समुदाय के लोगों पर हमला कर दें और देश में अराजकता, अशांति एवं गृह-युद्ध जैसी स्थिति बन जाए। छुटपुट घटनाएं पहलगाम की घटना के विरोध में सामने भी आई, लेकिन देश का हिंदू वर्ग और मुस्लिम वर्ग पाकिस्तान के नापाक इरादों को समझ गया और एकजुट होकर पाकिस्तान के खिलाफ खड़ा हो गया, सरकार के हर कदम के साथ चलने लगा। पाकिस्तान की नापाक हरकतें नाकाम हो गई। पाकिस्तान भारत में गृह-युद्ध भड़का कर बिना युद्ध के ही जीतना चाहता था।

भारत में एक दूसरे पर हमला करने वाले पाकिस्तान के समर्थक-
जब भारत-पाकिस्तान में तनाव चरम सीमा पर है, ऐसी स्थिति में हर नागरिक का कर्तव्य है कि पाकिस्तान की हरकतों का जवाब देने में भारत सरकार का साथ दें। ऐसी स्थिति में कोई भी व्यक्ति, ग्रुप एवं समुदाय नफरत फैला कर दंगे भड़काने, धार्मिक पहचान के साथ मारपीट करने, हत्या करने का काम करता है तो उनको पाकिस्तान का समर्थक ही माना जाएगा। ऐसे लोगों पर सरकार की सख्ती दिखाई देनी चाहिए। क्योंकि भारत में आंतरिक अशांति फैलाना, दंगे होना आदि गतिविधियों को पाकिस्तान पैदा करना चाहता है।

मुख्यमंत्री का गुजरात दौरा- विश्वभर में प्रवासी राजस्थानियों ने प्रदेश को किया गौरवान्वित

- अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति के उत्थान के लिए कार्य कर रही राज्य सरकार - मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि विश्वभर में राजस्थान के प्रवासी प्रदेश का नाम गौरवान्वित कर रहे हैं। प्रवासी राजस्थानी अपनी कर्मभूमि के साथ-साथ मातृभूमि से भी जुड़े रहते हैं।

उन्होंने कहा कि हमारे राजस्थान के प्रवासी विश्वभर में चिकित्सा, शिक्षा, पेयजल सहित विभिन्न सामाजिक सरोकार से जुड़े हुए कार्य कर रहे हैं। उन्होंने प्रवासी राजस्थानियों से आह्वान किया कि 'आपणो अग्रणी राजस्थान' के संकल्प को पूरा करने में अपना अहम योगदान दें। शर्मा सोमवार को गुजरात के वडोदरा में राजस्थानी समाज द्वारा आयोजित सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राजस्थान शक्ति और भक्ति की धरती है। इस भूमि पर महाराणा प्रताप, महाराजा सूरजमल, त्याग और तप की पर्याय पन्नाधाय, भक्ति की मूर्ति मीराबाई और पर्यावरण संरक्षिका मां अमृता देवी जैसी महान विभूतियों ने जन्म लिया, इन सभी के महान कार्यों से आज तक हम सभी प्रेरणा ले रहे हैं।

'कर्मभूमि से मातृभूमि' अभियान में प्रवासियों का मिल रहा भरपूर सहयोग-
मुख्यमंत्री ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में राज्य सरकार के 'कर्मभूमि से मातृभूमि' अभियान के तहत भामाशाहों और प्रवासी भाई-बहनों का भरपूर सहयोग मिल रहा है। इसके तहत राज्य में लगभग 45 हजार जल संरक्षण संरचनाओं का निर्माण किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह अभियान वर्षा जल की एक-एक बूंद को सहेजकर जल उपलब्धता बढ़ाने तथा भूजल स्तर को बढ़ाने में भी मददगार बनेगा। गुजरात तथा राजस्थान ...

शेष पृष्ठ 2 पर...

पब्लिक वाई-फाई का उपयोग वित्तीय लेन देन में न करे

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। मुख्य सचिवों के तृतीय राष्ट्रीय सम्मेलन में 'साइबर सुरक्षा- उभरती चुनौतियां' विषय पर पर देशभर में साइबर स्वच्छता के प्रति जागरूकता लाने के लिए जनजागरूकता कार्यक्रम चलाने का निर्णय लिया गया था। राज्य के सूचना एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा इस सम्बंध में जारी गाइडलान के अनुसार बैंकिंग लेनदेन, व्यापारिक अकाउंट, ईमेल आदि उपयोग करते समय पब्लिक वाई-फाई का उपयोग करने से बचें। वर्चुअल, प्राइवेट नेटवर्क (वीपीएन) का उपयोग करें, खुले हुए वाई-फाई नेटवर्क से अपनी डिवाइस को ऑटो कनेक्ट करने का ऑप्शन ऑफ रखें, फायरवाल और एंटी वायरस का उपयोग करें और सुरक्षित ट्रांजेक्शन के लिए पब्लिक वाई-फाई की जगह अपने मोबाइल नेटवर्क का उपयोग करें। https:// से शुरू होने वाली वेबसाइट को ही काम में लें। कोई विज्ञापन संदिग्ध लगे तो इसकी सूचना https://www-cybercrime-gov-in/ या टोल फ्री 1930 पर दें। जारी गाइडलाइन के अनुसार प्रामाणिक ऑपरेटिंग सिस्टम और सॉफ़्टवेयर का उपयोग करें। अपने ऑपरेटिंग सिस्टम को अपडेट रखें। एंटी-वायरस और एंटी-मैलवेयर समाधान स्थापित करें। अपने एंटी-वायरस और एंटी-मैलवेयर समाधान को अपडेट रखें, मजबूत लॉगिन पासवर्ड का उपयोग करें और उन्हें समय-समय पर बदलें। अपनी महत्वपूर्ण फ़ाइलों और डेटा का नियमित रूप से बैकअप लें। हार्डवेयर विफलता या साइबर हमलों जैसी घटनाओं के मामले में बैकअप होने से महत्वपूर्ण जानकारी बहाल करने में मदद मिल सकती है। आपदा की स्थिति में डेटा के नुकसान से बचने के लिए महत्वपूर्ण डेटा की कई प्रतियाँ विभिन्न स्थानों पर रखें। अपने बैकअप का समय-समय पर परीक्षण और सत्यापन करें ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि जब आवश्यक हो, तो उनका पुनर्स्थापन के लिए उपयोग किया जा सके।

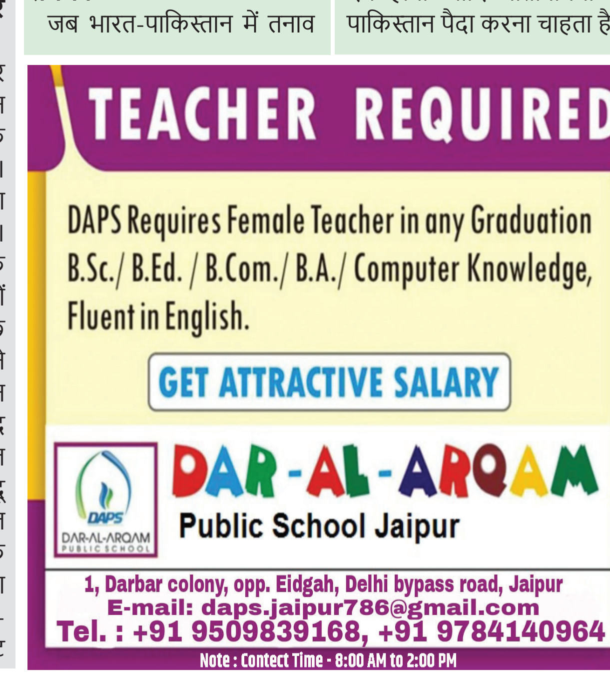

जय हनुमान सांस्कृतिक विकास समिति सांगानेर का हुआ गठन

सांगानेर/जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। सांगानेर के त्रिपोलिया जय हनुमान सांस्कृतिक विकास समिति सांगानेर की बैठक हुई। जिसमें सर्व सहमति से संगठन के चुनाव संपन्न कराए गए। जिसमें हनुमान सहाय गुर्जर अध्यक्ष, मोहनलाल सैनी संरक्षक रमेश शर्मा उपाध्यक्ष पंकज धनोपिया कोषाध्यक्ष, मुरलीधर शर्मा सांस्कृतिक व संगठन मंत्री, बाबूलाल छिपा उप कोषाध्यक्ष, वीरेंद्र कुमार गुर्जर संयुक्त मंत्री व भंवरलाल बागड़ा, बाबूलाल सैनी, गोविंद नारायण गुप्ता कार्यकारिणी सदस्य विरोध चुने गए। निर्वाचन अधिकारी अशोक यादव ने सभी को शपथ ग्रहण कराई गई। इसके पश्चात सभी सदस्यों द्वारा नवगठित कार्यकारिणी का स्वागत किया गया।

जयपुर में स्वर्णकार सेवा दल के तत्वावधान में 1 जून को आयोजित होगी डांस प्रतियोगिता

मनोहरपुर, (रॉयल पत्रिका)। स्वर्णकार सेवा दल के तत्वावधान में 1 जून को पहली बार डांस प्रतियोगिता आयोजित होगी। डांस प्रतियोगिता की तैयारियों एवं रूप रेखा बनाने को लेकर रविवार को मीटिंग आयोजित हुई, मीटिंग में कुछ महत्वपूर्ण बातों पर की गई। जानकारी देते हुए सामाजिक कार्यकर्ता धर्मेंद्र सोनी ने बताया कि डांस प्रतियोगिता में पांच वर्ष से लेकर 15 वर्ष के बच्चे ही भाग ले सकेंगे। रजिस्ट्रेशन की अंतिम तिथि 25 मई होगी। मीटिंग में अधिवक्ता डिम्पल सोनी,तारा लावट,सुनीता सोनी,सुमन सोनी,मीनू सोनी,रतनी देवी,मीना महायच, विष्णु भामा,मुरारी रोडा, पवन उदावत, अशोक कड़ेल, राकेश कड़ेल, सूरज सहदेव, विनोद सुनालिया, अशोक मौसुन आदि मौजूद रहे!

सुरक्षा जवान, सुरक्षा सुपरवाइजर एवं सुरक्षा अधिकारी भर्ती कैंप

सवाई माधोपुर, (रॉयल पत्रिका)। भारतीय सुरक्षा दस्ता परिषद नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में एसआईएस सिक्योरिटी द्वारा शिक्षित बेरोजगार युवाओं को रोजगार प्रदान करने के उद्देश्य से सोमवार को राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय बौंली में सुरक्षा जवान, सुरक्षा सुपरवाइजर एवं सुरक्षा अधिकारी भर्ती कैंप का अयोजन हुआ।

कमांडेंट कार्यालय राकेश चौधरी ने बताया कि कैम्प में 15 अभ्यार्थियों ने भाग लिया जिनमें 5 अभ्यर्थियों भागचंद गुर्जर, हंसराज गुर्जर, राजेंद्र सैनी, पंकज कुमार सैनी एवं राजेंद्र प्रसाद बैरवा का चयन किया गया। उन्होंने बताया कि शिविर में आने से जो अभ्यर्थी वंचित रहे गए है वह 6 मई को राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय चौथ का बरवाड़ा में आयोजित कैम्प में भाग लेकर लाभ उठा सकते है। इसी प्रकार 9 एवं 10 मई को राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय शहर सवाई माधोपुर 72 सिढ़ी, 11 मई को राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय बामनवास, 12 एवं 13 मई को राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय गंगापुर सिटी में प्रातः 10 बजे से अपरान्ह 3 बजे तक भर्ती केम्प का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि सुरक्षा जवान के लिए 10वीं कक्षा उत्तीर्ण बेरोजगार युवा की उम्र 19 से 40 वर्ष के मध्य होनी चाहिए। अभ्यर्थी की ऊँचाई 168 से 170 सेमी एवं वजन 55 से 90 किलोग्राम होना आवश्यक है। अभ्यर्थी अपनी दसवीं व बारहवीं सहित समस्त शैक्षिक एवं प्रशैक्षिक योग्यता की अंकतालिका, आधार कार्ड, पेन कार्ड की फोटोकॉपी एवं दो पासपोर्ट साईज फोटो के साथ भर्ती कैम्प में उपस्थित होकर आवेदन कर सकते है। अधिक जानकारी के लिए हेल्पलाइन नंबर 9528537814 पर सम्पर्क कर सकते है। उन्होंने बताया कि चयनित युवाओं को भारत सरकार एवं राजस्थान के औद्योगिक क्षेत्र में जैसे जोधपुर एम्स, जोधपुर आईटीआई, बाड़मेर माइंस जेके सीमेंट, निंबाहेड़ा चित्तौड़गढ़ किला, कुंभलगढ़ किला, जेसीबी जयपुर, ताज होटल, ताज महल, आगरा किला, रणथम्भौर का किला, अस्पताल, धार्मिक स्थल, ऐतिहासिक धरोहरों के साथ निजी क्षेत्र में नियुक्ति दी जाएगी।

उन्होंने बताया कि सुरक्षा जवान को 16 हजार से 22 हजार रूपये, सुरक्षा सुपरवाईजर को 18 हजार से 25 हजार रूपये स्नातक पास मासिक वेतन के साथ 65 वर्ष तक स्थाई नौकरी प्रदान की जाएगी। इसके साथ ही पीएफ, पेंशन, जीवन बीमा, मेडिकल, सालाना वेतन में वृद्धि, प्रमोशन, आवास एवं मेस आदि सुविधाएं भी दी जाएगी।

ग़ज़ल

गुलाब आज भी सबको हसीन लगता है
पुराना दोस्त पुराना सा कमीन लगता है

बदलता कुछ भी नहीं इल्म ओर बढ़ता है
जिसे न समझे थे अब वो बेहतरीन लगता है

मिला है मुझसे वो जैसे कभी मिले ना थे
बदलती रुत का यह गद्दी नशीन लगता है

बहुत निभाए हैं वादे तेरी मोहब्बत में
ज़माना कहता है अब मुतमईन लगता है

तुम्हारी हां में कुछ ना छलक रहा क्यूं है
कोई तो फर्क है ज़्यादा महीन लगता है

तबियत ढूंढ ही लेती है अपना जैसा कोई
मगर यह शख़्स नहीं रोबो मशीन लगता है

मौलिक रचना, रचियता:- फ़ज़लुर्रहमान
सहायक सचिव (सेवा निवृत्त)
मोबाइल नं 9828668877

अंसारी मोहल्ले में बहाल हुई बिजली और पानी की आपूर्ति

-पिछले संस्करण में उठाए गए मुद्दे पर प्रशासन ने त्वरित कार्रवाई की, जनता को मिली राहत

रॉयल पत्रिका की खबर का दिखा असर

शादाब अली

सवाई माधोपुर, (रॉयल पत्रिका)। रॉयल पत्रिका द्वारा 3 और 4 मई को प्रकाशित की गई विशेष खबर का सकारात्मक असर देखने को मिला है। शहर के अंसारी मोहल्ले में बीते 15 दिनों से पूरी तरह ठप पड़ी पेयजल आपूर्ति और बिजली की समस्या पर जब पत्रिका ने प्रमुखता से आवाज उठाई, तो संबंधित विभाग हरकत में आ गया। गौरतलब है कि अंसारी मौहल्ले में गर्मी के मौसम में हर वर्ष पानी और बिजली की समस्या गंभीर रूप ले लेती है, लेकिन इस बार रॉयल पत्रिका ने इस जनसमस्या को व्यापक कवरेज देते हुए प्रशासन और संबंधित अधिकारियों तक पहुंचाया। समाचार प्रकाशित होने के 24 घंटे के भीतर प्रशासन ने तत्परता दिखाई और शनिवार रात को मौहल्ले में नई डीपी लगाई गई। इसके साथ ही सोमवार को पेयजल आपूर्ति भी बहाल कर दी गई। स्थानीय निवासियों ने राहत की सांस ली है और रॉयल पत्रिका व प्रशासन का आभार जताया है। इस कार्यवाही से न केवल आमजन को राहत मिली है बल्कि यह भी सिद्ध हुआ है कि मीडिया की भूमिका समाज के लिए कितनी प्रभावशाली और निर्णायक हो सकती है। जिला प्रशासन और विभागीय अधिकारियों ने समस्या का शीघ्र समाधान कर अपनी कार्यकुशलता और उत्तरदायित्व का उत्कृष्ट परिचय दिया है।

दैनिक रॉयल पत्रिका जयपुर, रविवार 04 मई 2025

अंसारी मोहल्ले में पेयजल संकट गहराया, विभागों की लापरवाही से जनता त्रस्त

संवाददाता - शादाब अली

सवाई माधोपुर, (रॉयल पत्रिका)। शहर के अंसारी मौहल्ले में पिछले करीब 15 दिनों से पेयजल आपूर्ति पूरी तरह से ठप पड़ी है, जिससे स्थानीय नागरिकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। जल संकट के चलते महिलाओं, बच्चों व बुजुर्गों को घण्टों लाइन में लगकर ठेले, साइकिल व मोटरसाइकिल से दूर-दराज के इलाकों से पानी लाना पड़ रहा है।

पंप ड्राइवर रईस अंसारी ने बताया कि विगत दो सप्ताह से बार-बार हो रही विद्युत ट्रिपिंग के कारण ट्यूबवेल की मोटर पूरी क्षमता से कार्य नहीं कर पा रही है, जिससे पानी की आपूर्ति बुरी तरह बाधित हो गई है। इस समस्या की जानकारी जलदाय विभाग के उच्चाधिकारियों को समय रहते दे दी गई थी, फिर भी ना तो जलदाय विभाग और ना ही विद्युत विभाग के अधिकारियों ने अब तक कोई ठोस कार्रवाई की है।

स्थानीय नागरिकों का कहना है कि विभागों की यह उदासीनता न केवल प्रशासनिक छवि को नुकसान पहुंचा रही है, बल्कि 'हर घर नल से जल' जैसी महत्वाकांक्षी सरकारी योजना की साख पर भी प्रश्नचिन्ह खड़ा कर रही है।

जनता ने प्रशासन से गुहार लगाई है कि इस गंभीर समस्या का अविलंब समाधान किया जाए, ताकि नागरिकों को राहत मिल सके और पेयजल जैसी मूलभूत सुविधा के लिए उन्हें यूँ दर-दर न भटकना पड़े।

भामाशाहों ने सांगानेर के राजकीय जिला अस्पताल में मरीजों को राहत देने का किया सुनहरा प्रयास

मोहम्मद सादिक हिन्दस्तानी

सांगानेर/जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। गहलोत सरकार ने जल्दबाजी में कई सरकारी अस्पतालों को ईटर्नल हॉस्पिटल में तब्दील करने की पहल तो की लेकिन, मूलभूत सुविधाओं से वंचित रखा गया। मरीजों को जो सुविधाएं मिलना चाहिए थी। वह उपलब्ध कराने में असफल सिद्ध हुई। वर्तमान सरकार भी उदासीन बनी हुई है। घोषणाएं तो बहुत हुईं लेकिन अभी तलक धरातल पर दिखाई नहीं दे रही है। जिसके कारण सांगानेर की जनता में उदासी दिखाई दे रही है। हर तरफ जनता की जुबान पर एक ही कहावत सुनाई दे रही है कि खोदा पहाड़ निकली चुहिया। लेकिन हम बताना चाहेंगे कि थोड़ा धैर्य रखिए सांगानेर का शीघ्र कायाकल्प होने वाला है।

कूलर एसी का किया इंतजाम-- भीषण गर्मी को देखते हुए मरीजों की सुविधा के लिए पिछले हफ्ते मानव सेवार्थ पर हितार्थ ग्रुप के सदस्यों ने कूलर लगवाए गए थे। रंग रसायन व्यापार मंडल सांगानेर ने ऑपरेशन थिएटर में, सांगानेर प्रिंट ट्रेडर्स एसोसिएशन ने इमरजेंसी में भामाशाह मुरलीधर शर्मा एवं संदीप शर्मा ने लैबोरेट्रीज में, भामाशाह राधेश्याम एवं सुनील डंगायच ने एक्स-रे रूम में,भामाशाह महेंद्र कुमावत द्वारा डॉक्टर ड्यूटी रूम में 2 लाख 61 हजार रुपए के पांच ऐसी लगवाए गए।

सरकार की उदासीनता--ग्रुप के संयोजक घनश्याम कूलवाल ने बताया की सरकार ने दो डायलिसिस मशीनें एवं दो एसी दिए थे लेकिन सरकार की उदासीनता के कारण डायलिसिस यूनिट डेवलपमेंट ना हो सका। दो साल से पड़ी मशीनें ऐसे ही धूल खा रही थी। मरीजों को डायलिसिस के लिए जयपुरिया एवं अन्य अस्पताल में जाना पड़ता था। जब इस बारे में डॉक्टर्स ने हमको बताया तो हमने एक बड़े हॉल का अल्युमिनियम से पार्टीशन कराकर तीन रूम बनवा दिए और अलग से डायलिसिस यूनिट तैयार करबा दिया। जिसमें दो मशीनें एवं आरो प्लांट लगवा कर यूनिट प्रारंभ करवा दी गई। यह कार्य श्री कल्याण सेवा समिति सांगानेर के द्वारा किया गया।इस अवसर पर कल्याण सेवा समिति कार्यकारिणी के सदस्य,रंग रसायन व्यापार मंडल कार्यकारिणी के सदस्य, प्रिंट ट्रेडर्स एसोसिएशन कार्यकारिणी के सदस्यों में उपस्थित भामाशाह मुरलीधर शर्मा, अजय शर्मा, कमल मोहन कूलवाल, संजय शर्मा, राजन शर्मा, ग्रुप संयोजक घनश्याम कूलवाल, राजेश शर्मा सहित अन्य लोग उपस्थित रहे। जिनका अस्पताल प्रशासन ने फूल माला पहनाकर स्वागत, सत्कार किया।

वर्ष 2018 से बाट जोह रहे परिवारों को मिलेगा आशियाना

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। राज्य सरकार की गरीबी मुक्त गांव बनाने की मुहिम में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के अथक प्रयासों से बड़ी सफलता मिली है। 6 साल से भी अधिक समय से अपने पक्के घर का इंतजार कर रहे परिवारों का सपना अब साकार होने जा रहा है। वर्ष 2018 के आवास प्लस सर्वे में शामिल प्रदेश के 2 लाख 73 हजार 752 परिवारों को शीघ्र ही पक्के आवासों की सौगात मिलेगी।

मुख्यमंत्री का सपना 'गरीबी मुक्त राजस्थान'

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में प्रदेश में गरीबी मुक्त गांव बनाने पर जोर दिया जा रहा है, इसी कड़ी में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान में नवाचार किया जा रहा है।

प्रदेश में गरीबी मुक्त गांव बनाने के लिए बजट में प्रावधान किया गया है और पहले चरण में पांच हजार गांवों का लक्ष्य रखा गया है। इस योजना के तहत चिन्हित गांवों के सभी बीपीएल परिवारों को गरीबी रेखा से ऊपर लाने के लिए 300 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। सरकार का लक्ष्य है कि इन गांवों के बीपीएल परिवारों को सशक्त बनाकर आत्मनिर्भर बनाया जाए। इसके लिए इन गांवों में विभिन्न विकास योजनाएं, स्वरोजगार के अवसर, कौशल विकास कार्यक्रम और वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई जाएंगी।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा सरकार बनने के बाद से ही केन्द्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय से समन्वय बनाकर लगातार प्रदेश के गांवों को गरीबी मुक्त बनाने की दिशा में प्रयास कर रहे हैं।

पृष्ठ 1 का शेष...

मुख्यमंत्री का गुजरात दौरा- विश्वभर...

एक सिक्के के दो पहलू-

शर्मा ने कहा कि प्रदेश की पानी की जरूरत को प्राथमिकता देते हुए रामजल सेतु लिंक परियोजना, यमुना जल समझौता, देवास परियोजना सहित अन्य जल परियोजनाओं को पूरा किया जा रहा है। श्री शर्मा ने कहा कि गुजरात तथा राजस्थान दोनों राज्य एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। गुजरात की धरती पर महात्मा गांधी तथा सरदार वल्लभ भाई पटेल जैसे महापुरुष पैदा हुए, जिन्होंने देश की एकता और अखण्डता के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया।मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान के औद्योगिक क्षेत्र के विकास के लिए पिछले साल दिसंबर में राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट का आयोजन किया गया। इस समिट में लगभग 37 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए, जिनमें से 3 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्तावों की ग्राउंड ब्रेकिंग की जा चुकी है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के विजन को आधार मानकर राज्य सरकार गरीब, युवा, महिला और किसानों का कल्याण सुनिश्चित कर रही है।

हमारी सरकार के कार्यकाल में एक भी पेपरलीक नहीं हुआ-

शर्मा ने कहा कि पूर्ववर्ती सरकार के समय में पेपरलीक की घटनाओं के कारण युवाओं के साथ विश्वासघात हुआ। हमारी सरकार भर्ती परीक्षाओं का आयोजन पूर्ण पारदर्शिता के साथ करवाने के साथ ही युवाओं को समय पर रोजगार उपलब्ध करवा रही है। हम 5 वर्ष में युवाओं को 4 लाख सरकारी नौकरी देने के लक्ष्य के साथ काम कर रहे हैं तथा हमारी सरकार में एक भी पेपर लीक नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार पं. दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय के लक्ष्य के साथ अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति के उत्थान के लिए कार्य कर रही है तथा हम संकल्प पत्र के प्रत्येक वादे को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है। समारोह के दौरान जनप्रतिनिधिगण सहित बड़ी संख्या में प्रवासी राजस्थानी उपस्थित रहे।

एसडीएम थप्पड़कांड में फंसे नरेश मीणा ने दी सरकार को आंदोलन की चेतावनी

- कहा- 'CM ने किया था रिहाई का वादा'

टोंक, (रॉयल पत्रिका)। चर्चित एसडीएम थप्पड़कांड मामले में जेल में बंद नरेश मीणा को सोमवार सुबह टोंक की लिंक कोर्ट में पेश किया गया। कोर्ट ने उनके खिलाफ चल रहे दो मुकदमों की अगली सुनवाई 9 मई को तय की है। पेशी के बाद जब उन्हें वापस बूंदी जेल ले जाया जा रहा था, उस दौरान मीडिया से बातचीत में उन्होंने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को रिहाई का वादा याद दिलाया और कहा कि अगर सरकार ने अपना वादा नहीं निभाया तो आंदोलन किया जाएगा।

क्या है पूरा मामला?

नरेश मीणा SDM थप्पड़कांड में आरोपी हैं और 14 नवंबर 2024 से जेल में बंद हैं। उनके समर्थकों ने मई महीने में जयपुर में आंदोलन की चेतावनी दी थी, लेकिन आंदोलन से पहले ही मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने नरेश मीणा के पिता से मुलाक़ात की थी और आंदोलन को रुकवाया था। इस मुलाक़ात में मुख्यमंत्री ने कथित रूप से मीणा की रिहाई का आश्वासन दिया था। अब तक वह वादा पूरा नहीं हुआ है, जिससे नरेश मीणा और उनके समर्थकों में नाराज़गी बढ़ती जा रही है। कोर्ट से लौटते समय पुलिस वैन में बैठे नरेश मीणा ने अपने समर्थकों से कहा, "अगर सरकार अपना वादा नहीं निभाती है तो 15 मई से जयपुर में आंदोलन शुरू होगा।" इस बयान के बाद समर्थकों ने जमकर नारेबाज़ी की और पुलिस से बहस भी हुई। हालांकि स्थिति नियंत्रण में रही और पुलिस उन्हें शांतिपूर्वक बूंदी जेल ले गई।

लंबित प्रकरणों का शीघ्र करें निस्तारण: अतिरिक्त जिला कलक्टर

-आवश्यक सेवाओं की साप्ताहिक समीक्षा बैठक आयोजित

सवाई माधोपुर, (रॉयल पत्रिका)। आवश्यक सेवाओं बिजली, पानी, सड़क, शिक्षा, चिकित्सा सहित अन्य विभागों की साप्ताहिक समीक्षा बैठक सोमवार को अतिरिक्त जिला कलक्टर संजय शर्मा की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट परिसर स्थित भारत निर्माण राजीव गांधी सेवा केन्द्र में आयोजित हुई। अतिरिक्त जिला कलक्टर ने सम्पर्क पोर्टल पर लंबित प्रकरणों की समीक्षा की और विभागीय अधिकारियों को पोर्टल पर दर्ज लंबित प्रकरणों का गुणवत्तापूर्ण तथा समयबद्ध निस्तारण करने के निर्देश प्रदान किए हैं। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि पोर्टल पर कोई भी प्रकरण 90 दिन से अधिक लंबित नहीं रहे।शर्मा ने गर्मी के मौसम को दृष्टिगत रखते हुए जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के अधीक्षण अभियंता भगवान सहाय मीणा को आमजन के लिए निर्बाध एवं पर्याप्त जलापूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही विद्त विभाग के अधीक्षण अभियंता बी.एल. मीणा को क्षेत्र में निरीक्षण कर निर्बाध विद्त आपूर्ति सुनिश्चित करने को कहा। अतिरिक्त जिला कलक्टर ने नगर परिषद के अधिकारियों को शहर तथा बजरिया क्षेत्र में विशेष सफाई श्रमदान अभियान के तहत अतिक्रमियों के विरूद्ध कठोर कार्यवाही करने के निर्देश दिए। साथ ही व्यापारियों और अन्य दुकानदारों विशेषकर ज्यूस, सब्जी और फास्ट फूड विक्रेताओं को उनके आस-पास के क्षेत्र में नियमित रूप से साफ-सफाई सुनिश्चित करने एवं आवश्यकतानुसार डस्टबिन रखने के निर्देश प्रदान किए। उन्होंने सीएमएचओ डॉ. अनिल कुमार जैमिनी को निर्देश दिए कि इन वेण्डर्स के यहां स्वच्छ खाद्य सामग्री सुनिश्चित करने के लिए खाद्य निरीक्षकों की ओर से नियमित रूप से निरीक्षण करवाएं। बैठक में उन्होंने रास्ता खोलो अभियान की प्रगति की समीक्षा करते हुए धीमी प्रगति पर नाराजगी जताई और समस्त उपखंड अधिकारियों तथा तहसीलदारों को अपने-अपने क्षेत्रों का निरीक्षण कर अभियान के तहत प्रभावी कार्यवाही करने के निर्देश दिए। शर्मा ने विभिन्न विभागों के अदालतों में लंबित प्रकरणों, खाद्य सुरक्षा पोर्टल पर पंजीकरण, पीएम कुसुम योजना, लाडो प्रोत्साहन योजना, प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत योजना की प्रगति और आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

आधारभूत संरचना से जुड़े प्रोजेक्ट्स की प्रगति की समीक्षा:- अतिरिक्त जिला कलक्टर संजय शर्मा ने एक अन्य बैठक में जिले में चल रहे विभिन्न आधारभूत संरचना के निर्माण कार्यो की भी समीक्षा की। उन्होंने ठींगला में निर्माणाधीन मेडिकल कॉलेज तथा अस्पताल, बीएससी नर्सिंग कॉलेज आदि के भवनों में निर्माण कार्यो की समीक्षा की। साथ ही संस्कृत कॉलेज बौंली, बनास नदी पर उच्च स्तरीय पुल, मोरेल नदी पर कॉजवे आदि निर्माण कार्यो में तेजी लाने के निर्देश दिए।बैठक में एसडीएम सवाई माधोपुर अनूप सिंह, एसडीएम गंगापुर बृजेन्द्र, जिला रसद अधिकारी रामभजन, जिला परिवहन अधिकारी पीआर मीना, उप निदेशक उद्यान डॉ. हेमराज मीना सहित संबंधित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

केंद्रीय विधि एवं न्याय राज्य मंत्री अर्जुनराम मेघवाल ने राज्यपाल से की मुलाकात

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे से नई दिल्ली स्थित जोधपुर हाउस में सोमवार को विधि एवं न्याय राज्य मंत्री अर्जुनराम मेघवाल ने मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने विभिन्न विषयों और राजस्थान के विकास पर चर्चा की। राज्यपाल और केंद्रीय मंत्री मेघवाल की यह शिष्टाचार भेंट थी।

विधायक निवास पर जनसुनवाई आयोजित

मनोहरपुर/जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। क्षेत्रीय कांग्रेस विधायक मनीष यादव के निवास स्थान बिलांदरपुर में जनसुनवाई का आयोजन हुआ। जनसुनवाई में क्षेत्र के ग्रामीणों और स्थानीय नागरिकों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। लोगों ने गर्मी में अघोषित विद्त कटौती, पेयजल की समस्या, जलदाय विभाग के खराब पड़े ट्यूबवेल और हैंडपंप, क्षतिग्रस्त सड़क, चिकित्सालय में वायरल बीमारियों के बढ़ते प्रकोप, पेंशन, आवास और राजस्व से संबंधित समस्याएं विधायक के समक्ष रखीं। विधायक ने जन समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को जरिये दूरभाष निर्देश दिए और कई मामलों में त्वरित समाधान की प्रक्रिया शुरू करवाई। उन्होंने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिये कि जन समस्याओं को अनदेखा नहीं किया जाए और सभी विषयों पर प्राथमिकता से कार्य किया जाए ताकि आमजन को राहत मिले। विधायक ने कहा कि शासन-प्रशासन अपनी ज़िम्मेदारी समझे तथा आमजन की समस्याओं को गंभीरता से लेकर त्वरित समाधान सुनिश्चित करे।इस मौके पर मुस्कान सेवा संस्थान की ओर से 13 मई को आयोजित किए जा रहे रक्तदान शिविर का विधायक यादव ने पोस्टर विमोचन किया। विधायक यादव ने सभी से रक्त दान शिविर में शामिल होकर रक्तदान की अपील की तथा कहा कि रक्तदान सबसे बड़ा दान होता है, रक्तदान से व्यक्ति कई लोगों की ज़िंदगी बचाता है। जनसुनवाई में मौजूद लोगों ने विधायक मनीष यादव की तत्परता की सराहना की और कहा कि इस प्रकार की पहल से उन्हें अपनी समस्याओं को सीधे जनप्रतिनिधि तक पहुँचाने का मौका मिलता है, जिससे समाधान की उम्मीद भी बढ़ती है।

सूचना

समाचार पत्र में प्रकाशित लेखों में लेखक के अपने विचार हैं, इनसे संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा।

एम्स जम्मू में खुलेगा जयपुर फुट सेंटर

-दिव्यांगों के लिए बड़ी राहत,

जम्मू, (रॉयल पत्रिका)। दिव्यांगजनों के लिए एक बड़ी खुशखबरी सामने आई है। एम्स जम्मू और भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति, जयपुर ने एक अहम समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसके तहत एम्स जम्मू में एक स्थायी जयपुर फुट सेंटर स्थापित किया जाएगा। यह सेंटर दिव्यांगों को कृत्रिम अंग, कैलीपर्स और अन्य सहायक उपकरण पूरी तरह मुफ्त उपलब्ध कराएगा। यह समझौता एम्स जम्मू के कार्यकारी निदेशक और सीईओ प्रो. (डॉ.) शक्ति कुमार गुप्ता और BMVSS के अध्यक्ष व पूर्व राजदूत सतीश मेहता की मौजूदगी में किया गया। संस्था के संस्थापक डॉ. देवेंद्र राज मेहता ने जानकारी दी कि यह केंद्र एम्स भोपाल के बाद दूसरा ऐसा केंद्र होगा जो एम्स परिसर में स्थापित हो रहा है।

58,000 से अधिक दिव्यांगों को मिलेगा लाभ

जनगणना 2011 के अनुसार जम्मू-कश्मीर में 58,000 से अधिक लोग चलने-फिरने में अक्षम हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि वर्तमान में यह संख्या और अधिक हो चुकी है। ऐसे में यह सेंटर इस वर्ग के लोगों के लिए वरदान साबित होगा।

जयपुर फुट सेंटर की खास बातें:

यहां कृत्रिम पैर, कैलीपर्स और यांत्रिक हाथ onsite बनाए और लगाए जाएंगे।

एक ही दिन में फिटिंग जैसी त्वरित सुविधा भी उपलब्ध रहेगी।

सेंटर की सारी सेवाएं पूर्णतः निःशुल्क होंगी।

BMVSS पूरे प्रोजेक्ट में तकनीकी सहयोग देगा, उपकरण और ट्रेंड टेक्नीशियन उपलब्ध कराएगा। एम्स जम्मू स्थान, चिकित्सा सहायता और ढांचा प्रदान करेगा। डॉ. शक्ति कुमार गुप्ता ने बताया कि, "यह साझेदारी समावेशी स्वास्थ्य सेवा की दिशा में बड़ा कदम है। यह सुनिश्चित करेगी कि कोई भी दिव्यांग सिर्फ पैसों की कमी के कारण सहायता से वंचित न रहे।" BMVSS अध्यक्ष सतीश मेहता ने भी कहा कि संस्था सम्मानजनक और निःशुल्क पुनर्वास के लिए प्रतिबद्ध है और यह केंद्र इस दिशा में एक मजबूत प्रयास होगा। यह सेंटर जल्द ही काम करना शुरू कर देगा और इसके माध्यम से हजारों जरूरतमंद लोगों को नया जीवन और आत्मनिर्भरता मिलेगी।

एसडीपीआई का ईद मिलन प्रोग्राम संपन्न

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया (एसडीपीआई) का ईद मिलन समारोह 4 मई को होटल आरको पैलेस जयपुर में आयोजित किया गया। इस ईद मिलन प्रोग्राम में मुख्य रूप से एसडीपीआई के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मोहम्मद शफी, राष्ट्रीय महासचिव यास्मीन फारुकी, राष्ट्रीय महासचिव सीताराम खोईवाल, राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष अशफ़ाक़ हुसैन, प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ शहाबुद्दीन खान, प्रदेश महासचिव नदीम अख्तर, वुमन इंडिया मुवमेंट की पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष मिसेज़ मेहरुन्नीसा खान, रिटायर्ड जज एवं बौद्ध महासभा राजस्थान के प्रदेश अध्यक्ष टी सी राहुल, वेल्फेयर पार्टी ऑफ इंडिया के प्रदेश अध्यक्ष वक़ार अहमद साहब, आज़ाद समाज पार्टी (काशीराम) के राज्य सह संयोजक धर्मेंद्र जाटव, वरिष्ठ अधिवक्ता चेतन बैरवा, वुमन इंडिया मूमेंट की प्रदेश अध्यक्ष फरीदा सय्यद, एपीसीआर के प्रदेश अध्यक्ष एडवोकेट सादत अली, अंबेडकर राइट पार्टी ऑफ इंडिया के महासचिव गंगाराम, दारुल कज़ा जोधपुर के कन्वीनर एवं प्रसनल बोर्ड सदस्य क़ाज़ी रेहमतुल्लाह, शायरा शाहिस्ता महजबीं, सोशल एक्टिविस्ट निदा हाश्मी ने अपने विचार प्रकट किये और देश में सौहार्द क़ायम रखने के लिए सभी वक्ताओं ने अपनी प्रतिबद्दता ज़ाहिर की। प्रोग्राम में सामाजिक सदभावना का संदेश देने के साथ गत 24 अप्रेल को पहलगाम में आतंकी हमले में मारे गए सभी मृतकों को भी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर शहर भर के कई बुद्धिजीवी लोगों और महिलाओं ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

पूर्व मंत्री डॉ. महेश जोशी की पत्नी कौशल देवी को दी गई श्रद्धांजलि

-कई गणमान्यजन पहुँचे आवास, रूबी खान ने जताया शोक

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। पूर्व कैबिनेट मंत्री डॉ. महेश जोशी की पत्नी श्रीमती कौशल देवी जोशी के निधन पर जयपुर में शोक की लहर दौड़ गई। उनके निधन की खबर मिलते ही बड़ी संख्या में लोग उनके निवास स्थान पर पहुंचे और श्रद्धासुमन अर्पित कर दिवंगत आत्मा को भावभीनी श्रद्धांजलि दी। इस दुखद अवसर पर अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रूबी खान भी शोक संतृप्त परिवार से मिलने उनके निवास पहुंचीं। उन्होंने परिजनों को ढांढस बंधाया और ईश्वर से प्रार्थना की कि दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें तथा परिवार को इस अपार दुख को सहने की शक्ति मिले।

8 माह पहले जानलेवा हमला करने का मामला

-हाईकोर्ट ने पुलिस को दिए स्वतंत्र व निष्पक्ष जांच करने के आदेश

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। नीम का थाना जिले के उदयपुरवाटी थाना क्षेत्र में 08 माह पहले 18 सितंबर, 2024 को 78 वर्षीय प्रार्थी-परिवादी पर जानलेवा हमला करने के मामले में पुलिस की ओर से कोई ठोस कार्रवाई नहीं से जुड़े प्रकरण में राजस्थान हाईकोर्ट में जस्टिस समीर जैन की बेंच ने पुलिस अधीक्षक नीम का थाना को स्वतंत्र एवं निष्पक्ष जांच कराने के आदेश दिए हैं। साथ ही हाईकोर्ट ने याचिकाकर्ता-मुस्तगीस मूल सिंह को भी 06 मई को पुलिस अधीक्षक नीम का थाना के समक्ष उपस्थित होने के निर्देश दिए हैं। अधिवक्ता मोहम्मद आबिद खान और अंजलि वशिष्ठ ने प्रार्थी मूल सिंह निवासी ग्राम पचलंगी, तहसील उदयपुरवाटी की ओर से पैरवी करते हुए हाईकोर्ट को बताया कि 19 सितंबर 2024 को याचिकाकर्ता-मुस्तगीस मूल सिंह ने उदयपुरवाटी थाने में भारतीय न्याय संहिता की धारा-189(2), 126(2) और 115(2) के अपराधों में उपरोक्त एफआईआर दर्ज करवाई थी। याचिका में निष्पक्ष जांच और कानून के अनुसार उचित निर्णय लेने के आदेश देने की मांग करते हुए कहा गया कि जांच अधिकारी एवं थानाधिकारी को अभ्यावेदन देने के बाद भी मामले में कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई हैं। प्रार्थी मूल सिंह ने एफआईआर में आरोपी किशनलाल, फूलचंद, मोहनलाल, राहुल, महिलाओं सहित अन्य पर नामजद आरोप लगाते हुए बयान दिए थे। उसके खून आलूदा चोटे तक आई थी। फिर भी पुलिस ने निष्पक्ष एवं ठोस कार्रवाई नहीं की।

राजस्थान के स्वच्छता अभियान को मिली रफ्तार

-14 नगरीय निकायों में 17 शौचालयों का लोकार्पण

-स्वच्छता केवल आदत नहीं, यह संस्कार है – नगरीय विकास एवं आवासन मंत्री

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। रविवार को राजस्थान के नगरीय क्षेत्रों में स्वच्छता के क्षेत्र में एक और स्वर्णिम अध्याय जुड़ा, जब राज्य के नगरीय विकास एवं आवासन मंत्री झाबर सिंह खर्रा द्वारा 14 नगरीय निकायों में निर्मित 17 सामुदायिक, सार्वजनिक एवं पिंक (महिला) शौचालयों का लोकार्पण किया गया। इन शौचालयों का निर्माण स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) 2.0 के अंतर्गत कुल 5.07 करोड़ रुपये की लागत से पूर्ण हुआ है। इन 17 शौचालयों में 7 सामुदायिक, 5 सार्वजनिक और 5 पिंक शौचालय शामिल हैं, जिनकी विशेषता है, आधुनिक सुविधाएं, दिव्यांग अनुकूल रैम्प, सैनिटरी पैड वेंडिंग मशीन, वॉश बेसिन, स्वच्छता किट्स और रखरखाव के लिए नियुक्त केयरटेकर। इस अवसर पर झाबर सिंह खर्रा ने कहा की ,"आज का यह आयोजन केवल शौचालयों का उद्घाटन नहीं, बल्कि एक स्वच्छ, सुरक्षित और सम्मानजनक जीवन की दिशा में हमारा संकल्प है। गांधी जी का सपना और मोदी जी का मिशन आज राजस्थान में साकार हो रहा है। देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार आमजन को स्वच्छ, स्वस्थ और सुरक्षित जीवन देने के लिए निरंतर प्रयासरत है "

खर्रा ने बताया कि स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) के प्रथम चरण में राजस्थान के सभी नगरीय निकायों को खुले में शौच से मुक्त (ODF) घोषित किया गया था। अब मिशन के दूसरे चरण में सरकार का लक्ष्य है कि प्रत्येक शहरी नागरिक को सुरक्षित और सम्मानजनक स्वच्छता सुविधाएं उपलब्ध हों। स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) की निदेशक श्वेता चौहान ने इस मौके पर कहा की ," राज्य सरकार की मंसानुरूप महिलाओं की गरिमा और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए राज्य में पिंक टॉयलेट्स की एक विशेष श्रृंखला विकसित की जा रही है। अब तक 86 पिंक टॉयलेट ब्लॉक्स का कार्यादेश जारी हो चुका है, जिसमें से 9 पूर्ण हो चुके हैं। यह पहल नारी सम्मान और स्वस्थ समाज की दिशा में मील का पत्थर साबित होगी।" उन्होंने यह भी बताया कि सभी नए शौचालयों में स्वच्छता और तकनीक का संतुलन सुनिश्चित किया गया है, जिससे वे लंबे समय तक टिकाऊ और जनोपयोगी रहेंगे। कार्यक्रम का समापन "गंदगी भारत छोड़ो" के संकल्प के साथ हुआ, जिसमें सभी अधिकारियों, कर्मचारियों और गणमान्य नागरिकों ने भाग लिया। झाबर सिंह खर्रा ने आमजन से अपील की हम सब साथ मिलकर स्वच्छता को जनआंदोलन बनाएं और राजस्थान को स्वच्छ, स्वस्थ और समृद्ध बनाएँ।

1 मई से शुरू हुई एक मुश्त समाधान योजना, 30 सितंबर तक मिलेगा लाभ

-अल्पसंख्यक वित्त निगम के बकायेदारों को राहत, ब्याज और पेनल्टी पर 100% छूट

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। राज्य सरकार की ओर से राजस्थान अल्पसंख्यक वित्त एवं विकास सहकारी निगम (आरएमएफडीसीसी) के ऋणियों को राहत प्रदान करते हुए एक मुश्त समाधान योजना लागू की गई है। इस योजना का लाभ लेने के लिए इसका प्रथम चरण 01 मई से 30 सितंबर तक प्रभावी रहेगा। जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी अभिषेक सिद्ध ने बताया कि इस योजना की घोषणा राज्य सरकार की बजट घोषणा 2025-26 में हुई थी। जिसकी पालना में आवेदन प्रक्रिया शुरू हो गई है। आरएमएफडीसीसी की ओर से वितरित ऋण, जो 31 मार्च 2024 तक ओवरड्यू हो गए है। उन्हें 30 सितम्बर 2025 तक समस्त बकाया, अतिदेय मूलधन एकमुश्त जमा करवाने पर साधारण एवं दंडनीय ब्याज पर शत-प्रतिशत छूट दी जाएगी।

ऐसे कर सकते हैं योजना में आवेदन

योजना में लाभ प्राप्त करने के लिए ऋणी, सह आवेदक-जमानतदार की ओर से निर्धारित प्रपत्र में 1 मई से जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी कार्यालय में आवेदन प्रस्तुत करना होगा। आवेदन पत्र के साथ समस्त बकाया अतिदेय मूलधन के एकमुश्त भुगतान की रसीद जमा करवानी होगी। इससे ब्याज और पेनेल्टी पर छूट दी जाएगी। अधिक जानकारी के लिए निगम की वेबसाइट या जिला अल्पसंख्यक कल्याण कार्यालय में सम्पर्क कर सकते हैं।

नहीं तो होगी वसूली की कार्रवाई

जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी अभिषेक सिद्ध ने बताया कि उन 31 मार्च 2024 तक पूर्ण ऋण वाले ऋणियों, सह आवेदनकर्ताओं और जमानतदारों से अपील है कि निर्धारित अवधि में अपनी बकाया मूलधन राशि का भुगतान कर योजना का फॉयदा ले सकते हैं। इसमें राशि पर लगने वाले साधारण ब्याज एवं दंडनीय ब्याज में शत प्रतिशत की छूट का ऋणी लाभ ले सकते हैं। निर्धारित समयावधि में इस योजना का लाभ नहीं लेने पर बाद में नियमानुसार ऋणी के अलावा जमानतदार से भी ऋण, ब्याज और दंडनीय ब्याज वसूल करने की कार्रवाई की जाएगी

ब्रेन ट्यूमर से पीड़ित रमनलाल की समस्या का मौके पर निस्तारण, अब होगा शीघ्र इलाज

-मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने की जनसुनवाई, मौके पर परिवेदनाओं का निस्तारण कर आमजन को दी राहत

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को मुख्यमंत्री निवास पर नियमित जनसुनवाई की। इस दौरान उन्होंने आमजन की प्रत्येक समस्या को सुना और अधिकारियों को इनके शीघ्र समाधान के निर्देश दिए। शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार अपनी जवाबदेहिता सुनिश्चित करते हुए आमजन की परिवेदनाओं के त्वरित समाधान के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जनसुनवाई में आए प्रत्येक फरियादी को उसकी समस्या के समाधान के लिए चल रही प्रक्रिया के बारे में नियमित रूप से अवगत करवाया जाए जिससे पारदर्शिता सुनिश्चित हो तथा आमजन को राहत मिले। मुख्यमंत्री ने जयपुर विकास प्राधिकरण, नगर निगम, शिक्षा, चिकित्सा, पेयजल, राजस्व, मनरेगा, ऊर्जा एवं ग्रामीण विकास सहित विभिन्न विभागों से संबंधित परिवेदनाओं को सुना और उनका मौके पर ही निस्तारण कर आमजन को राहत दी। इस अवसर पर जनप्रतिनिधि और आमजन उपस्थित भी रहे। जनसुनवाई के दौरान मुख्यमंत्री ने ब्रेन ट्यूमर से पीड़ित रमनलाल की समस्या का मौके पर ही समाधान किया। पीड़ित रमनलाल ने इलाज में आ रही समस्याओं के बारे में मुख्यमंत्री को अवगत कराया। इस पर मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि अस्पताल प्रशासन द्वारा इनका शीघ्र इलाज सुनिश्चित किया जाए। अपनी समस्या के त्वरित समाधान पर रमनलाल ने मुख्यमंत्री का आभार प्रकट किया।

जयपुर में श्रमिकों के लिए ई-श्रम कार्ड कैंप, कई योजनाओं का मिलेगा लाभ

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जयपुर के द्वारा विश्व मजदूर दिवस के अवसर पर एक सप्ताह 1 मई से 7 मई 2025 तक असंगठित कामगारों के हित में विशेष कार्यक्रमों की श्रृंखला का आयोजन किया जा रहा है। इस क्रम में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, जयपुर महानगर द्वितीय द्वारा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर महानगर प्रथम, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर जिला एवं श्रम विभाग के समन्वय से दिनांक 6 मई 2025 को हीरापुरा चौराहा चौखटी पर, 7 मई 2025 को सीकर रोड व रोड नं 14 चौखटी पर तथा 8 मई 2025 को इंडिया गेट, सीतापुरा चौखटी पर ई-श्रम कार्ड बनवाए जाने एवं रोजगार मंत्रालय द्वारा श्रमिकों के कल्याण के संबंध में संचालित योजनाओं के प्रचार प्रसार हेतु निःशुल्क शिविर लगाए जा रहे हैं।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, जयपुर महानगर द्वितीय की सचिव पल्लवी शर्मा ने बताया कि शिविर में ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन होने पर श्रमिक का ई-श्रम कार्ड जारी किया जाएगा। ई-श्रम कार्ड से श्रमिक को राज्य सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिल सकेगा जिसमें से प्रमुख योजनाएं क्रमशः श्रमिकों के बच्चों को पढ़ाई के लिए छात्रवृत्ति राशि व प्रोत्साहन राशि, बच्चों के जन्म पर सहायता राशि, दुर्घटना में मृत्यु या घायल होने की स्थिति में वित्तीय सहायता, विभिन्न गंभीर बीमारियों के पीड़ितों हेतु सहायता, बच्चियों के विवाह के दौरान प्रोत्साहन राशि, विभिन्न बीमा योजना का लाभ, व्यावसायिक ऋण पर ब्याज के पुनर्भरण, श्रमिकों के बच्चों का उच्च शिक्षा में प्रवेश पर ट्यूशन फीस की पुनर्भरण योजना का लाभ, श्रमिकों के बच्चों का खेल प्रतियोगिताओं में भाग लेने पर वित्तीय लाभ, आदि है। ई-श्रम कार्ड के पंजीयन के लिए 18 से 60 वर्ष तक की आयु के श्रमिक पात्र हैं। उक्त शिविर में आधार कार्ड, बैंक पासबुक तथा मोबाइल साथ लेकर आने पर मौके पर ही श्रमिकों का ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन किया जाएगा तथा ई-श्रम कार्ड जारी किया जाएगा। इस कार्य में एक्शन एड स्वयंसेवी संस्थान, ट्रेड यूनियन और सीएससी द्वारा भी सहयोग किया जा रहा है।

जयपुर को जल्द मिलेगी स्पोर्ट्स क्लब और जन सुविधाओं की नई सौगात

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। नगर निगम ग्रेटर महापौर डॉ सौम्या गुर्जर की अध्यक्षता में सोमवार को नगर निगम ग्रेटर मुख्यालय के ई.सी. मीटिंग हाल में निर्माण शाखा से संबंधित कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई, जिसमें वार्डों में किये जा रहे विकास कार्यों के सम्बन्ध में चर्चा की गई। महापौर डॉ ॰ सौम्या गुर्जर द्वारा वार्डों में किये जा रहे विकास कार्यों के संबंध में लगातार अधिकारियों के साथ बैठक कर उनकी प्रगति रिपोर्ट ली जा रही है। जिसके क्रम में महापौर द्वारा लगातार 10 दिन में चैथी समीक्षा बैठक की गई। अगली बैठक 20 मई को आयोजित होगी। मालवीय नगर जोन में रवीन्द्र मंच के पास आदर्श स्पोर्ट्स क्लब बनाया जाएगा। जिसका जल्द ही शिलान्यास भी किया जाएगा। इस स्पोर्ट्स क्लब में पाँच प्रकार के खेलों के मैदान होंगे। जिसके अंतर्गत बैडमिंटन के दो खेल मैदान, टेनिस के दो खेल मैदान, बास्केटबॉल का एक खेल मैदान, क्रिकेट बॉक्स के तीन खेल मैदान, वॉलीबॉल के दो खेल मैदान बनाए जाऐंगे। महापौर ने अधिकारियों को सख्त लहजे में कहा कि हर अधिकारी की जवाबदेही तय की जाएगी। वार्डों के विकास कार्यों में गति लायी जाए साथ ही वरिष्ठ प्रबुद्ध नागरिकों से संवाद किया जाए तथा उनके द्वारा दिए गए सुझावों पर भी अमल किया जाए। जनता का पैसा जनहित में खर्च करना है, जनहित सर्वोपरि है। महापौर ने बताया कि नगर निगम ग्रेटर क्षेत्राधिकार के सभी नालों की 31 मई तक सफाई की जाए तथा इसके बाद किसी भी प्रकार से शिकायत प्राप्त न हो कि नाले साफ नहीं हुए। महापौर ने प्रगतिरत नाला सफाई की भी जानकारी ली। बैठक में महापौर ने प्रत्येक वार्ड में कराये गये 50-50 लाख के विकास कार्यों की प्रगति रिपोर्ट ली। रामनिवास बाग में स्पोर्ट्स एकेडमी विकसित करने, उद्यान के विकास कार्यों को करने एवं सड़कों की स्थिति, जोनवार प्रगतिरत नाला सफाई की जानकारी ली। इसके साथ ही तिलक नगर सामुदायिक केन्द्र के कैम्पस में उपलब्ध खाली भूमि पर अत्याधुनिक ऑडिटोरियम बनाये जाने, निगम मुख्यालय के कैम्पस् गार्डन एरिया में डबल बेसमेन्ट पार्किंग बनाये जाने, यूएलबी क्लब निर्माण, 60 वर्ष से अधिक आयु के व्यक्तियों के लिए अटल स्मृति उद्यान, अटल क्लब बनाने, 8 वर्ष तक के आयु के बच्चों के लिए एक्सक्लूसिव चिल्ड्रन पार्क विकसित करने के संबंध में संबंधित अधिकारी से जानकारी ली, तथा शीघ्र ही कार्यों को पूरा करने के निर्देश दिए।

जयपुर का जंगल खतरे में, 2500 पेड़ों की कटाई के खिलाफ विरोध तेज

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। जयपुर एयरपोर्ट के पास तारों की कूंट क्षेत्र में प्रस्तावित फिनटेक पार्क, पीएम यूनिटी मॉल और रेजिडेंशियल प्रोजेक्ट को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। इस परियोजना के लिए करीब 2500 पेड़ों की कटाई की योजना है, जिनमें बड़ी संख्या में राज्य वृक्ष खेजड़ी के पेड़ शामिल हैं। यह इलाका डोल का बाढ़ वन क्षेत्र के अंतर्गत आता है, जो पक्षियों और स्थानीय वन्यजीवों का प्राकृतिक आवास है। इस कदम का स्थानीय लोग और ढोल का बाढ़ संघर्ष समिति बीते कई दिनों से विरोध कर रहे हैं। रविवार को भी तरु छाया नगर में प्रदर्शन हुआ, जिसमें लोगों ने काली पट्टियां बांधकर अपनी नाराजगी जाहिर की। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि शनिवार को शांतिपूर्ण विरोध कर रहे कुछ कार्यकर्ताओं को पुलिस ने जबरन हिरासत में ले लिया। जानकारी के मुताबिक, रीको द्वारा इस परियोजना के लिए 170 करोड़ रुपये का टेंडर 17 जनवरी 2024 को जारी किया गया था और इसे 540 दिन में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। टीन शेड लगाने का काम पहले ही शुरू हो चुका है।

पर्यावरण प्रेमियों और स्थानीय लोगों का मानना है कि यह परियोजना क्षेत्र की जैव विविधता और पारिस्थितिकी तंत्र को गंभीर नुकसान पहुंचाएगी। डोल का बाढ़ संघर्ष समिति का कहना है कि प्रोजेक्ट के चलते करीब 100 एकड़ जंगल प्रभावित होगा, जिसमें अकेले यूनिटी मॉल निर्माण से ही 600 से 700 पेड़ काटे जाएंगे। यह इलाका "कुंज" नाम से जाना जाता है और यह जयपुर शहर के बीचोंबीच स्थित एक हरा-भरा क्षेत्र है। यह सैकड़ों जानवरों और पक्षियों का घर है। स्थानीय लोग इसे शहर का आखिरी ग्रीन स्पेस बता रहे हैं जिसे बचाना ज़रूरी है। इस मामले पर पीयूसीएल की नेशनल प्रेसिडेंट कविता श्रीवास्तव ने मांग की है कि इस क्षेत्र को बचाने के लिए या तो प्रोजेक्ट की जगह बदली जाए या फिर उसका नक्शा बदला जाए ताकि कम से कम 15,000 स्क्वायर फीट क्षेत्र में पेड़ों को नुकसान न हो। वहीं, पर्यावरण कार्यकर्ता आशुतोष रांका ने प्रस्ताव दिया है कि इस 100 एकड़ के क्षेत्र को बायोडायवर्सिटी पार्क में बदला जाए, जिसमें नेचर ट्रेल, क्लाइमेट म्यूजियम और पर्यावरण पर्यटन केंद्र बनाए जा सकते हैं। साथ ही मॉल को उस ज़मीन पर बनाया जाए जहां पेड़ कम हैं।

07 साल पुराने बीएस-4 व यूरो-2 वाहनों का संचालन रोकने का मामला

-हाईकोर्ट ने परिवहन विभाग के आदेश पर रोक लगाकर मांगा जवाब

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। एनसीआर में 10 साल तक के डीजल वाहनों को चलाने की अनुमति होने के बावजूद एनसीआर के भरतपुर क्षेत्र में 07 साल पुराने बीएस-04 और यूरो-02 वाहनों का संचालन रोकने और केवल बीएस-06 व यूरो-04 वाहनों का ही संचालन करने की अनुमति देने के परिवहन विभाग के आदेश पर राजस्थान हाईकोर्ट में जस्टिस अनिल उपमन की बेंच ने अंतरिम रोक लगाकर परिवहन आयुक्त, कमीशन फॉर एयर क्वालिटी मैनेजमेंट, एनसीआर सचिव एवं क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकरण भरतपुर को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। इस संबंध में मॉर्डन स्कूल व अन्य ने याचिकाए दायर कर हाईकोर्ट को बताया कि संस्थानों ने स्कूल और कॉलेज के विद्यार्थियों के आवागमन के लिए 2019 में बस खरीद कर उसका भरतपुर आरटीओ से रूट परमिट लिया था। रूट परमिट की अवधि पूरी होने पर आरटीओ ने उनका नवीनीकरण प्रार्थना पत्र खारिज कर बीएस-6 व यूरो-4 वाहन ही संचालित करने को कहा। जबकि एनजीटी ने 7 अप्रैल, 2015 को दिल्ली और एनसीआर में 10 साल पुराने डीजल वाहनों का संचालन नहीं करने को कहा था। इस आदेश पर सुप्रीम कोर्ट की अनुमति हैं। याचिकाकर्ताओं के खरीदे हुए इन वाहनों को 10 साल नहीं हुए हैं। उपरोक्त आदेशों को देखते हुए ही डीजल वाहनों की खरीद की थी।

रॉयल पत्रिका को पेमेंट करने का तरीका

रॉयल पत्रिका में भुगतान नकद या चेक द्वारा रॉयल पत्रिका के पंजाब नेशनल बैंक, त्रिपोलिया बाजार, जयपुर के खाता संख्या 1939002100241695 में या पंजाब नेशनल बैंक की किसी भी नजदीकी शाखा में जमा करवा सकते हैं अथवा IFSC Code PUNB0193900 पर भी भुगतान नेट बैंकिंग के द्वारा कर सकते हैं। आपके सहयोग के लिए धन्यवाद।

-संपादक

Scan Here

रॉयल पत्रिका

संपादकीय...

एस आई परीक्षा रद्द करने के लिए आंदोलन

एस आई भर्ती परीक्षा को रद्द करने, आरपीएससी को भंग करवाने, पेपर लीक और फर्जी अभ्यर्थियों के मामले को लेकर नौवें दिन रविवार को भी शहीद स्मारक जयपुर में आरएलपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष हनुमान बेनीवाल के नेतृत्व में पार्टी का धरना जारी रहा। सांसद हनुमान बेनीवाल सरकार पर दबाव बनाने के लिए एक लाख लोगों के साथ मुख्यमंत्री निवास का घेराव करने की योजना बना रहे हैं, यह जानकारी उन्होंने पत्रकारों को दी। राजस्थान प्रदेश में पिछले वर्षों में सरकारी भर्ती के लिए हुई प्रतियोगी परीक्षाओं में नकल, पेपर लीक, डमी परीक्षार्थी जैसी शिकायतें मिलती आ रही हैं। अयोग्य लोग भ्रष्टाचार और सरकारी सिस्टम की कमजोरी का फायदा उठाकर आरएएस, डॉक्टर, सब-इंस्पेक्टर, पटवारी, टीचर सहित अन्य सरकारी भर्तियों में फर्जी तरीके से सेलेक्ट हो गए। फर्जी और पैसे देकर सरकारी पदों पर भर्ती हुए कर्मचारियों ने सरकारी स्तर पर भ्रष्टाचार को बढ़ावा ही दिया है। ऐसे सरकारी कर्मचारी और अधिकारी ईमानदारी से काम नहीं कर सकते हैं। सरकारी सिस्टम में काम नहीं होने की शिकायत आती रहती हैं, और जनता सरकारी दफ्तरों में धक्के खाती रहती है। सरकार में बैठे बड़े-बड़े अधिकारी, मुख्यमंत्री, मंत्री, विधायक एवं सरकारी जांच एजेंसियां सब जानती हैं कि परीक्षाओं में धांधली हुई है। एसआई भर्ती परीक्षा में सेलेक्ट हुए अभ्यर्थी तो फर्जीवाड़े के आरोप में बड़ी संख्या में गिरफ्तार हो चुके हैं। फिर भी प्रदेश की भाजपा सरकार एसआई भर्ती परीक्षा को रद्द क्यों नहीं कर रही है? जबकि बड़ी संख्या में फर्जीवाड़े के आरोपी सब-इंस्पेक्टर जेलों में बंद हैं और कई फरार चल रहे हैं। सरकार सब कुछ जानती है कि सब-इंस्पेक्टर भर्ती परीक्षा में बड़े पैमाने पर फर्जीवाड़ा हुआ है। प्रदेश की साख बनाए रखने, ईमानदार परीक्षार्थियों के साथ इंसाफ दिलाने और भविष्य की परीक्षाओं को साफ-सुधरी करवाने के लिए सरकार को कड़ा कदम उठाकर कथित एसआई परीक्षा को पूरी तरह रद्द करना चाहिए। सरकार को कड़ा संदेश देना जरूरी है। सिर्फ कड़ा संदेश ही नहीं प्रदेश में सरकारी अधिकारी भर्ती करने वाली संस्था, आरपीएससी और राजस्थान कर्मचारी चयन आयोग में सुधार करना बहुत जरूरी है। यदि सरकार कर्मचारी अधिकारी भर्ती परीक्षाओं में ढील पोल दिखाती है तो प्रदेश के ईमानदार एवं मेहनती युवाओं के साथ नाइंसाफी माना जाएगा। भाजपा सरकार के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा सरकारी भर्ती परीक्षा में धांधली के आरोपियों को जेल में डालने की बात करते हैं तो फिर कौनसा कारण है कि सरकार सख्त कदम उठाने से पीछे हट रही है। सरकार को स्वयं आगे आकर धांधली होने वाली परीक्षाओं को रद्द करने की जरूरत है। सरकार में बैठे जिम्मेदार को यह नहीं सोचना चाहिए कि परीक्षा रद्द करवाने की मांग विपक्ष कर रहा है या विरोधी कर रहे हैं ।

बाबा साहेब के मिशन को भटकाव से बचाने की आवश्यकता है

प्रतिवर्ष की भाँति इस वर्ष भी 14 अप्रेल को बाबा साहेब की जयन्ती बड़े धूमधाम से मनाई गई। बड़े-बड़े कार्यक्रम आयोजित किए गये। दरअसल ज्यों-ज्यों समय बीतता जा रहा है, दलित समाज में चेतना आती जा रही है और यह समाज अपने वोटों के बारे में सोचने-समझने लगा है, सभी राजनैतिक पार्टियों में खलबली मची हुई है। यह समाज सबसे विषाल समाज है और जिस तरफ इसका झुकाव होगा, उसे सरताज़ होने से कोई नहीं रोक सकता है। कारण यह है कि अनु. जाति, अनु. जनजाति, पिछड़ा वर्ग और अल्पसंख्यकों के इस समुदाय की कुल जनसंख्या देश में 85 प्रतिशत जनसंख्या बनाती है। बाबा साहेब को हर राजनैतिक पार्टी अपने अनुसार ढालती रही है। काँग्रेस कहती है, उसने बाबा साहेब को मंत्री बनाया। सही बात है, लेकिन यह काँग्रेस की मजबूरी थी। बाबा साहेब के व्यक्तित्व को नकारना जीती मक्खी निगलने के समान था। बाबा साहेब काँग्रेस के साथ थे, लेकिन उनकी अपनी पार्टी ऑल इण्डिया शेड्यूल्ड कास्ट फेडरेशन थी न कि काँग्रेस।

वास्तव में देखा जाये तो बाबा साहेब के विरोधी न तो काँग्रेसी थे और न ही आज की भाजपा है, लेकिन कट्टर और सनातनी हिन्द उस समय भी बाबा साहेब के विरोधी थे और आज भी हैं। उस समय काँग्रेस में कट्टर हिन्दओं की भरमार थी, अतः समझा यह जाता है कि काँग्रेस बाबा साहेब की विरोधी थी। प्रमाणिक इतिहास में ऐसा कोई प्रसंग नहीं मिलता, जब हिन्द महासभा, भारतीय जनसंघ, आरएसएस या किसी अन्य हिन्द संगठन ने बाबा साहेब के जख्मों पर मरहम लगाया हो, जो हिन्द समाज ने ही उनको दिए थे। कट्टर हिन्द,समाज में किसी भी प्रकार के बदलाव नहीं चाहते थे और न ही दलित समाज के लोगों को किसी प्रकार के हक-हकूक और समानता देना चाहते थे। तभी तो सामाजिक समानता के स्थान पर सामाजिक समरसता शब्द आजकल प्रयोग में लाया जाता है, जिसका अर्थ समाज में बन्धुत्व, प्रेम और सौहार्द; सामाजिक ताने-बाने का बने रहना है, समानता का होना नहीं। जिस धर्म में आज भी कुछ जातियों के लोगों को अपने ही धर्म के लोगों का घोड़ी पर बैठना, ऊँची मूछें रखना और एक मटके से पानी पीना पसंद नहीं और इस बात पर मारपीट और हत्या तक हो जाती है, उस धर्म में कैसी समानता ? समानता और समरसता में इस अन्तर को कई दलित महानुभाव भी नहीं समझ पा रहे हैं। बाबा साहेब का मान-सम्मान न केवल दलित समाज के लोगों को, बल्कि सभी को करना चाहिए। लोग इस प्रक्रिया में मूर्तियाँ/तस्वीरें बनवाते हैं, उन पर फूल मालाएँ चढ़ाते हैं, तिलक लगाते हैं और कई अति उत्साही लोग दुग्धाभिषेक भी करते हैं। और भी कई प्रकार के पाखण्ड किए जाते हैं। लेकिन बाबा साहेब का साहित्य पढ़ते हैं तो वहाँ इस प्रकार के उपक्रमों का कोई स्थान नहीं है। गाँधी, रानाडे और जिन्ना की भूमिका (बाबा साहेब डॉ. अम्बेडकर सम्पूर्ण वांग्मय प्रथम खण्ड)में बाबा साहेब ने साफ लिखा है कि मैं मूर्तियों को लगाने के पक्ष में नहीं हूँ, बल्कि मैं तो मूर्ति-भन्जक हूँ। (यह बात नेताओं की मूर्तियों के सन्दर्भ में कही गई है)। अपने पचासवें जन्मदिवस पर उन्होंने कहा था, "मनुष्य को ईष्वर के समान मानना विनाश का मार्ग है। इससे नेता के साथ उसके भक्तों का भी अधः पतन होता है। जब कोई समाज किसी व्यक्ति को ईष्वर का स्थान देने का प्रयास करता है तो वह आत्मनाश के मार्ग पर बढ़ने लगता है।"

इसी प्रकार पुणे में 'अम्बेडकर स्कूल ऑफ पॉलिटिक्स'के उद्घाटन के समय, 30 अक्टूबर 1945 को बाबा साहेब ने कहा था- "मेरे विचारों की संस्था मत बनाइए, क्योंकि जो समाज या संस्था समय के अनुसार अपने विचारों को बदलने को तैयार नहीं हो तो वह इस प्रतियोगी जीवन-संघर्ष में टिक नहीं पायेगी। यदि आपको यह विष्वास हो जाये कि मेरा पक्ष सही है, तभी मेरे विचार स्वीकार करने चाहिए।" इतना स्पष्ट कहने के बावजूद आज हर कोई उनके नाम की संस्थाएँ खोले बैठे हैं, उनको, ईश्वर, भगवान, मसीहा, अवतार और न जाने क्या-क्या बनाने पर पर तुला हुआ है। इसमें बाबा साहेब के अनुयायी भी शामिल हैं तो राजनैतिक पार्टियों के लोग भी। अभी अम्बेडकर विकास परिषद की ओर से उनके जन्मदिन को समानता एवं सनातन गौरव दिवस के रूप में मनाया गया, जिसे राजस्थान पत्रिका नामक अखबार ने अवतरण दिवस के नाम से छापा, जो कि बाबा साहेब को आडम्बर से जोड़ना और देवी-देवताओं की श्रेणी में रखना है।

यह कहना गलत न होगा कि इन सबका बाबा साहेब, उनके विचारों और उनके कार्यों से कोई लेना-देना नहीं है, बल्कि इन सबकी नजर उनके अनुयायियों के वोटों पर है। इस वोट बैंक पर पहले काँग्रेस का कब्जा था, बाद में इसे बहुजन समाज पार्टी ने खूब भुनाया और अब अन्य पार्टियाँ वही कार्य कर रही हैं। किसी भी व्यक्ति के विचारों का समाप्त होना ही उसकी वास्तविक मृत्यु होती है। श्री हरिशंकर परसाई के कालजयी लेख "पाप के चार हथियार" के अनुसार, "अगर किसी व्यक्ति को समाप्त करना हो, तो उसके विरोधी सर्वप्रथम उसकी निन्दा करते हैं। वह इससे विचलित नहीं होता तो उसकी उपेक्षा करते हैं। लेकिन उस व्यक्ति पर इनका कोई असर नहीं पड़ता और वह जोर-षोर से अपने कार्य में लगा रहता है तब विरोधी उसकी हत्या कर देते है। लेकिन यह हत्या अग्नि में घी कार्य करती है और उसके उत्तराधिकारी तथा अनुयायी और अधिक जोर-षोर से उसके कार्य को करने लग जाते हैं। तब विरोधी अपना अन्तिम हथियार फेंकता है जो उक्त तीनों हथियारों से अधिक खतरनाक है। वह है-श्रद्धा का हथियार। विरोधी अब यह प्रचार-प्रसार करने लग जाते हैं कि वे तो महापुरुश थे, हम तो उनके सामने रत्ती भर भी नहीं हैं। हम उनकी क्या बराबरी करेंगे? और फिर महापुरुष की मूर्तियाँ बनने लगती हैं, चौराहों पर लगने लगती हैं, फूल-मालाओं से उनको लाद दिया जाता है, धूप-अगरबत्ती लगाई जाती है, तिलक लगाया जाता है, दुग्धाभिषेक किया जाता है, लेकिन उनके विचारों को कोई नहीं मानता। यही उस व्यक्ति की वास्तविक हत्या हो जाती है।"

बाबा साहेब की निंदा और उपेक्षा तो उनके समय में खूब हुई, लेकिन वे इनसे अपने रास्ते से नहीं हटे। उनके देहान्त के बाद जैसा जिसने चाहा, उनके विचारों को तोड़ा-मरोड़ा और पेश किया। उसी का परिणाम है कि आज वही सब कार्य किए जा रहे हैं, जिनके लिए स्वयं उन्होंने मना किया था। कालाराम मंदिर में प्रवेश के लिए बाबा साहेब ने लम्बा संघर्ष किया, और जब सफल हुए तब उनके उद्गार थे कि मंदिर प्रवेश दलितों का कोई अन्तिम लक्ष्य नहीं है। वह तो सामाजिक समानता की दिषा में एक संघर्ष था।" अर्थात् 'यदि हम भी हिन्द हैं तो हमें भी मंदिर में प्रवेश का अधिकार है', यही मंदिर प्रवेश अभियान का मूलमन्त्र था। आज बाबा साहेब के प्रति उनके तत्कालीन विरोधियों का श्रद्धा का जो सैलाब है, उसका कारण यही है कि ये बाबा साहेब के अनुयायियों के वोट लेकर अपना राज कायम रखना चाहते हैं।जो लोग बाबा साहेब को हिन्दत्व ढालना चाहते हैं उनको बाबा साहेब का साहित्य अवश्य पढना चाहिए। हाल ही में भाजपा ने 'संविधान निर्माता-भारत रत्न डॉ. भीमराव अम्बेडकर सम्मान अभियान' नामक एक पुस्तिका निकाली है। इसमें दो भाग हैं। प्रसंगवश पहले भाग पर चर्चा करना उचित होगा।

प्रथम भाग का सार संक्षेप यह है कि "काँग्रेस ने किस प्रकार पग-पग पर बाबा साहेब को हराया, उन्हें नजरन्दाज़ किया और मृत्यु के बाद भी उन्हें वो सम्मान नहीं दिया, जिसके वे हकदार थे। इसमें जो-जो उदाहरण और घटनाएँ दी हैं, उनमें से कुछ तो प्रमाणिक पुस्तकों मिल जाती है, लेकिन कुछ नहीं। मसलन, 'बाबा साहेब के पार्थिव शरीर को ले जाने के लिए कोई सरकारी विमान उपलब्ध नहीं कराया गया और विमान का बिल भी डॉ. अम्बेडकर की शोकाकुल पत्नी को भेजा गया' घटना का विवरण कहीं नहीं मिलता है। इसी पुस्तिका में भाजपा द्वारा बाबा साहेब के सम्मान में क्या-क्या किया, कहाँ-कहाँ मूर्तियाँ लगवाई, पार्क बनवाए, जहाँ-जहाँ वे रहे, उन स्थानों पर क्या कर रहे हैं, इस पर चर्चा की गई है। इन सब घटनाओं के देने का उद्देष्य यही है कि काँग्रेस द्वारा बाबा साहेब के प्रति किए गए कृत्यों को जनता के समक्ष लाया जाए, जिससे जनता, खास तौर पर दलित समाज को हकीकत पता चले और वह काँग्रेस से विमुख होकर भाजपा के पक्ष में हो जाए। इसमें कुछ जानकारियाँ तो इतनी हास्यास्पद है कि तरस आता है कि लेखक ने लिख कैसे दीं ? जैसे भीम एप जिसका पूरा नाम Bharat Interface for money होता है, जिसके पहले अक्षरो को जोडने से BHIM है, उसका बाबा साहेब से क्या सम्बन्ध है, यह समझ में नहीं आता।

यह एक बहुत बडा़ संयोग, जो दलित समाज के पक्ष में रहा, वह यह था कि अपनी मृत्यु के मात्र 53 दिन पहले ही बाबा साहेब ने बौद्ध धर्म ग्रहण कर लिया था, अन्यथा भाजपा और आरएसएस उनको कब का कट्टर हिन्द घोषित कर चुकी होतीं। आज भाजपा और आरएसएस उनको भगवा रंग में रंगने के लिए उनका इतिहास खोद रही है, लेकिन जो जगजाहिर घटनाएँ (बाल्यकाल में गाड़ी से उतारना, नाई द्वारा बाल नहीं काटना, स्कूल में अलग से बैठाना, प्यास लगने पर अन्य व्यक्ति द्वारा बाँस की नली से पानी पिलाना, बड़ौदा, गुजरात में होटल में कमरा नहीं देना, हिन्दवादियों द्वारा बड़ौदा में ही सैन्य सचिव जैसे महत्त्वपूर्ण पद पर होने के बावजूद पानी की अलग से मटकी रखना, महाड़ का चौवदार तालाब सत्याग्रह) हैं, उन पर मौन है, कभी कोई माफी नहीं मांगी गई है। उन्होनें अपने प्रसिद्ध ग्रन्थों, "भारत

में जातिप्रथा एवं जातिप्रथा का उन्मूलन, हिन्दत्व दर्शन, हिन्दत्व और साम्यवाद, हिन्दत्व के प्रतीक, क्रान्ति तथा प्रतिक्रान्ति,हिन्दत्व की पहेलियाँ, अस्पृष्य होने का अर्थ, दलित उत्पीड़नः समस्या की जड़ें, अस्पृष्यों के रास्तों की जड़ें, अस्पृश्य एवं अस्पृश्यता, शूद्र कौन थे? अछूतः वे कौन थे और अछूत कैसे हो गये ?" और समय-समय पर दिये गये भाशणों में हिन्द धर्म की जो सटीक आलोचना की है, वह सब छिपा दी गई है। कट्टर हिन्द आज भी मनु को भगवान और उसी की लिखी मनुस्मृति को आदर्श दण्ड संहिता मानते हैं जिसकी बाबा साहेब ने 25 दिसम्बर 1927 को होली जलाई थी।

आज बाबा साहेब के प्रति "श्रद्धा" प्रकट करने के लिये भाजपा वही सब कर रही है जिसके लिए बाबा साहेब ने मना किया था। बाबा साहेब कभी तीर्थ यात्रा पर नहीं गये, लेकिन उनसे जुड़े पाँच प्रमुख स्थानों को भाजपा ने पंचतीर्थ के रूप में विकसित किया है। अंत में बाबा साहेब के विचारों का पढ़ना, समझना और उन पर अमल करना, वंचितों, गरीबों की शिक्षा की उचित व्यवस्था करना, पाखण्ड, आडम्बर, दिखावे आदि से दूर रहना ही उनको सच्ची श्रद्धान्जली देना होगा। उनकी मूर्तियाँ बनवाना, उन पर फूल मालाएँ चढ़ाना, धूपबत्ती करना, तिलक लगाना, संविधान पार्क बनवाना, तीर्थ स्थल बनाना केवल नासमझों का ध्यान भटकाने और बाबा साहेब के मिशन को भी पथ से भटकाने जैसा है।

डॉ. श्याम सुन्दर बैरवा

फ़ख़रुद्दीन अली अहमद: भारत के पाँचवें राष्ट्रपति का संक्षिप्त जीवन परिचय

फ़ख़रुद्दीन अली अहमद का जन्म 13 मई 1905 को दिल्ली में हुआ था। वो एक मशहूर भारतीय सियासतदान थे और साल 1974 से 1977 तक भारत के राष्ट्रपति रहे। उनके वालिद असम में फ़ौज के डॉक्टर थे। अहमद साहब ने अपनी तालीम भारत में हासिल की और फिर इंग्लैंड की मशहूर यूनिवर्सिटी ऑफ़ कैंब्रिज से तारीख़ (इतिहास) में तालीम हासिल की, जहाँ से उन्होंने 1927 में ग्रेजुएशन पूरा किया। भारत वापसी के बाद उन्होंने सियासत में कदम रखा और 1935 में असम विधानसभा के लिए चुने गए। 1938 में जब वो असम के वित्त और राजस्व मंत्री बने, तो उन्होंने टैक्स से जुड़ी कुछ बुनियादी और साहसी इस्लाहात कीं। 1939 में जब दूसरी आलमी जंग (World War II) शुरू हुई, तो कांग्रेस पार्टी ने अंग्रेज़ हुकूमत के खिलाफ मोर्चा खोला। इसके नतीजे में फ़ख़रुद्दीन अली अहमद को एक साल के लिए जेल भेजा गया। रिहाई के कुछ ही दिनों बाद उन्हें दोबारा गिरफ़्तार किया गया और इस बार वो साढ़े तीन साल तक जेल में रहे।

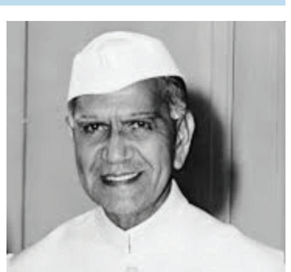

अप्रैल 1945 में उन्हें रिहा किया गया। 1946 में उन्हें असम का एडवोकेट जनरल (राज्य का मुख्य कानूनी सलाहकार) बनाया गया और उन्होंने ये ओहदा छह साल तक संभाला। इसके बाद उन्होंने कुछ वक्त तक भारतीय संसद में काम किया और फिर असम की सियासत में लौट आए। जनवरी 1966 में जब इंदिरा गांधी ने अपना पहला कैबिनेट बनाया, तो उन्होंने फ़ख़रुद्दीन अली अहमद को उसमें शामिल किया। उन्होंने सिंचाई और बिजली, शिक्षा, औद्योगिक विकास और कृषि जैसे अहम मंत्रालयों की ज़िम्मेदारी संभाली। 1974 में वो भारत के पाँचवें राष्ट्रपति बने। 11 फरवरी 1977 को दिल का दौरा पड़ने से उनका इंतक़ाल हो गया।

अदब की कमी से समाज में आता पिछड़ापन

शादाब अली

भारत में मुस्लिम समाज में ज्यादा पिछड़ापन आता जा रहा है। जिसकी कमी ज्यादातर लोग शिक्षा को बताते हैं, पर ऐसा नहीं है। शिक्षा की शुरुआत घर परिवार से होती है और बालक की शुरुआत से लेकर बुढ़ापे तक सीखने को मिलता है। यह अलग बात है कि घर से संस्कार कैसे मिले। जो जितने अच्छे संस्कार अपनी नई नस्लों को देंगे, उसका उतना फायदा पूरे समाज को होगा। समाज में बच्चों और बुजुर्गों के बीच की लंबी खाई जो आज के दौर में बन रही है ये नहीं बनेगी। पिछले दौर के समय के लोगों की तरह बच्चे बड़ों की बातें उनके विचारों को ग्रहण करने लग जाएंगे। जिससे कि समाज में गति आएगी। इस दौर में एक दूसरे की जिस तरह से मुखालिफत बढ़ रही है, वो नहीं होगी। समाज के किसी एक जिम्मेदार के फैसले को समझने व मानने लगेंगे। यह सब तब होगा जब अदब होगा। अदब की मर्यादा जबसे तार-तार हुई है तब से लोगों में सुनने वाले और मानने वाले बिल्कुल खत्म से

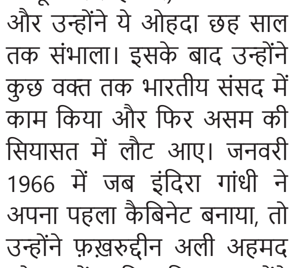

हो गए हैं। हर एक शख्स चाहता है कि मुझे इज्जत मिले। लोग मेरी बात सुनें और इस पर अमल भी करें पर खुद वही शख्स किसी की एक नहीं सुनना चाहता। बड़ी-बड़ी मीटिंगों में बड़े-बड़े फैसले आसानी से ले लिए जाते हैं । पर इसका आंकलन करें तो जमीनी स्तर पर शून्य रह जाता हैं। इसलिए हमें हमारे समाज को और देश को मजबूत बनाना है तो अदब को अपनाकर चलना पड़ेगा। तब जाकर समाज को लाभ मिलेगा। तमाम मुसलमानों को चाहिए कि वे अपनी औलादों को अच्छी से अच्छी तालीम दिलवाएं चाहे उनको भूखा ही रहना पड़े। दुनियां में सिर्फ तालीम ही ऐसी चीज़ है जो लोगों की नस्लें बदल देती है और समाज में इज़्ज़त और शोहरत भी बढ़ा देती है।

इंसानी ज़िन्दगी में पानी की एहमियत

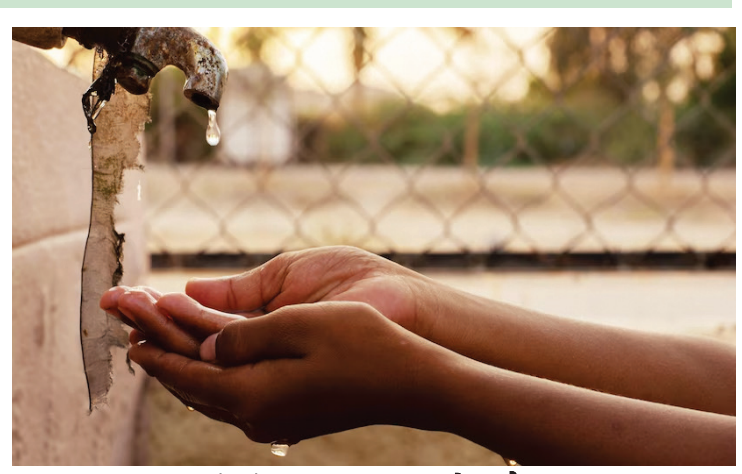

पानी ज़मीन पर बसने वाली हर ज़िन्दा मख़लूक़ के लिए सबसे अहम तत्वों में से एक है। इस्लाम ने पानी के सही इस्तेमाल की जितनी तालीम दी है, वो इसी से शुरू होती है कि इंसान को ये एहसास दिलाया जाए कि ये नेमत कितनी बड़ी है। अल्लाह तआला ने तमाम ज़िन्दा चीज़ों को पानी से पैदा किया, और उसी की ताक़त से हमें पीने लायक पानी मयस्सर होता है। फिर इस्लामी शरीअत ने कुरआन और सुन्नत से उसूल निकालकर पानी की मुख़्तलिफ़ क़िस्मों और हालतों के हिसाब से हुक्म तय किए — कहाँ पानी पाक है, कहाँ नापाक, किस तरह उसका इस्ते'माल जायज़ है और कहाँ उसे ज़ाया करना या गंदा करना हराम है।

अकसर ऐसा होता है कि इंसान जिस नेमत में डूबा होता है, उसी को भूल जाता है। पानी भी एक ऐसी ही नेमत है, जब तक ये आम है, हम इसकी क़द्र नहीं करते। लेकिन जब कहीं सूखा पड़ता है, तो इसी पानी की एहमियत याद आती है। और जब बाढ़ आती है, तो हमें इसकी तबाही का अंदाज़ा होता है। कुरआन में अल्लाह तआला इंसान को याद दिलाता है कि "अगर तुम्हारा पानी ज़मीन के नीचे चला जाए, तो उसे फिर कौन लाएगा?" {कहो: बताओ अगर तुम्हारा पानी ज़मीन में समा जाए तो फिर कौन है जो तुम्हें साफ़ बहता हुआ पानी ला देगा?} (क़ुरआन 67:30)

जब हम पानी के बारे में ग़ौर करते हैं तो हमें अल्लाह की कुदरत का अंदाज़ा होता है, ये ऐसा साफ़ और बे-रंग, बे-ज़ायका, बे-बू माया (लिक्विड) है, जिसके बग़ैर ज़िन्दगी मुमकिन नहीं। इंसान की रूह भी इससे तस्कीन पाती है, चाहे दुनिया के कितने ही रंग-बिरंगे, स्वादिष्ट मशरूबात क्यूँ न हों। प्यास बुझाने के लिए सबसे पहले पानी ही चाहिए।

इंसान शुरू से इसका इस्तेमाल करता आया है, फिर भी आज तक साइंस नई-नई बातें पानी के बारे में जान रही है। पानी का बाक़ायदा एक इल्म है हाइड्रॉलोजी जो सिर्फ़ पानी को समझने के लिए है।

कुरआन क्या कहता है पानी के बारे में?

कुरआन में पानी की अहमियत का बार-बार ज़िक्र आता है। अल्लाह तआला फ़रमाता है:

{... और अल्लाह ने हर ज़िन्दा चीज़ को पानी से पैदा किया} (क़ुरआन 21:30)

{अल्लाह ने हर ज़िन्दा मख़लूक़ को पानी से पैदा किया} (क़ुरआन 24:45)

कुछ मुफस्सिरीन (कुरआन के व्याख्याकार) कहते हैं कि "हर ज़िन्दा चीज़" में जानवर भी शामिल हैं और पेड़-पौधे भी, क्योंकि उनकी नशो-नुमा (विकास) भी पानी से ही होती है। साइंस भी यही बताती है कि हर सेल (कोशिका) में पानी सबसे ज़्यादा होता है, और यही उसकी बुनियादी तामीर का हिस्सा है। इंसानी जिस्म में भी क़रीब 65% हिस्सा पानी से बना होता है।

{और वही (अल्लाह) है जो आसमान से बारिश बरसाता है और हम उससे तमाम चीज़ों को उगाते हैं... अंगूर, ज़ैतून, अनार वग़ैरह} (क़ुरआन 6:99)

पानी से ना सिर्फ़ इंसानों की ज़िन्दगी चलती है, बल्कि तमाम ज़मीन की हरियाली, जानवरों की ग़िज़ा, और फल-सब्ज़ियों की पैदावार भी होती है। कुरआन कई आयतों में पानी से उगने वाले मुख़्तलिफ़ फलों और फ़सलों का ज़िक्र करता है। इससे ये बात और वाज़ेह होती है कि पानी हर किस्म की ज़िन्दगी के लिए लाज़मी है।

पानी की पवित्रता भी एक नेमत है

अल्लाह तआला ने हमें सिर्फ़ पीने के लिए नहीं, बल्कि ग़ुस्ल, वुज़ू और नजासत (गंदगी) को साफ़ करने के लिए भी पानी अता किया। कुरआन कहता है: {और हमने आसमान से पाक पानी उतारा} (क़ुरआन 25:48)

पैग़म्बर मुहम्मद ﷺ भी अपनी दुआओं में पानी का ज़िक्र इस तरह करते थे: "ऐ अल्लाह, मेरे गुनाहों को पानी, बर्फ़ और ओले से धो दे।" (हदीस: मुस्लिम)

हदीसों में बताया गया है कि मरने के बाद जनाज़े की दुआ में भी यही अल्फ़ाज़ इस्तेमाल होते हैं — "ग़ुस्ल दे उसे पानी, बर्फ़ और ओले से..." क्योंकि ये सब अल्लाह की पाक चीज़ें हैं जो इंसान को पाक करती हैं।

इस्लाम कहता है कि पानी, घास और लकड़ी ये तीन चीज़ें तमाम मुसलमानों की साझी मिल्कियत हैं। कोई शख्स किसी कुएँ या नहर के पानी को अपनी मिल्कियत बनाकर दूसरों को रोके, तो ये नाजायज़ है जब तक वो ख़ास तौर पर किसी की ज़मीन या प्राइवेट जगह न हो।

हदीस में सख़्त अल्फ़ाज़ में उन लोगों की मज़म्मत की गई है जो रास्ते में पानी रखते हुए भी मुसाफ़िर को नहीं देते। इस्लामी तालीमात में पानी को बहुत बड़ी नेमत माना गया है।

ये सिर्फ़ एक कुदरती ज़रूरत नहीं, बल्कि एक अमानत है जिसे सँभालना, ज़ाया होने से बचाना और दूसरों के साथ बाँटना, सबका फ़र्ज़ है। इस्लाम हमें न सिर्फ़ इसका शुकर अदा करना सिखाता है, बल्कि इसके इस्तेमाल के अदब भी बताता है।

हर हाजी को जाननी चाहिए मक़बूल हज की 7 निशानियाँ

हर साल लाखों मुसलमान दुनिया के कोने-कोने से मक्का शरीफ़ पहुँचते हैं ताकि इस्लाम के पाँचवे फ़र्ज़ हज को अदा कर सकें। ये रूहानी सफ़र एक मुसलमान की ज़िन्दगी का अहम मरहला होता है, जिसे सारे गुज़रे हुए गुनाहों की माफ़ी और अल्लाह से क़रीबी हासिल करने का ज़रिया समझा जाता है। लेकिन हर हज मक़बूल नहीं होता "हज-ए-मबरूर" या "क़बूल शुदा हज" का एक ख़ास मक़ाम है।हदीसों में हज-ए-मबरूर की कई निशानियाँ बताई गई हैं। ऐसा हज ना सिर्फ गुनाहों की माफ़ी का सबब बनता है, बल्कि इंसान की ज़िन्दगी में एक गहरा और हमेशा रहने वाला असर भी डालता है। हर हाजी के लिए ये ज़रूरी है कि वो मक़बूल हज की हक़ीक़त को समझे और उसी मक़सद से सफ़र पर निकले।

मक़बूल हज की सात निशानियाँ

1. तमाम अरकान को सुन्नत के मुताबिक अदा करना

हज-ए-मबरूर की बुनियाद सुन्नत की पैरवी में है — यानी हुज़ूर नबी करीम ﷺ के तरीक़े पर अमल करना। चाहे वो एहराम बाँधना हो, तवाफ़, सई, अराफ़ात में क़ियाम, जमरात को कंकरियाँ मारना — हर अमल को सच्चे अख़लास के साथ और शरीअत के मुताबिक़ अदा करना मक़बूलियत की पहली शर्त है।

2. रियाकारी और शोहरत की ख्वाहिश से पाक होना

हज का मक़सद सिर्फ़ अल्लाह की रज़ा होनी चाहिए, न कि लोगों की तारीफ़ या दुनिया में नाम कमाने की चाह। नीयत पाक और साफ़ हो — यही हज की रूह है। जब इंसान सिर्फ़ अल्लाह की ख़ुशी के लिए हज करता है, तब ही उसकी इबादत मक़बूल होती है।

3. पूरे सफ़र में गुनाहों से परहेज़ करना

एहराम बाँधने से लेकर हज के आख़िर तक हाजी को गुनाहों से बचना चाहिए। ग़ीबत, बुराई की नज़र डालना, झगड़ा करना, खाने की बर्बादी या किसी भी क़िस्म का गुनाह इस पाक सफ़र की रूह को मुतास्सिर करता है। ये सफ़र एक तरह का तज़किया-ए-नफ़्स (रूह की पाकी) है।

4. हलाल माल से हज करना

हज की तमाम ख़र्च और ज़रूरतें हलाल कमाई से पूरी होना चाहिए। अगर सफ़र का सामान पाक हो, तो इबादत में भी सच्चाई और अख़लास ज़ाहिर होता है।

5. आख़िरत की तलब दुनिया से ज़्यादा होना

एक मक़बूल हाजी की पहचान यह है कि वो हज के बाद दुनियावी चीज़ों में नहीं उलझता, बल्कि आख़िरत की तैयारी में लग जाता है। उसकी सोहबतें, उसकी दुआएँ, और उसकी ज़िन्दगी का मक़सद अब अल्लाह का क़ुर्ब हासिल करना बन जाता है।

6. हज के बाद गुनाहों से पाक लौटना

हदीस में आता है कि जो शख़्स हज को इस तरह अदा करता है कि उसमें कोई फ़ुज़ूल या गुनाह वाला काम नहीं करता, तो वो उस दिन की तरह वापस लौटता है जिस दिन उसकी पैदाइश हुई थी, बिलकुल बेगुनाह।

7. हज के बाद नेक आमाल में मुस्तक़िल रहना

हज के बाद की ज़िन्दगी असल इम्तिहान है। एक हक़ीक़ी हाजी वो है जो नमाज़, रोज़ा, सदक़ा, नेक अख़लाक़, और अल्लाह की याद में मशग़ूल रहता है। वो न सिर्फ़ खुद सुधारता है, बल्कि दूसरों के लिए भी रहमत बनता है।

मक़बूल हज के लिए अमली मशवरे

- सफ़र से पहले तौबा और अल्लाह से सच्चा रिश्ता क़ायम करें
- हज के अरकान को अच्छी तरह सीखें और समझें
- सफ़र के लिए हलाल सामान और नियत की पाकीज़गी का ख़ास ख़्याल रखें
- पूरी राह में इख़लास और सब्र को अपना साथी बनाएं
- दिल को हर वक़्त अल्लाह की याद में रखें

हज एक ऐसी इबादत है जो इंसान की ज़िन्दगी को बदल सकती है, उसे अल्लाह के क़रीब ला सकती है। ये 7 निशानियाँ हमारे लिए एक रहनुमा हैं, लेकिन असली क़बूलियत तो अल्लाह ही जानता है।जो लोग इस सफ़र के लिए चुने गए हैं, उन्हें चाहिए कि इस नेमत की क़द्र करें।

तहे-दिल से अल्लाह से दुआ करें, दिल की गहराई से तौबा करें, और हर लम्हा इस मुबारक सफ़र को इबादत में गुज़ारें।अल्लाह तआला हम सबका हज क़बूल फ़रमाए, और इस सफ़र को हमारी ज़िन्दगी की रूहानी बुनियाद बना दे। आमीन।

मुस्लिम रिश्ते

रॉयल पत्रिका साप्ताहिक में मुस्लिम रिश्तों में विज्ञापन देने हेतु संपर्क करें -

मोबाइल: 9772552446, 9799559096

मुस्लिम पठान खूबसूरत लड़की 33/154 सेमी./एम.ए. (इंग्लिश लिटरेचर)/ प्राइवेट कम्पनी में कार्यरत/ दीनी तालीम याफ़्ता, घर के कामों में दक्ष। वालिद प्राइवेट कम्पनी से रिटायर्ड, जयपुर की प्रतिष्ठित फैमिली। सुयोग्य पढ़ा-लिखा, सर्विस क्लास/ बिजनेसमेन लड़का चाहिए। इच्छुक संपर्क करें- 9672079550

Sunni Muslim Girl 32/5.3"/B. Tech in Electronics & Communications/Working in Semi Govt. Deptt./Deeni Taleem yafta/Homely girl. Father retd. from Indian Railway. Well educated and reputed family of Jaipur. Need religious, well educated and settled boy from well reputed family. Contact: 9828453954

Muslim Qureshi Caste Girl 34/5.6"/ Ph.D (Business Management)/MBA (HR & Marketing)/At present an Assistant Professor/Namazi and well versed in Quran. Jaipur based reputed family. Father Businessman. Seeking an educated Sunni Muslim religious boy from reputed family. Interested person contact: 9314966151

चूरू (राजस्थान) निवासी सुन्नी मुस्लिम पठान खान, दीनी तालीम याफ़्ता लड़की 24/5.2"/ एम एस सी (फिजिक्स)/ रंग फेयर, बैंक एग्जाम की तैयारी कर रही है, हेतु सुयोग्य पढ़े - लिखे, सेटल्ड मुस्लिम युवक को प्राथमिकता। इच्छुक व्यक्ति संपर्क करे - मोबाइल: 97851 62654

30/5.3"/ पोस्ट ग्रेजुएट व 27/5.3"/ ग्रेजुएट / दीनी तालीम याफ़्ता, नमाज़ी/ जयपुर निवासी रेप्यूटेड फैमिली। दोनों बैंक में कार्यरत मुस्लिम सैयद युवकों के लिए खूबसूरत, ग्रेजुएट , घर के काम में दक्ष अच्छे घराने की लड़कियां चाहिए। इच्छुक व्यक्ति लड़कियों का बायो डाटा व्हाट्सएप करें - 97995 59096

सैयद मुस्लिम युवती 23/5.5"/ बी ए/खूबसूरत, गृह कार्य में दक्ष व दीनी तालीम याफ़्ता सवाई माधोपुर की प्रतिष्ठित फैमिली हेतु खूबसूरत, दीनदार, नौकरीपेशा/बिजनेसमैन प्रतिष्ठित फैमिली के युवक की आवश्यकता है । संपर्क करें - +91 96369 22143

29 Years Old MBBA Doctor, Working in Dehli , Kota Based Family,Needs MBBS Girls. Contact - 9829068455

Kota Based, 31/5.3/B.tech, PG Diploma in Banking, MBA in Finance, BSTC, Experience 3 years in ICICI Bank [Special Officar], Sunni Muslim Rangrez Girl. Father - Princeipal, Mother- House Wife, One Younger brothers. Required Educated, Honest life Partner Contact – 9829068455

राजस्थान में कॉन्स्टेबल की 9617 भर्ती का नोटिफिकेशन जारी

राजस्थान पुलिस में कॉन्स्टेबल के 9000 से ज्यादा पदों पर भर्ती का नोटिफिकेशन जारी किया गया है। इस भर्ती के लिए आवेदन की शुरुआत 28 अप्रैल 2025 से की जाएगी। आवेदन शुरू होने के बाद उम्मीदवार ऑफिशियल वेबसाइट police.rajasthan.gov.in पर जाकर अप्लाई कर सकेंगे।

पद : कॉन्स्टेबल

आवेदन शुरु :
28 अप्रैल से 17 मई 2025 तक

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
मान्यता प्राप्त बोर्ड से 12वीं पास।
राजस्थान 12वीं लेवल CET परीक्षा पास होना चाहिए

शारीरिक योग्यता :
हाइट : पुरुषों की हाइट 168 सेमी और महिलाओं की हाइट 152 सेमी होनी चाहिए।
छाती : पुरुषों की सीना 81 सेमी और फूलने के बाद 86 सेमी होना चाहिए।
दौड़ : पुरुषों को 25 मिनट में 5 किमी और महिलाओं को 35 मिनट में 5 किमी दौड़ना होगा।

एज लिमिट :
जन्मतिथि की न्यूनतम तारीख 1 जनवरी 2008 और पुरुषों के लिए अधिकतम तारीख : 2 जनवरी 1999 और महिला ड्राइवरों के लिए 2 जनवरी 1994 होनी चाहिए।

अन्य सभी पद :
न्यूनतम जन्मतिथि 1 जनवरी 2008 और अधिकतम जन्मतिथि पुरुषों के लिए 2 जनवरी 2002, महिलाओं के लिए 2 जनवरी 1997 होनी चाहिए।
उम्र की गणना 1 जनवरी 2026 के आधार पर की जाएगी।

सिलेक्शन प्रोसेस :
लिखित परीक्षा
फिजिकल टेस्ट
स्किल टेस्ट
डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन
मेडिकल टेस्ट

फीस :
सामान्य व क्रीमीलेयर के पिछड़ा वर्ग/ अति पिछड़ा वर्ग/ राजस्थान से बाहर के आवेदक : 600 रुपए
राजस्थान के नॉन क्रीमीलेयर के पिछड़ा वर्ग/ अति पिछड़ा वर्ग, आर्थिक रूप से कमजोर/ एससी/ एसटी : 400 रुपए

सैलरी :
मैट्रिक्स लेवल - 5 के अनुसार

एग्जाम पैटर्न :
लिखित परीक्षा ओएमआर बेस्ड होगी।
प्रश्न पत्र 150 अंकों का होगा।
इसमें 150 ऑब्जेक्टिव टाइप प्रश्न होंगे।
हर प्रश्न का सही उत्तर देने पर 1 अंक दिया जाएगा।
गलत उत्तर देने पर 25% अंक काटा जाएगा

ऐसे करें आवेदन :
ऑफिशियल वेबसाइट police.rajasthan.gov.in पर जाएं।
Recruitment सेक्शन में जाकर "Constable Recruitment 2025" लिंक पर क्लिक करें।
जरूरी डिटेल्स भरकर डॉक्यूमेंट्स अपलोड करें।
फीस जमा करके फॉर्म सब्मिट करें।
इसका प्रिंटआउट लेकर रखें।

BPNL भर्ती 2025: पंचायत पशु सेवक और अन्य पदों के लिए अधिसूचना जारी ,आवेदन प्रक्रिया शुरु

शैक्षणिक योग्यता :
1. मुख्य परियोजना अधिकारी (सीपीओ)
किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से एमवीएससी/एमबीए/सीएस/सीए/एम.टेक/एम.एससी.
2. जिला विस्तार अधिकारी (डीईओ)
किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से किसी भी विषय में स्नातक।
3. तहसील विकास अधिकारी (टीडीओ)
अभ्यर्थियों को किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड से किसी भी विषय में 12वीं (+2) उत्तीर्ण होना चाहिए।
4. पंचायत पशु सेवक (पीपीएस)
अभ्यर्थियों को किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड से 10वीं पास होना चाहिए।

बीपीएनएल भर्ती 2025 चयन प्रक्रिया:
बीपीएनएल भर्ती 2025 अधिसूचना के अनुसार आवेदन करने वाले उम्मीदवारों का चयन निम्नलिखित प्रक्रिया द्वारा किया जाएगा
ऑनलाइन टेस्ट
दस्तावेज़ सत्यापन (डीवी)

बीपीएनएल भर्ती 2025 रिक्ति विवरण:
1. मुख्य परियोजना अधिकारी - 44 पद
2. जिला विस्तार अधिकारी - 440 पद
3. तहसील विकास अधिकारी - 2,121 पद
4. पंचायत पशु सेवक - 10,376 पद
कुल - 12,981 पद

बीपीएनएल भर्ती 2025 आयु सीमा:
* मुख्य परियोजना अधिकारी - 40 से 65 वर्ष
* जिला विस्तार अधिकारी - 25 से 40 वर्ष
* तहसील विकास अधिकारी - 21 से 40 वर्ष
* पंचायत पशु सेवक - 18 से 40 वर्ष

बीपीएनएल भर्ती 2025 महत्वपूर्ण तिथियां:
आवेदन की अंतिम तिथि - 11 मई 2025
ऑनलाइन टेस्ट तिथि - जल्द ही अधिसूचित की जाएगी

बीपीएनएल भर्ती 2025 आवेदन शुल्क :
मुख्य परियोजना अधिकारी - 1534/-
जिला विस्तार अधिकारी - 1180/-
तहसील विकास अधिकारी - 944/-
पंचायत पशु सेवक - 708/-

बीपीएनएल भर्ती 2025 वेतन विवरण:
1. मुख्य परियोजना अधिकारी - रु. 75,000/- प्रति माह
2. जिला विस्तार अधिकारी - रु. 50,000/- प्रति माह
3. तहसील विकास अधिकारी - रु. 40,000/- प्रति माह
4. पंचायत पशु सेवक - रु. 28,500/- प्रति माह

रॉयल पत्रिका

जयपुर से प्रकाशित होने वाले "रॉयल पत्रिका" को अपने दैनिक समाचार पत्र व "रॉयल पत्रिका" डिजिटल के लिए रिपोर्टर, स्क्रिप्ट राईटर, डी टी पी ऑपरेटर और हॉकर्स (अखबार बांटने वाले) की आवश्यकता है तथा बीजेएमसी के छात्र-छात्राएं इंटर्नशिप हेतु संपर्क करें।
। वेतन योग्यतानुसार ।

इच्छुक व्यक्ति संपर्क करें - संपादक, रॉयल पत्रिका, मस्जिद शेखान के सामने, घोड़ा निकास रोड, रामगंज बाज़ार, जयपुर 302002
मोबाइल: 8058969180/9799559096

भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड में ग्रेजुएट्स के लिए भर्ती

भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (BEL) में सीनियर असिस्टेंट इंजीनियर सहित अन्य पदों पर भर्ती निकली है। उम्मीदवार कंपनी की ऑफिशियल वेबसाइट bel-india.in पर जाकर आवेदन कर सकते हैं।

आवेदन शुरू :
30 अप्रैल से 20 मई तक

वैकेंसी डिटेल्स :
सीनियर असिस्टेंट इंजीनियर : 23 पद
जूनियर असिस्टेंट : 1 पद
कुल पदों की संख्या : 24

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
सीनियर असिस्टेंट इंजीनियर : इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग में डिप्लोमा
जूनियर असिस्टेंट : ग्रेजुएशन की डिग्री

एज लिमिट :
सीनियर असिस्टेंट इंजीनियर : अधिकतम 50 साल
जूनियर असिस्टेंट : अधिकतम 28 साल
ओबीसी को 3 साल की छूट दी जाएगी
एससी, एसटी को 5 साल की छूट दी जाएगी

सैलरी :
21,500 - 1,20,000 रुपए प्रतिमाह

फीस :
जनरल, ओबीसी, ईडब्ल्यूएस : 295 रुपए
अन्य : निःशुल्क

सिलेक्शन प्रोसेस :
रिटन टेस्ट
इंटरव्यू

ऐसे करें आवेदन :
ऑफिशियल वेबसाइट bel-india.in पर जाएं।
रिक्रूटमेंट लिंक पर क्लिक करें।
जरूरी डिटेल्स दर्ज करें।

रेलवे में 9900 पदों पर निकली भर्ती; 10 अप्रैल से शुरु आवेदन, 10वीं पास करें अप्लाई

रेलवे में असिस्टेंट लोको पायलट के 9900 पदों पर भर्ती निकली है। उम्मीदवार ऑफिशियल वेबसाइट indianrailways.gov.in पर जाकर आवेदन कर सकते हैं।

पोस्ट : 9900 पदों पर

पद : असिस्टेंट लोको पायलट

आवेदन शुरु:
10 अप्रैल से 9 मई 2025 तक

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
10वीं पास
संबंधित ट्रेड में आईटीआई की डिग्री
अन्य पदों के लिए इंजीनियरिंग में डिप्लोमा या डिग्री

एज लिमिट :
न्यूनतम : 18 वर्ष
अधिकतम : 30 वर्ष
आयु की गणना 1 जुलाई 2025 को आधार मानकर की जाएगी।
सभी आरक्षित वर्गों को सरकारी नियमों के अनुसार अधिकतम उम्र में छूट दी गई है

फीस :
सामान्य, ओबीसी, ईडब्ल्यूएस : 500 रुपए
अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, दिव्यांग, भूतपूर्व सैनिक, सभी महिला : 250 रुपए

सैलरी :
19,900 रुपए प्रतिमाह

सिलेक्शन प्रोसेस :
सीबीटी फर्स्ट और सीबीटी सेकेंड एग्जाम
सीबीएटी
डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन
मेडिकल एग्जाम

एग्जाम पैटर्न :
कंप्यूटर बेस्ड एग्जाम सीबीटी फर्स्ट में मैथ्स, मानसिक योग्यता, सामान्य विज्ञान और सामान्य जागरूकता से संबंधित 75 प्रश्न पूछे जाएंगे।
हर प्रश्न एक अंक का होगा जिसे सॉल्व करने के लिए 60 मिनट दिए जाएंगे।
सीबीटी सेकेंड एग्जाम पार्ट 1 में गणित, जनरल इंटेलिजेंस व रीजनिंग, बेसिक साइंस और इंजीनियरिंग से संबंधित 100 प्रश्न पूछे जाएंगे।
इसे सॉल्व करने के लिए 90 मिनट का टाइम मिलेगा।
पार्ट 2 में टेक्निकल से संबंधित 75 प्रश्न पूछे जाएंगे। इसे सॉल्व करने के लिए 60 मिनट का समय दिया जाएगा।
सीबीटी एग्जाम में नेगेटिव मार्किंग एक तिहाई रहेगी।

ऐसे करें आवेदन :
ऑफिशियल वेबसाइट indianrailways.gov.in पर जाएं।
संबंधित भर्ती लिंक पर क्लिक करें।
अपना नाम, ईमेल पता, मोबाइल नंबर और अन्य जानकारी दर्ज करें।
बर्थ सर्टिफिकेट सहित जरूरी डाक्यूमेंट्स की स्कैन कॉपी अपलोड करें।
रजिस्ट्रेशन फीस जमा करें।
फाइनल सब्मिट कर सेव कर लें या प्रिंटआउट ले लें।

कर्मचारी राज्य बीमा निगम में 558 पदों पर भर्ती

कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ESIC) की ओर से स्पेशलिस्ट ग्रेड-2 के पदों पर भर्ती निकली है। इस भर्ती के लिए उम्मीदवारों को ऑफलाइन आवेदन करना होगा। आवेदन की आखिरी तारीख असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम, मणिपुर, नागालैंड, त्रिपुरा, सिक्किम, हिमाचल प्रदेश के लाहौल और स्पीति जिले, चंबा जिले के पांगी उप-मंडल, और केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, लक्षद्वीप में रहने वाले उम्मीदवारों के लिए 2 जून 2025 तय की गई है।

आवेदन शुरू : 26 अप्रैल से 26 मई तक

वैकेंसी डिटेल्स:
स्पेशलिस्ट ग्रेड II (Sr. Scale) : 155 पद
स्पेशलिस्ट ग्रेड 2 (Jr. Scale) : 403 पद
कुल पदों की संख्या : 558

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
एमडी/ एमएस/ एमसीएच/ डीएम/ डीए/ एमएससी/ डीपीएम के साथ संबंधित क्षेत्र में पोस्ट ग्रेजुएशन डिग्री।
3 से 5 साल का वर्क एक्सपीरियंस

एज लिमिट :
अधिकतम 45 साल
अधिकतम उम्र में उम्मीदवारों को छूट दी जाएगी।

सैलरी :
पद के अनुसार 67,700 - 78,800 रुपए प्रतिमाह
इसके अलावा अन्य अलाउंस भी दिए जाएंगे

फीस :
सामान्य/ओबीसी/ईडब्ल्यूएस (पुरुष) : 500 रुपए
एससी/एसटी/दिव्यांग/महिलाएं/ईएसआईसी कर्मचारी/पूर्व सैनिक : निःशुल्क

सिलेक्शन प्रोसेस :
इंटरव्यू के बेसिस पर।

309 एयर ट्रैफिक कंट्रोलर (JE ATC) पदों पर भर्ती हेतु अधिसूचना जारी

नई दिल्ली। भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (AAI) ने 07 अप्रैल 2025 को एक आधिकारिक अधिसूचना जारी कर 309 जूनियर एग्जीक्यूटिव (Air Traffic Controller) पदों पर भर्ती की घोषणा की है। इच्छुक एवं पात्र उम्मीदवार 25 अप्रैल 2025 से 24 मई 2025 तक www.aai.aero पर जाकर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

पद का विवरण:
पद नाम: JE (Air Traffic Controller)
कुल पद: 309

शैक्षणिक योग्यता:
B.Sc (Physics and Mathematics विषयों के साथ) या
B.Tech / B.E किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/संस्थान से

आयु सीमा (24 मई 2025 तक):
अधिकतम आयु: 27 वर्ष
नियमानुसार आरक्षित वर्गों को आयु में छूट प्रदान की जाएगी।

आवेदन शुल्क:
सामान्य / ओबीसी / EWS उम्मीदवार: ₹1,000 (GST सहित)
अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति / महिला / दिव्यांग / AAI में 1 वर्ष का अप्रेंटिसशिप कर चुके उम्मीदवार: शुल्क में छूट

महत्वपूर्ण तिथियाँ:
ऑनलाइन आवेदन प्रारंभ: 25 अप्रैल 2025
ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि: 24 मई 2025

चयन प्रक्रिया:
AAI द्वारा चयन प्रक्रिया में ऑनलाइन परीक्षा, दस्तावेज़ सत्यापन, और वॉयस टेस्ट / मेडिकल टेस्ट शामिल हो सकते हैं। विस्तृत जानकारी हेतु आधिकारिक अधिसूचना पढ़ना अनिवार्य है।सभी इच्छुक अभ्यर्थियों से अनुरोध है कि आवेदन करने से पहले आधिकारिक अधिसूचना को ध्यानपूर्वक पढ़ें।

आधिकारिक वेबसाइट: www.aai.aero

ASRB NET 2025 के लिए आवेदन शुरु, 582 वैकेंसी

कृषि वैज्ञानिक भर्ती बोर्ड (ASRB) ASRB NET 2025 के लिए आवेदन। उम्मीदवार ऑफिशियल वेबसाइट asrb.org.in पर जाकर अप्लाई कर सकते हैं। प्रीलिम्स एग्जाम 2 से 4 सितंबर 2025 और मेन्स एग्जाम 7 दिसंबर 2025 को होगा।

आवेदन शुरू :
22 अप्रैल से 21 मई 2025 तक

वैकेंसी डिटेल्स :
कृषि अनुसंधान सेवा (ARS) : 458
विषय वस्तु विशेषज्ञ (SMS) : 41
वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी (STO) : 83
कुल पदों की संख्या : 582

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
पद के अनुसार, मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से संबंधित विषय में मास्टर या समकक्ष डिग्री, पीएचडी

फीस :
एएसआरबी नेट :
जनरल (UR) : 1000 रुपए
ओबीसी/ईडब्ल्यूएस : 500 रुपए
SC/ST/दिव्यांग/महिला/ट्रांसजेंडर : 250 रुपए

एएसआरबी एआरएस :
जनरल (UR) : 1000
ओबीसी/ईडब्ल्यूएस : 800 रुपए
SC/ST/दिव्यांग/महिला/ट्रांसजेंडर : निःशुल्क

एसएमएस और एसटीओ (T6) :
जनरल (UR) : 1000 रुपए
ओबीसी/ईडब्ल्यूएस : 800, SC/ST/दिव्यांग/महिला/ट्रांसजेंडर : निःशुल्क

एज लिमिट :
नेट परीक्षा के लिए :
न्यूनतम 21 वर्ष
अधिकतम : कोई ऊपरी आयु सीमा नहीं
एसएमएस/एसटीओ के लिए :
न्यूनतम : 21 वर्ष
अधिकतम : 35 वर्ष

सैलरी :
80,000 - 1 लाख तक

सिलेक्शन प्रोसेस :
प्रीलिम्स एग्जाम
मेन्स एग्जाम
इंटरव्यू

ऐसे करें आवेदन :
ऑफिशियल वेबसाइट asrb.org.in पर जाएं।
होमपेज पर "ASRB NET 2025 "एप्लिकेशन" लिंक पर क्लिक करें।
वह परीक्षा चुनें जिसके लिए आप आवेदन करना चाहते हैं।
अब पोर्टल द्वारा निर्देशित अनुसार आवेदन भरें।

RRB ALP भर्ती 2025: 9970 सहायक लोको पायलट पदों के लिए ऑनलाइन आवेदन शुरु

नई दिल्ली, 12 अप्रैल 2025: रेलवे भर्ती बोर्ड (RRB) ने सहायक लोको पायलट (ALP) के 9970 पदों पर भर्ती के लिए आधिकारिक अधिसूचना जारी की है। इच्छुक और योग्य उम्मीदवार 12 अप्रैल 2025 से 11 मई 2025 तक RRB की आधिकारिक वेबसाइट, www.rrbapply.gov.inके माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

पद का विवरण:
पद नाम: सहायक लोको पायलट (ALP)
कुल पद: 9970

आवश्यक योग्यता:
किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक डिग्री
डिप्लोमा या ITI (औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान) में 2 वर्षीय कोर्स

आयु सीमा (01 जुलाई 2025 के अनुसार):
न्यूनतम आयु: 18 वर्ष
अधिकतम आयु: 30 वर्ष
(आरक्षित श्रेणियों के उम्मीदवारों के लिए आयु में छूट)

आवेदन शुल्क:

सामान्य / OBC / EWS: ₹500
SC / ST / ESM / महिला / EBC: ₹250
(आवेदन शुल्क ऑनलाइन भुगतान के माध्यम से)

महत्वपूर्ण तिथियाँ:
ऑनलाइन आवेदन प्रारंभ तिथि: 12 अप्रैल 2025
ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि: 11 मई 2025 (रात्रि 11:59 बजे तक)
परीक्षा तिथि: शीघ्र घोषणा की जाएगी

भर्ती प्रक्रिया:
उम्मीदवारों का चयन ऑनलाइन परीक्षा और दस्तावेज़ सत्यापन के आधार पर किया जाएगा। परीक्षा की तारीख और अन्य जानकारी जल्द ही जारी की जाएगी।

Union Bank में स्पेशल ऑफिसर के 500 पदों पर निकली भर्ती, आवेदन प्रक्रिया शुरु

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया ने 500 स्पेशलिस्ट ऑफिसर (SO) पदों के लिए भर्ती प्रक्रिया शुरू कर दी है। इच्छुक और एलिजिबल उम्मीदवार यूनियन बैंक की आधिकारिक वेबसाइट unionbankofindia.co.in पर जाकर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। आवेदन करने की आखिरी तारीख 20 मई 2025 है।

वैकेंसी डिटेल
इस भर्ती अभियान के तहत कुल 500 पदों पर भर्ती की जाएगी:
– असिस्टेंट मैनेजर (क्रेडिट): 250 पद
– असिस्टेंट मैनेजर (आईटी): 250 पद

योग्यता और आयु सीमा
इन पदों पर आवेदन करने के लिए उम्मीदवारों की शैक्षणिक योग्यता और आयु सीमा से जुड़ी जानकारी यूनियन बैंक की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध डिटेल्ड नोटिफिकेशन में दी गई है। उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे आवेदन करने से पहले नोटिफिकेशन ध्यान से पढ़ लें।

आवेदन शुल्क
SC, ST और PwBD कैटेगरी के उम्मीदवारों को 177 (GST सहित) आवेदन शुल्क देना होगा। वहीं, अन्य सभी कैटेगरी के लिए आवेदन शुल्क 1180 (GST सहित) रखा गया है।

भुगतान के तरीके:
डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड, इंटरनेट बैंकिंग, UPI, मोबाइल वॉलेट्स आदि के माध्यम से भुगतान किया जा सकता है।

चयन प्रक्रिया कुछ इस प्रकार होगी:
– ऑनलाइन परीक्षा
– ग्रुप डिस्कशन (अगर आयोजित हुआ)
– एप्लिकेशन की स्क्रीनिंग
– पर्सनल इंटरव्यू

गर्मी में सेहत और त्वचा की देखभाल

गर्मी अपने चरम पर है। पारा 45 डिग्री से ऊपर जा चुका है और कई जिलों में लू ने दस्तक दे दी है। इस तीखी गर्मी और तपती हवाओं से न सिर्फ शरीर की ऊर्जा खत्म होती है, बल्कि त्वचा, पाचन तंत्र और मानसिक स्थिति पर भी बुरा असर पड़ता है। ऐसे में ज़रूरी है कि हम गर्मी के मौसम में अपनी दिनचर्या, खानपान और स्वास्थ्य संबंधी आदतों में कुछ समझदारी भरे बदलाव करें।

सूरज की तपिश से कैसे करें त्वचा की हिफ़ाज़त?
गर्मी के मौसम में सबसे पहला असर हमारी त्वचा पर पड़ता है। अधिक तापमान और सूर्य की पराबैंगनी किरणें (UV Rays) त्वचा को झुलसा देती हैं, जिससे सनबर्न, झाइयां और असमय झुर्रियां तक हो सकती हैं।

जरूरी उपाय:
•सनस्क्रीन लगाना न भूलें: कम से कम SPF 30 वाला सनस्क्रीन धूप में निकलने से 20 मिनट पहले लगाएं। इसे हर 3 घंटे में दोहराना चाहिए।
•कॉटन कपड़े पहनें: सूती और ढीले कपड़े न सिर्फ हवा का प्रवाह बनाए रखते हैं, बल्कि त्वचा को राहत भी देते हैं।
•चेहरा ढक कर निकलें: धूप में निकलते समय चेहरे को स्कार्फ या दुपट्टे से ढकें और आंखों की

सुरक्षा के लिए सनग्लासेस पहनें।

शरीर को डिहाइड्रेशन से कैसे बचाएं?
गर्मी में शरीर से पसीने के ज़रिए बहुत सारा पानी और खनिज लवण (electrolytes) बाहर निकल जाते हैं। यह डिहाइड्रेशन, थकावट, चक्कर और सिरदर्द का कारण बनता है।

हाइड्रेशन टिप्स:
•दिनभर में कम से कम 3-4 लीटर पानी पिएं।
•घर से निकलते समय एक बोतल पानी, ORS या नींबू-पानी जरूर रखें।
•नारियल पानी, बेल शरबत, सत्तू, आम पना और छाछ जैसे देसी पेय दिन में एक बार ज़रूर लें।

खाने योग्य (Do's):
तरबूज, खरबूजा शरीर में पानी की पूर्ति करते हैं। ककड़ी, खीरा ठंडक देते हैं और पेट साफ़ रखते हैं। दही, छाछ पाचन में मददगार और शीतल प्रभाव देने वाले। सत्तू का शरबत ऊर्जा देता है और शरीर को ठंडा रखता है। बेल शरबत पेट की जलन और एसिडिटी में राहत देते है।

तकनीक की दुनिया में नया दौर: AI बना युवाओं का पसंदीदा करियर विकल्प

आज का दौर तकनीकी परिवर्तन का है और इस परिवर्तन के केंद्र में है, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI)। यह तकनीक न केवल उद्योग जगत को नया रूप दे रही है, बल्कि युवाओं के लिए करियर के नए रास्ते भी खोल रही है। शिक्षा, स्वास्थ्य, रक्षा, परिवहन और मीडिया जैसे अनेक क्षेत्रों में AI का इस्तेमाल बढ़ता जा रहा है। AI यानी कृत्रिम बुद्धिमत्ता एक ऐसी प्रणाली है जो मशीनों को इंसानों की तरह सोचने, समझने और फैसले लेने में सक्षम बनाती है। स्मार्टफोन में इस्तेमाल होने वाला वॉयस असिस्टेंट, ऑनलाइन खरीदारी में दिखने वाले सुझाव, और ड्राइवरलेस कारें, ये सभी AI की देन हैं।

युवाओं में AI को लेकर बढ़ा रुझान
AI अब केवल एक तकनीकी शब्द नहीं रहा, बल्कि यह देश के युवाओं के लिए एक करियर विकल्प बनकर उभरा है। McKinsey और NASSCOM जैसी संस्थाओं की रिपोर्ट के अनुसार आने वाले पाँच वर्षों में भारत में लाखों AI आधारित नौकरियां उत्पन्न होंगी। टेक्नोलॉजी सेक्टर में कार्य कर रहे विशेषज्ञों का कहना है कि "AI एक ऐसा क्षेत्र है जिसमें कुशल लोगों की भारी मांग है। योग्य अभ्यर्थियों को अच्छी तनख्वाह और करियर ग्रोथ के अवसर मिलते हैं।"

AI से जुड़े प्रमुख क्षेत्र
AI में विशेषज्ञ बनने के लिए छात्रों को कुछ खास क्षेत्रों की जानकारी होना ज़रूरी है:
मशीन लर्निंग: मशीनों को खुद सीखने की क्षमता देना
डीप लर्निंग: जटिल डेटा पैटर्न को पहचानने की तकनीक
डेटा साइंस: आंकड़ों का विश्लेषण करके निर्णय निकालना
कंप्यूटर विजन: मशीनों को 'देखने' की शक्ति देना
नैचुरल लैंग्वेज प्रोसेसिंग (NLP): मशीनों को मानवीय भाषा समझाना

इन क्षेत्रों में विशेषज्ञता हासिल करने वाले युवा तेजी से इंडस्ट्री में अपनी जगह बना रहे हैं।

कहां से करें पढ़ाई?
AI से जुड़े कोर्स अब देशभर में उपलब्ध हैं। प्रमुख संस्थानों में IITs, IIITs, NITs द्वारा पेश किए गए पोस्टग्रेजुएट कोर्स शामिल हैं। वहीं ऑनलाइन प्लेटफॉर्म जैसे SWAYAM, NPTEL, Coursera और edX पर भी सर्टिफाइड कोर्स उपलब्ध हैं। इन कोर्स की अवधि 6 महीने से लेकर 2 साल तक की हो सकती है, और इन्हें पूरा करने के बाद छात्रों को कंपनियों में इंटर्नशिप और

प्लेसमेंट के अच्छे मौके मिलते हैं।

आकर्षक सैलरी पैकेज
AI सेक्टर में नौकरी पाने वालों को शुरुआत में ही ₹8 लाख से ₹12 लाख रुपये सालाना तक का वेतन मिलना सामान्य बात हो चुकी है। जैसे-जैसे अनुभव बढ़ता है, वेतन और पद दोनों में तेज़ी से वृद्धि होती है। तकनीकी विशेषज्ञ मानते हैं कि AI केवल एक ट्रेंड नहीं, बल्कि भविष्य की आवश्यकता है। जो छात्र आज इस दिशा में कदम बढ़ाएंगे, वे कल देश की तकनीकी प्रगति के अग्रदूत बन सकते हैं।

पर्सनल लॉ बोर्ड के आह्वान पर वक्फ संसोधन बिल के खिलाफ वक्फ कॉफ्रेंस आयोजित

बारां, (रॉयल पत्रिका)। तहफ्फुज-ए-औकाफ कमेटी के प्रेस प्रवक्ता शाहिद इकबाल भाटी ने जानकारी देते हुए बताया कि पंचायत श्योपुरियांन अंसारी जमात खाने में अंजुमन इत्तेहाद-ए-बाहमी द्वारा ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के आह्वान पर वक्फ कॉंफ्रेंस वार्ता आयोजित की गई, जिसमें स्टेट तहफ्फुज ओकाफ कमेटी के सदस्य साजिद सहराई ने वक्फ संसोधन बिल से होने वाले नुक़सान के बारे में रोशनी डाल विस्तार से समझाया, वक्फ़ कॉन्फ्रेंस में बड़ी संख्या में महिलाये और पुरषों ने शिरकत की। प्रोग्राम का संचालन मोलाना अख्तर नदवी ने किया।

अंत में अंजुमन इत्तेहाद ए बाहमी के जनरल सेकेट्री आबिद हुसैन ने सभी का शुक्रिया अदा किया गोरतलब है कि ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के द्वारा 30 अप्रैल को भी बत्ती गुल का सफल प्रोटेस्ट किया जा चुका है, जिसमें बारां जिले से भी मुस्लिम समाज के लोगों ने अपने घरों, दुकानों की बत्ती गुल रख कर वक्फ बिल के खिलाफ विरोध जताया था।

गैर निर्वाचन संबंधी कार्यों का बीएलओ ने किया बहिष्कार

बारां, (रॉयल पत्रिका)। खाद्य सुरक्षा के आवेदनों के निस्तारण करने हेतु आदेश पारित कर उपखंड अधिकारी द्वारा बीएलओ को नियुक्त किया गया तथा उपखंड अधिकारी बाराँ की अध्यक्षता में पंचायत समिति बाराँ के राजीव गांधी सेवा केंद्र पर शाम 4 बजे एक मीटिंग का आयोजन किया गया। मीटिंग में उपस्थित सभी बी.एल.ओ. ने उक्त कार्य का बहिष्कार कर दिया।

बीएलओ हिम्मत सिंह गौड़ का कहना है कि यह कार्य हमारा नहीं है इस संबंध में बीएलओ संघर्ष समिति ने उपखंड अधिकारी बाराँ को ज्ञापन दिया हालांकि पूर्व में भी बीएलओ संघर्ष समिति ने शहरी क्षेत्र में श्रम निर्माण विभाग की योजनाओं को सत्यापित करने के लिए लगाए जाने पर भी कार्य का

बहिष्कार किया था तथा उपखंड अधिकारी व जिला कलेक्टर को ज्ञापन दे चुके हैं बीएलओ मोहम्मद आबिद देशवाली का कहना है कि वह सभी निर्वाचन संबंधित एवं राष्ट्रीय कार्य को पूर्ण निष्ठा से करते आ रहे हैं लेकिन वह कोई भी गैर निर्वाचन संबंधित कार्य नहीं करेंगे अभी स्कूलों में वार्षिक परीक्षा भी चल रही ओर परीक्षा परिणाम भी तैयार करना हे। विरोध करने वालों में बीएलओ संघर्ष समिति के सदस्य हंसराज गॉड, महेंद्र सिंह, मुरली मीणा, जफीर अहमद, नीरज सिंह, भानु सिंह, हेमंत कश्यप, राजेंद्र गौड़, नरेंद्र यादव, जगदीश मीणा, वसीम अकरम, महेश भारद्वाज, हितेश पारेता, सख़ावत हुसैन, लोकेश शर्मा, प्रेम नारायण नागर, आशीष वैष्णव, गिर्राज गॉड सहित बड़ी संख्या में बीएलओ उपस्थित रहे।

हज पर जाने वाले हाजियों का किया इस्तकबाल

कोटा, (रॉयल पत्रिका)। हज-2025 के पाक सफर पर जाने वाले हाजियों के इस्तकबाल का सिलसिला जारी है। पंचायत अंसारियान समिति कोटा के वरिष्ठ उपाध्यक्ष जहूर अहमद अंसारी सफर-ए-हज के लिए सोमवार 5 मई को कोटा से रवाना होंगे। पंचायत के पदाधिकारियों द्वारा शुक्रवार 2 मई को उनके आवास पर जाकर माला पहनाकर मुंह मीठा करवाकर स्वागत कर मुबारकबाद पेश की गई। और मुल्क में अमन चैन की दुआ की दरखास्त की गई। मुबारकबाद देने वालों में रिजवानुद्दीन अंसारी, हाजी अनवर अंसारी (सिराज एंड संस), मजीद अहमद अंसारी, सिराज

अंसारी, फैजुल हक अंसारी, रऊफ भाई पाकीजा, मुश्ताक भाई, मुस्तकीम भाई, हुसैन भाई नौसरानी, पार्षद साहिब हुसैन अंसारी, जरगाम अहमद (पूर्व मनोनीत पार्षद), जमील अंसारी, जाकिर अंसारी, गुड् लिबाज, शेरखान, अशफाक अंसारी, बबलू प्रॉपर्टी, अनीस भाई आदि मौजूद रहे।

नौताडा से मुकद्दस हज के सफर के लिए रवाना हुए हाजी

सुल्तानपुर, (रॉयल पत्रिका)। सुल्तानपुर क्षेत्र के नौताडा से मरहूम रुकनुद्दीन खत्री घोड़ी वालों की अहलिया बशीरन बाई और उनका बेटा इरशाद अली मुल्क में अमन व शांति और मुल्क की हिफाज़त की दुआ के साथ हज यात्रा पर मक्का-मदीना के लिए रवाना हुए। इस मुकद्दस सफर पर जाने से पहले पूरे गाँव में हज यात्रियों को सभी ग्रामवासियों ने घर-घर माला पहना कर ज़ोरदार इस्तक़बाल किया। इस अवसर पर अंजुमन कमेटी तकदीरपुरा नौताडा सदर अख्तर गौरी, हाजी अब्दुल हमीद, एहसान भाई पुलिस, मोहम्मद अली, इंसाफ मिस्त्री, रसूल मोहम्मद, कुदरत अली,

इंसाफ खत्री, मठ् खत्री, निसार मोहम्मद, अमजद खान, उम्रदराज, अंजुमन कमेटी नौताडा पूर्व सचिव मोईनुद्दीन खत्री, रिज़वान खत्री, कलीम पीरज़ादा, मोईन पीरज़ादा, मोनू मिस्त्री, मोईन खत्री, वसी, उमर अली, ज़ीशान चिंटू आदि मौजूद रहे।

संभागीय आयुक्त ने की जनसुनवाई, कृषि मंडी व पेयजल परियोजनाओं का लिया जायजा

शब्बीर हुसैन

बारां,(रॉयल पत्रिका)। संभागीय आयुक्त कोटा राजेंद्र सिंह शेखावत शुक्रवार को जिले के दौरे पर रहे। इस दौरान संभागीय आयुक्त ने उपखण्ड कार्यालय अटरू में कृषि उपज मंडी समिति, गेहूं खरीद केन्द्र, शेरगढ़ इंटेक वेल का निरीक्षण किया तथा शेरगढ ग्राम पंचायत में जनसुनवाई की।

उन्होंने उपखण्ड अधिकारी ओमप्रकाश चन्देलिया को कोर्ट में लंबित प्रकरणों का निस्तारण करने, रास्ता खोलो अभियान के कार्यों में तेजी लाने तथा राजस्व न्यायालय में कई वर्षों से लंबित प्रकरणों पर विशेष ध्यान देकर निस्तारण करने के निर्देश दिए। वहीं संभागीय आयुक्त ने कृषि उपज मंडी अटरू में निरीक्षण के दौरान किसानों से बातचीत कर गेहूं की गुणवत्ता से संबंधित समस्या को जानकर निरीक्षक को दोबारा क्वालिटी चैक करने के निर्देश दिए। वहीं उन्होंने शेरगढ इंटेक वेल पर पेयजल आपूर्ति तथा विशेष परिस्थितियों के दौरान आपूर्ति से

संबंधित समस्याओं की जानकारी लेकर सुधार के निर्देश दिए।

संभागीय आयुक्त को शेरगढ़ ग्राम पंचायत में ग्राम वासियों ने ग्राम करजूना में खाल पर बनी पुलिया, ग्राम बडौरा में पानी के पाइप लाइन की समस्या, ग्राम वरखेडी में नालियों में पानी भरने की समस्या, मंदिरों की भूमि पर अतिक्रमण की समस्या प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में डॉक्टर की कमी, शेरगढ ग्राम पंचायत में सहरिया बस्ती में पेयजल आपूर्ति की समस्या तथा शेरगढ ग्राम पंचायत में विभिन्न रास्तों पर इंटरलॉकिंग की कमी आदि समस्याओं से अवगत करवाया। जिस पर संभागीय आयुक्त ने संबंधित विभागीय अधिकारियों को समस्याओं का समाधान करने व उपखण्ड अधिकारी को समस्या समाधान के कार्यों की मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए ।

सुनेल पुलिस थाने की बड़ी कार्यवाही

फिरोज खान वारसी

झालावाड़, (रॉयल पत्रिका)। सलोतिया रोड़ पाउखेडी के आगे नहर के पास से विष्णु सिंह सुनेल थानाधिकारी मय जाप्ता द्वारा अवैध मादक पदार्थ अफीम निर्मित डोडा चूरा के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया गया। पुलिस अधीक्षक ऋचा तोमर ने 4 मई को बताया कि अवैध कार्यों की रोकथाम व अवैध मादक पदार्थ की तस्करी के खिलाफ चलाये गये अभियान में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक चिरंजीलाल मीणा व वृताधिकारी वृत्त पिड़ावा सुनील कुमार आरपीएस पुलिस उप अधीक्षक के निकटतम सुपरविजन में थानाधिकारी विष्णु सिंह पुलिस थाना सुनेल ने सलोतिया रोड पाउखेडी के आगे नहर के पास नाकाबंदी के दौरान अवैध मादक पदार्थ के दस प्लास्टिक के कट्टों सहित लालूखेडी निवासी 30 वर्षीय मुल्ज़िम सलाम शाह पुत्र सलीम शाह जाति मुसलमान को

गिरफ्तार किया गया । दस कट्टो का वजन 1 क्विंटल 75 किलोग्राम बताया गया है । इस दौरान RJ 32 GE 0553 नम्बर का कंटेनर ट्रक भी जप्त किया गया है। जानकारी के अनुसार अवैध मादक पदार्थ अफीम निर्मित डोडा चूरा की अनुमानित कीमत करीब 27 लाख रूपये है तथा ट्रक की अनुमानित कीमत 50 लाख रूपये बताई गई है । अब पुलिस द्वारा मुल्ज़िम से अवैध मादक पदार्थ तस्करी के सम्बन्ध में गहन अनुसंधान किया जा रहा है तथा तस्करी के रैकेट में शामिल अन्य तस्करों के सम्बन्ध में डोडा चूरा लाने, ले जाने व खरीद फरोख्त के सम्बन्ध में अनुसंधान कर घटना में लिप्त अन्य तस्करों के सम्बन्ध में जल्द खुलासा कर विधि अनुसार कार्यवाही की बात कही जा रही है। इस दौरान टीम में विष्णुसिंह उ. नि. थानाधिकारी थाना सुनेल, हरिसिंह एएसआई सत्यनारायण हैड कानि. दुष्यंत हैड कानि. रहे । वहीं बनवारी गौतम हैड कानि. ओमसिंह कानि. महेन्द्र पाल कानि. कैलाशचंद कानि. प्रेमराज कानि. जुगल किशोर कानि. बृजपाल कानि. वृत कार्यालय पिडावा की विशेष भूमिका रही ।

चेचट संस्कृत कॉलेज क्रमोन्नत, तीन सहायक आचार्य शिक्षा देंगे

डॉ. तोहीद

सुकेत, (रॉयल पत्रिका)। सरकार संस्कृत शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए प्रयास कर रही है। इसी कड़ी में कस्बे का राजकीय शास्त्री संस्कृत कॉलेज अब आचार्य कॉलेज में क्रमोन्नत हो गया है। राज्य के 17 शास्त्री कॉलेजों को आचार्य कॉलेज में बदला गया है। इन कॉलेजों में 51 सहायक आचार्य की नियुक्तियां की जा रही हैं। चेचट कॉलेज में अब तीन सहायक आचार्य सेवा देंगे।

यह कॉलेज वर्षों से अव्यवस्थाओं से जूझ रहा था। पहले यहां केवल एक कार्यवाहक प्राचार्य के भरोसे पढ़ाई चल रही थी। सुप्रीम फाउंडेशन की ओर से तीन संविदा

कर्मी सेवाएं दे रहे थे। स्टाफ की कमी के विद्यार्थियों को उचित शिक्षा नहीं मिल पा रही थी। अब कॉलेज में आचार्य की कक्षाएं भी शुरू होंगी।

कॉलेज भवन का जीर्णोद्धार करोड़ों रुपए की लागत से जारी है। विद्यार्थियों ने खुशी जताई है। उन्होंने कहा कि पहले आचार्य की पढ़ाई के लिए कोटा या अन्य शहर जाना पड़ता था। अब अपने ही क्षेत्र में उच्च संस्कृत शिक्षा मिल सकेगी। कॉलेज अब शिक्षा का उत्तम केंद्र बन चुका है।

राजकीय जिला आयुर्वेद चिकित्सालय में 16 वर्ष तक के 70 बच्चों को स्वर्ण प्राशन दवा पिलाई

शब्बीर हुसैन

बारां, (रॉयल पत्रिका)। राजकीय जिला आयुर्वेद चिकित्सालय स्टेशन रोड द्वारा बच्चों को स्वर्ण प्राशन दवा पिलाई गई। प्रधान चिकित्साधिकारी प्रभारी डॉ कैलाश चन्द बरुलिया ने बताया कि पुष्य नक्षत्र के अवसर पर आज 0 से 16 वर्ष के कुल 70 बच्चों को स्वर्ण प्राशन कराया गया।

आंचल प्रसूता केन्द्र प्रभारी डां राजकुमार गोयल ने बताया कि स्वर्ण प्राशन बच्चों में रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढाता है। शारीरिक व मानसिक विकास में वृद्दि करता है। बच्चों में सोचने समझने की शक्ति में वृद्दि करता है एवं बच्चों के सर्वांगीण विकास को बढाता है। आंचल प्रसूता केन्द्र के माध्यम से गर्भवती एवं प्रसूता महिलाओ को सेवाएं दी जा रही है। इस अवसर पर जरावस्था चिकित्सा

प्रभारी डॉ. विनोद नागर ने बताया कि हमने सीनियर सिटीजन की सेवा के लिए सभी प्रकार की दवाइयां जो हम यहां से निशुल्क दे सकते हैं निशुल्क दी जा रही है एवं उनका स्वास्थ्य कैसे अच्छा बना रहे इस बारे में बताया जाएगा।

पंचकर्म प्रभारी डॉ. महेन्द्र मीणा ने बताया कि शिविर में आज 5 मरीजों को शिरोधारा एवं 10 मरीजों का अग्निकर्म किया गया। पंचकर्म से तुरंत आराम होता है। ऐसी बीमारियों के लिए पंचकर्म में मरीजों को बेहतर से बेहतर चिकित्सा प्रदान की जा रही है। इस अवसर पवनदीप, शिवराज ने स्वर्णप्राशन कैंप में अपनी सेवाऐं दी।

जिला कलक्टर ने जन समस्याओं के त्वरित समाधान के दिए निर्देश

-खाद्य सुरक्षा अभियान में नाम जोड़ने की प्रक्रिया में लाएं गति - कलक्टर रामावतार मीणा

झुंझुनूं, (रॉयल पत्रिका)। कलेक्ट्रेट सभागार में सोमवार को आयोजित साप्ताहिक समीक्षा बैठक में जिला कलक्टर रामावतार मीणा ने जिले के अधिकारियों को जनहित से जुड़ी शिकायतों के शीघ्र समाधान के सख्त निर्देश दिए। बैठक में मुख्यमंत्री की जनसुनवाई के दौरान प्राप्त शिकायत की विस्तार से समीक्षा की गई। जिला कलेक्टर मीणा ने स्पष्ट किया कि शिकायतों के निराकरण में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि जिन शिकायतों का समाधान जिला स्तर पर किया जा सकता है, उन्हें प्राथमिकता के साथ तत्काल निपटाकर रिपोर्ट भेजी जाए। वहीं, जिन मामलों का निस्तारण राज्य स्तर पर होना है, उन्हें भी तुरंत संबंधित अधिकारियों को प्रेषित किया जाए। गर्मी के मौसम को देखते हुए बैठक में जिले में बिजली एवं पेयजल आपूर्ति की स्थिति पर भी चर्चा हुई। कलेक्टर ने संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित की जाए, ताकि आमजन को कोई असुविधा न हो। बैठक में खाद्य सुरक्षा योजना के अंतर्गत पात्र व्यक्तियों के नाम

जोड़ने की प्रक्रिया की भी समीक्षा की गई। जिला रसद अधिकारी को निर्देशित किया गया कि इस कार्य में गति लाते हुए अधिक से अधिक पात्र लाभार्थियों को योजना से जोड़ा जाए। अतिरिक्त जिला कलेक्टर अजय कुमार आर्य ने संपर्क पोर्टल पर लंबित शिकायतों की स्थिति पर चिंता जताते हुए अधिकारियों को समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि 'संपर्क 2.0' पोर्टल की नियमित मॉनिटरिंग करनी होगी, ताकि शिकायतों का प्रभावी समाधान सुनिश्चित हो सके।

यह रहे मौजूद

बैठक में जलदाय विभाग के अधीक्षण अभियंता राजपाल सिंह, एवीवीएनएल के अधीक्षण अभियंता एम के टिबडा, सार्वजनिक निर्माण विभाग के अधीक्षण अभियंता महेंद्र सिंह झाझडिया, उद्योग विभाग के महाप्रबंधक नानूराम, सीएमएचओ डॉ छोटेलाल गुर्जर, पीएमओ डॉक्टर जितेंद्र भांबू, नगर परिषद आयुक्त दिलीप पूनिया, एसिईओ रामनिवास चौधरी, जिला सैनिक कल्याण अधिकारी कर्नल अनिल पूनिया, महिला एवं बाल विकास विभाग के उपनिदेशक बृजेंद्र सिंह राठौड़, सूचना एवं प्रौद्योगिकी विभाग के संयुक्त निदेशक घनश्याम गोयल, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के उपनिदेशक डॉ पवन पूनिया, जिला अल्पसंख्यक अधिकारी नेहा झाझडिया, महिला अधिकारिता विभाग के उपनिदेशक विप्लव न्यौला, एपीआरओ विकास चाहर, जिला रसद अधिकारी डॉ निकिता राठौड़, कृषि विभाग के संयुक्त निदेशक डॉ राजेंद्र सिंह लांबा, उद्योग विभाग के संयुक्त निदेशक, सीडीईओ अनसूईया सहित जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

झालावाड़ वन विभाग की कार्यवाही

-कोकन्दा व रायपुर बालगढ़ से अवैध खनन का परिवहन कर रहे दो ट्रैक्टर टोली जप्त

फिरोज खांन वारसी

झालावाड़, (रॉयल पत्रिका)। उप वन संरक्षक सागर पंवार के निर्देश पर क्षेत्रीय वन अधिकारी दीपक सिंह के नेतृत्व में वन विभाग की कार्रवाई लगातार जारी है इसी क्रम में विभाग ने 2 तथा 4 मई को देवरीघटा के स्टाफ द्वारा गस्त दौरान वनखंड कोकांदा व रायपुर बालगढ़ से अवैध पत्थर बॉल्डर से भरी दो ट्रैक्टर ट्राली को अवैध खनन का परिवहन करते हुए जप्त किया गया, इस कार्यवाही के दौरान नाका प्रभारी देवरी घटा, योगेंद्र गुर्जर, सहायक वनपाल दुर्गेश बागड़ी, वनरक्षक लोकेंद्र सिंह, राकेश, नरेश सहित अन्य मौजूद रहे।

शिविर के माध्यम से मण्डल करेगा आमजन के आवास का सपना साकार

-50 प्रतिशत तक की छूट पर मिलेंगे निर्मित आवास और फ्लैट

जयपुर ,(रॉयल पत्रिका)। अपने आवास का सपना देख रहे लोगों के लिए ख़ुशख़बरी है। राजस्थान आवासन मण्डल मंगलवार से 28 मई तक जयपुर, कोटा, बाड़मेर, जोधपुर भीलवाड़ा और बांसवाड़ा में कैंप लगाकर निर्मित आवास और फ्लैट का बेचान 50 प्रतिशत तक की छूट के साथ करेगा। आवासन आयुक्त डॉ रश्मि शर्मा ने बताया की शिविर में उपलब्ध संपत्तियों की खरीद पर 50 प्रतिशत तक की छूट दी जा रही है। उन्होंने बताया की जयपुर में जोबनेर रोड़ स्थित महला आवासीय योजना में 6 और 7 मई को शिविर लगाकर विभिन्न आय वर्ग के लिए फ्लैट्स उपलब्ध करवाए जा रहे हैं जिनकी शुरुआती कीमत 4 लाख 70 हज़ार 500 रुपये है। डॉ. शर्मा ने बताया की जयपुर में महला आवासीय योजना के अलावा विभिन्न आय वर्ग के लिए बाड़मेर में मगरा आवासीय योजना तथा कोटा में चोमहेला आवासीय योजना के लिए 6 और 7 मई को शिविर का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि 13 और 14 मई को जोधपुर की विवेक विहार आवासीय योजना, कूड़ी भगतासनी योजना के साथ ही कोटा की छीपाबड़ौद योजना के लिए, 20 व 21 मई को कोटा की आवासीय योजना छबड़ा और आवासीय योजना मांगरोल तो वहीं भीलवाड़ा के सुवाना आवासीय योजना और प्रतापगढ़ की आवासीय योजना के लिए शिविर का आयोजन किया जाएगा। वहीं, 27 मई और 28 मई को परतापुर आवासीय योजना और आवासीय योजना नैनवा के लिए शिविर का आयोजन होगा । डॉ शर्मा ने कहा की राज्य सरकार की मंशानुसार राजस्थान आवासन मण्डल आमजन के आवास के सपने को साकार करने के लिए निरंतर प्रयासरत है

"रास्ता खोलो अभियान" हुआ शुरू, पहले दिन झुंझुनूं में खोले गए करीब एक दर्जन रास्ते

झुंझुनूं, (रॉयल पत्रिका)। प्रदेश में पहली बार मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बंद रास्तों को खोलकर आमजन को राहत देने के लिए "नया रास्ता" दिखाया है। दरअसल पूरे प्रदेश में 1 मई से 'रास्ता खोलो अभियान' शुरू किया गया है। जिसके तहत झुंझुनूं में भी पहले दिन एक दर्जन के करीब बंद रास्तों को अधिकारियों ने खुलवाया है। जिला कलेक्टर रामावतार मीणा ने बताया कि जो परिवाद उपखंड स्तर, जिला स्तर या फिर राज्य सरकार पर रास्तों के विवाद के प्राप्त हुए हैं। उन सभी को सूचीबद्ध करके संबंधित अधिकारियों को सौंपे गए हैं।

ताकि अधिकारी आपसी समझाईश और कानून सम्मत कार्रवाई करते हुए इन रास्तों को खुलवाकर आमजन को राहत प्रदान करें। उन्होंने बताया कि इस अभियान में राजस्व रिकार्ड में दर्ज वे सार्वजनिक रास्ते, जिनके बंद होने से बड़ी संख्या में काश्तकार या ग्रामवासी प्रभावित हैं, ऐसे प्रचलित रास्ते, जिनका उपयोग ढाणियों में रहने वाले लोग करते हैं और जो अवरुद्ध हो चुके हैं व ऐसे रास्ते जो राजस्व रिकॉर्ड में चौड़े दर्ज रास्ते, जो मौके पर केवल पगडंडी के रूप में अस्तित्व में हैं,उन्हें वास्तविक चौड़ाई में पुनः निर्मित करवाने, राजस्थान काश्तकारी अधिनियम 1955 की धारा 251 के तहत निर्णीत रास्ते, जिनका क्रियान्वयन अभी तक नहीं हुआ है और साथ ही जिन रास्तों का रिकॉर्ड में अंकन नहीं हुआ है, उनका भी अभियान के दौरान सर्वेक्षण कर रिकॉर्ड में दर्ज करने की कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने बताया कि इस अभियान से झुंझुनूं में सैंकड़ों की संख्या में रास्तों का विवाद निपटेगा और बंद पड़े रास्ते भी खुलेंगे।

ई मित्रों का किया निरीक्षण

झुंझुनूं, (रॉयल पत्रिका)। सूचना प्रौद्योगिकी और संचार विभाग, नगर पालिका बगड. द्वारा बगड़ में ई मित्र सेवाओं की गुणवता जॉच के लिए माह अप्रैल 2025 में प्रोगामर सुशील जांगीड व सहायक प्रोगामर विजय कुमार शर्मा द्वारा ई मित्रों का निरीक्षण किया गया। विभाग द्वारा माह में कुल 08 कियोस्कों का औचक निरीक्षण किया गया जिसमें 02 कियोस्क पर अनियमितता पाई गई। इनमें से 01 कियोस्क पर विभागीय आदेशों की अवहेलना करने तथा 01 कियोस्क पर आईडी कार्ड नहीं पाए जाने पर शास्ति राशि आरोपित करने की कार्यवाही की गई।

प्रोगामर सुशील जांगीड ने बताया कि ब्लॉक बगड़ में किसी भी ईमित्र कियोस्क द्वारा ईमित्र सेवा के लिए राज्य सरकार द्वारा निर्धारित राशि से अधिक राशि वसुली जाती है तो ब्लॉक कार्यालय नगर पालिका बगड़ अथवा सम्पर्क हैल्प लाइन नम्बर 181 पर तुरन्त इसकी सूचना देवें।

जैतारण तथा रायपुर तहसील के भूतपूर्व सैनिकों के कार्य जिला सैनिक कल्याण कार्यालय अजमेर द्वारा होंगे

पाली, (रॉयल पत्रिका)। जैतारण तथा रायपुर तहसील ब्यावर जिले में होने से इन तहसीलों के भूतपूर्व सैनिकों के कार्य जिला सैनिक कल्याण कार्यालय अजमेर द्वारा संपन्न किए जाएंगे।जिला सैनिक कल्याण अधिकारी पाली कर्नल जी एस राठौड़ ने बताया कि जैतारण तथा रायपुर तहसीलों के सभी भूतपूर्व सैनिकों तथा उनके परिवार के सदस्यों को सूचित किया जाता है कि सैनिक कल्याण विभाग, जयपुर, राजस्थान के आदेशानुसार जिला सैनिक कल्याण कार्यालयों के कार्यक्षेत्र का पुनर्निर्धारण किया गया है। आदेश के अनुसार ब्यावर जिले के सभी भूतपूर्व सैनिकों को जिला सैनिक कल्याण कार्यालय अजमेर के अधिकार क्षेत्र में कर दिया गया है।

अब जैतारण तथा रायपुर तहसीलों समेत ब्यावर जिले के सभी भूतपूर्व सैनिकों तथा उनके आश्रितों का कार्य जिला सैनिक कल्याण कार्यालय अजमेर द्वारा सम्पन्न किया जाएगा। उन्होंने बताया कि ब्यावर जिले के सभी भूतपूर्व सैनिकों तथा सैन्य परिवार के सदस्यों से निवेदन है कि वे अपनी समस्याओं के समाधान के लिए तथा सैन्य सेवा से सम्बंधित अन्य सभी कार्यों के लिए जिला सैनिक कल्याण कार्यालय अजमेर से सम्पर्क करें।

सिटी हॉस्पिटल में हर माह के प्रथम व तृतीय रविवार को आयोजित निशुल्क शिविर

मोहम्मद अली पठान

चूरू, (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर स्थित सिटी हॉस्पिटल नगर परिषद के सामने जिसमें महीने में फर्स्ट रविवार और थर्ड रविवार को निशुल्क शिविर लगाया जाता है। जिसमें मुख्य रूप से सवाईकल सिल्प डिस्क, साइटिका, गर्दन दर्द, इत्यादि तथा आईबीएस, गैस ऑफरा, पेट के घाव, आंत की सूजन, पेट का दर्द आदि रोगों का इलाज आयुर्वेद पद्धति से सफलतापूर्वक किया जाता है। शिविर में डॉक्टर नितेश, डॉक्टर किशन, डॉक्टर नावेद, डॉक्टर शाहनवाज आदि शामिल रहते हैं और गंगानगर से डॉक्टर हरजिंदर सिंह जो अपनी नियमित सेवाएं चुरु सिटी हॉस्पिटल में देते हैं, आप मुख्य रूप से न्यूरो स्पाइन और गैस्ट्रो से संबंधित सेवाएं दे रहे हैं।

आप यहां से पहले पंचतली हरिद्वार व शुद्ध लुधियाना, एवं जयपुर हॉस्पिटल जैसी बड़ी संस्थाओं में अपनी सेवाएं दे चुके हैं। अब शेखावाटी की धरा पर जनहित का कार्य कर रहे हैं। इनके द्वारा आयुर्वेद थैरेपी से तथा संपूर्ण आयुर्वेद दवाईयों द्वारा इलाज किया जाता है, यह अपनी सेवाएं माह के प्रथम व तृतीय रविवार को 10 से 4:00 बजे तक चुरु सिटी हॉस्पिटल में देते हैं।

अत्यधिक गर्मी को देखते हुए परीक्षा केंद्रों के बाहर ठण्डे पानी की बोतलें वितरित

चूरू, (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय स्थित परीक्षा केंद्रों पर (नीट-यूजी) की परीक्षा देने आए परीक्षार्थीयों एवं उनके परिजनों को अत्यधिक गर्मी को देखते हुए अमन ट्रस्ट के अध्यक्ष उस्मान अन्सारी के सोजन्य से एवं युवा कांग्रेस अध्यक्ष शोयल खान डीके एवं कांग्रेस प्रवक्ता एडवोकेट सद्दाम हुसैन के नेतृत्व में ठण्डे पानी की बोलते वितरित की गई। इस अवसर पर अमन ट्रस्ट के अध्यक्ष उस्मान अन्सारी, कांग्रेस प्रवक्ता एडवोकेट सद्दाम हुसैन, युवा कांग्रेस अध्यक्ष शोयल खान डीके, जयसिंह, तौफीक खान, इन्तजार निर्वाण, प्रीत, धनराज, अब्दुल्ला कुरैशी, अरविंद सहित गणमान्य लोग उपस्थित थे। सराहनीय सेवा के लिए परीक्षार्थियों के साथ आए हुए गार्डन्स ने अमन ट्रस्ट को धन्यवाद दिया।

सचिन पायलट का कांग्रेस ने किया भव्य स्वागत

पाली, (रॉयल पत्रिका)। जिला कांग्रेस कमेटी के जिलाध्यक्ष अजीज दर्द के नेतृत्व में रविवार को अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव एवं पूर्व उपमुख्यमंत्री राजस्थान सरकार सचिन पायलट का टोल नाका पहुंचने पर जिला कांग्रेस पाली की ओर से माला व साफा पहनाकर शानदार स्वागत किया गया। इस मौके पर कांग्रेस जिला अध्यक्ष अजीज दर्द लोकसभा प्रत्याशी संगीता बेनीवाल, पीसीसी महासचिव शिशुपाल सिंह राजपुरोहित, पीसीसी सदस्य महावीर सिंह सुकरलाई, ब्लॉक अध्यक्ष पाली जीवराज बोराणा, रोहट ब्लॉक अध्यक्ष गिरधारी सिंह राजपुरोहित, रोहट प्रधान सुनिता कंवर राजपुरोहित, पुर्व जिला परिषद सदस्य जोगाराम सोलंकी, मण्डल अध्यक्ष प्रकाश सोनी, प्रकाश सांखला, जिला प्रवक्ता रफीक चौहान, पुर्व पार्षद आमीन अली रंगरेज, माणक गर्ग, जयेश मेवाड़ा, जावेद, वजाराम गरवलिया, शहजाद शेख, असगर खत्री, जावेद गौरी, कालुराम विश्नोई, नेमाराम बजाड़ सहित कांग्रेस जन उपस्थित रहे।

समिति के छठे स्थापना दिवस को नशा मुक्ति जागरूकता अभियान के रूप में मनाया

चूरू,(रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर इंसानियत एकता सेवा समिति के छठे स्थापना दिवस को नशा मुक्ति जागरूकता अभियान के रूप में मनाया समिति संस्थापक करामत खान उर्दू अदीब के नेतृत्व में एक दिवसीय नशा मुक्ति जागरूकता अभियान चलाया गया। अभियान के तहत शहर में जगह-जगह नुक्कड़ सभाएं कर लोगों को नशे के खिलाफ जागरूक किया गया। इस अवसर पर राजकीय डीबी अस्पताल में पंडित दीनदयाल उपाध्याय मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल डॉक्टर महेश मोहन पुकार ने अभियान के पोस्टर का विमोचन किया। इस अवसर पर डॉक्टर दीपक चौधरी भरतिया अस्पताल अधीक्षक, डॉक्टर इदरीश खान, डॉक्टर शाहनवाज़ खान, डॉक्टर अख्तर खान, डॉक्टर पुष्पा खारड़िया, आदि मौजूद रहे। नशा मुक्ति अभियान के तहत डॉक्टर मुमताज अली ने कहा कि अकसर जानलेवा बीमारियां नशीले पदार्थों के सेवन करने से ही होती हैं। डॉक्टर शाहनवाज़ खान ने कहा कि वर्तमान में दिन-प्रतिदिन नौजवानों में नशे की लत बढ़ती जा रही है, जिससे उनका जीवन बर्बाद हो रहा है। समिति मीडिया प्रभारी मोहम्मद अली पठान ने बताया कि ज्यादातर परिवारिक झगड़े, सड़क हादसे और सामाजिक बुराइयाँ नशे के कारण होती हैं। डॉक्टर अखतर खान ने कहा कि लोगों को नशे के खिलाफ जागरूक करना हमारी नैतिक जिम्मेदारी है। प्रदीप सैन और आवेश कुरैशी ने भी अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में समिति व्यवस्थापक जाफर खान, जाकिर खान के के, अयूब खान चायल, सुलेमान मनिहार, सलीम खान दिलावरखानी, मुख्तार खान, हारून चौहान, मुशताक खान मोयल, महबूब खान, सलीम टीआरए, सलीम चौहान, मौलाना जमील अख्तर, लियाकत अली आदि मौजूद रहे और अभियान के तहत जागरूक किया।

पाली जार कार्यकारिणी का विस्तार

पाली, (रॉयल पत्रिका)। जर्नलिस्ट्स एसोसिएशन ऑफ राजस्थान (जार) प्रदेशाध्यक्ष, महामंत्री व प्रदेश संयोजक व चुनाव प्रभारी ओम चतुर्वेदी की सहमति से पाली जिलाध्यक्ष रविन्द्र सोनी ने जिला कार्यकारिणी का विस्तार किया। जिला कार्यकारिणी में अमृतलाल कुमावत को संरक्षक बनाये गए, वे पूर्व में जिलाध्यक्ष रह चुके है। साथ कार्यकारणी विस्तार में तोषचंद्र चौहान को वरिष्ठ उपाध्यक्ष, राजीव अग्रवाल को उपाध्यक्ष, मुकेश राजा को सचिव बनाएं गए है । वही गिरादड़ा के दिनेश कुमार शर्मा व फालना के सुजाराम चौधरी को जिला संगठन मंत्री बनाये गए है।

पाली जिला कार्यकारिणी में जितेन्द्र कच्छवाह, ओम नारायण पराशर (सोजत), अजयसिंह तोमर (मारवाड़ जंक्शन), मुकेश सोनी, गोपाल भाटी, धर्मेंद्र वैष्णव व हिमांशु पलोड (रानी) को कार्यकारणी सदस्य बनाए गए है।

राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष संजय सैनी, महासचिव सुरेश पारीक व प्रदेश संयोजक राकेश शर्मा ने सभी नवनिर्वाचित जार सदस्यों को बधाई देते हुए आशा प्रकट की हैं कि सभी पदाधिकारी पत्रकारों के हित में काम करके जार संगठन के विस्तार, मजबूती के लिए सहयोग करेंगे।

विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस पर पत्रकार एम. ए. पठान को सम्मानित किया

चूरू, (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर स्थित इंदिरा मेमोरियल पब्लिक स्कूल में सादे सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि समाजसेवी अब्बास खान मोयल राणा प्रदेश अध्यक्ष मुस्लिम राजपूत महासभा राजस्थान के सानिध्य में व डॉक्टर यूनुस खान वशिष्ठ अतिथि ने पत्रकार मोहम्मद अली पठान को पत्रकारिता सेवा में सम्मानित किया। इससे पहले आपका फूल मालाओं से स्वागत किया गया एवं ममानेंटो भेट कर सम्मानित किया गया। आप ने कहा प्रेस मीडिया स्वतंत्रता के मूल सिद्धांतों को बढ़ावा देने, दुनिया भर में मीडिया की स्वतंत्रता की स्थिति का आकलन करने और पत्रकारों और स्वतंत्र प्रेस के महत्व को रेखांकित करने का दिन है। यह उन पत्रकारों को सम्मानित करने के लिए भी एक दिन है जो कठिन और खतरनाक परिस्थितियों में रिपोर्टिंग करना जारी रखते हैं। यह नैतिक पत्रकारिता, शांति और मानवाधिकारों को बढ़ावा देने में मीडिया की भूमिका और गलत सूचना और भ्रामक सूचनाओं का मुकाबला करने के लीए आवश्यकता है, पर चिंतन करने के लिए प्रोत्साहित करता है। विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस मीडिया संगठनों, नागरिक समाज और प्रेस स्वतंत्रता के लिए अंतरराष्ट्रीय निकायों के बीच वैश्विक एकजुटता और सहयोग को मजबूत करता है। अंत में यह सार्वजनिक हित के रूप में स्वतंत्र पत्रकारिता के लिए सभी क्षेत्रों से समर्थन और सरकारों से जनता के जानने के अधिकार की रक्षा करने का आह्वान करता है। अख्तर ख़ान रुकन खानी ने सभी का आभार व्यक्त किया कार्यक्रम का सफ़ल संचालन असलम खान ने किया।

पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी निसार खान हज यात्रा के लिए रवाना हुए

मोहम्मद अली पठान

चूरू, (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय से पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी अपनी अहिल्या के साथ मक्का और मदीना की यात्रा के लिए रवाना हुए जिन्हें रिश्तेदार व मोहल्ले वासियों ने बड़ी हि अकीदत के साथ फूल मालाओं से गुलपोसी कर गले मिलकर हज के लिए विदा किया और कहा मक्का मदीने वाले से हमारा सलाम कहना कि हमें भी बुला लो सभी ने वहां पर जाने के लीए दुआओं की गुजारिश की और कहां बड़े ही किस्मत वाले होते हैं वह लोग जिन्हें हज पर जाने का मौका मिलता है। इस मौके पर काफी संख्या में महिलाएं और एडवोकेट अनवर खान, मुस्ताक खान, एडवोकेट हकीम अहमद खान, मेजर खान, नासीर खान एडवोकेट, सलीम खान एडवोकेट, जावेद खान एडवोकेट, आमिर खान एडवोकेट, हाजी आमीन खान, महबूब खान, डॉ जे बी खान, आदि मौजूद रहे इसी क्रम में जाते वक्त रास्ते में जिला कलेक्टर के आगे बार काउंसलिंग के अध्यक्ष नरेंद्र कुमार सैनी एडवोकेट, महेश प्रताप सिंह एडवोकेट, शौकत खान एडवोकेट, अरुण सैनी एडवोकेट, राजेंद्र सिंह राज पुरोहित एडवोकेट एवं काफी संख्या में लोगों ने आपका फूल मालाओं से स्वागत किया और कहा आपकी यात्रा मंगलमय हो और वहां जाकर हज के मौके पर देश दुनिया के लिए अमन चैन शांति भाईचारे की दुआएं करें।

परिहार ने संभाला सहायक प्रशासनिक अधिकारी का पदभार

पाली, (रॉयल पत्रिका)। संयुक्त निदेशक स्कूल शिक्षा मंडल पाली की ओर से हाल मे मंत्रालयिक संवर्ग सहायक प्रशासनिक अधिकारी की सम्पन्न हुई डी.पी.सी. की अनुपालना में सोमवार को कार्मिको ने कार्यग्रहण किया।इसी क्रम में विक्रम सिंह परिहार ने महाराणा प्रताप राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय में सहायक प्रशासनिक अधिकारी के पद पर कार्यग्रहण किया। इससे पूर्व परिहार सेठ मुरलीधर जमनादास राजकीय उच्च माध्यमिक हाउसिंग बोर्ड में वरिष्ठ सहायक के पद पर कार्यरत थे।

इस मोके पर पूर्व मुख्य ब्लाक शिक्षा अधिकारी पाली विजेन्द्र सिंह चौहान, प्रधानाचार्या रंजना कुलश्रेष्ठ, शान्ति चौहान, तेज सिंह पंवार, दीपक सिंह भाटी, राजश्री चौहान, रावणा राजपूत समाज जिलाध्यक्ष प्रमेन्द्र सिंह परिहार, महिला सुरक्षा सहयोगी समिति संस्थापक कुलदीप पंवार, प्रेम सिंह परमार,एडवोकेट विक्रम सिंह भैसाणा, बाबू सिंह परिहार, किशन सिंह पंवार, राजेन्द्र सिंह राजपुरोहित, विनोद कुमार शर्मा, अनिता सिसोदिया, जितेन्द्र गोस्वामी, प्रकाश सिंह सोलंकी, मीठालाल चांवरिया, मोहित वैष्णव, भगवानदास बाबानी, जया कर्मचंदानी, दिनेश मीणा, आकाश सिंह सिकरवार आदि मौजूद रहे।

स्वस्थ बच्चा, स्वस्थ देश – गीतांजलि की अनूठी पहल में जुड़े 3 और स्कूल

उदयपुर (रोयल पत्रिका) । गीतांजलि हॉस्पिटल, उदयपुर द्वारा "स्वस्थ बच्चा, स्वस्थ देश" अभियान के तहत शनिवार, 03 मई 2025 को यश पब्लिक स्कूल, आदर्श पब्लिक स्कूल तथा एल.बी.एस. पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों के लिए गीतांजलि हॉस्पिटल के बाल रोग, नेत्र एवं जीडीआरआई के दंत विभाग द्वारा स्वास्थ्य परीक्षण एवं स्वास्थ्य जागरूकता सत्र का आयोजन गीतांजली हॉस्पिटल परिसर में किया गया। इस अवसर पर. स्कूलों के प्रधानाचार्य हेमन्त लोहार, प्रकाश डांगी, श्रीमती गीरजा जाट, टीचर्स में श्रीमती लता, पंकज नागदा, श्रीमती मीना, श्रीमती संगीता कंवर, श्रीमती खुशबू कंवर, सुरेश चंद्र कुमावत एवं सत्यनारायण जाट ने भाग लिया व भरपूर सहयोग प्रदान कया। कार्यक्रम के दौरान माइक्रो-बायोलॉजी विभाग द्वारा विद्यार्थियों को हाथों की स्वच्छता (हैंड हाइजीन) के 6 चरणों की जानकारी दी गई और उन्हें सही तरीके से हाथ धोने का अभ्यास कराया गया, ताकि बच्चों में व्यक्तिगत स्वच्छता की जागरूकता बढ़ सके। गीतांजलि हॉस्पिटल की ओर से हैड मार्केटिंग कल्पेश चन्द रजबार द्वारा सभी अतिथियों का पारंपरिक रूप से उपरना पहनाकर स्वागत किया गया और भविष्य में भी बच्चों के स्वास्थ्य के प्रति इसी तरह सक्रिय भागीदारी की अपील की गई। कार्यक्रम का संचालन पीआर हैड हरलीन गंभीर द्वारा किया गया। यह आयोजन केवल स्वास्थ्य परीक्षण तक सीमित न होकर, बच्चों को स्वच्छता और स्वास्थ्य के प्रति जागरूक बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ। गीतांजलि हॉस्पिटल की यह मुहिम बच्चों के उज्ज्वल और स्वस्थ भविष्य की ओर एक सशक्त पहल है इस मुहिम में सभी विद्यालय बढ़-चढ़कर भाग ले रहे हैं| आपको ज्ञात करा दें अभी तक सीपीएस, रोकवुड्स, डीपीएस, मिरांडा, सेंट लोरेट, डीएवी, रॉयल अकैडमी, प्रयास, एबीपीएस, शिशुभारती इत्यादि स्कूल के बच्चों का बाल रोग, नेत्र एवं दंत विभाग द्वारा स्वास्थ्य परीक्षण किया जा चुका है।

राजस्थान मुस्लिम राजपूत महासभा के प्रदेशाध्यक्ष अब्बास खान मोयल राणा बने

मोहम्मद अली पठान

चूरू, (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर मुस्लिम राजपूत महासभा राजस्थान के प्रदेश अध्यक्ष अब्बास खान मोयल राणा को सर्व सहमति से बनाया गया। अब्बास खान ने बताया कि मोहिल वंश के वंशज राणा जिन्होंने राजस्थान, हरियाणा, उत्तर प्रदेश से लगती हुई सीमा नेपाल तक राज किया हम उन्हीं राजपूत राणा वंश से आते हैं। जल्दी ही प्रदेश स्तरीय कमेटी बनाई जाएगी जिसमें हर जिले से पदाधिकारी होंगे और एक शोध संस्था बनाकर मोहील वंश का इतिहास एकत्रित किया जाएगा क्योंकि यह एक बहुत बड़ी विरासत है जिसे हमें सजोकर रखना है। और हम राजस्थान राज्यस्तरीय का एक सम्मेलन भी रखेंगे। आपके समर्थन में रुस्तम खान मोयल लूणी, मकसूद खान तंवर चूरू, इस्माइल खान चायल भादरा, राजा मोयल फतेहपुर, अजीज खान चौहान चुरु, असलम खान चौहान राजगढ़, एडवोकेट साजिद खान चायल सरदारशहर, आमीन खां लाउणडा, आफताब चौहान सहारनपुर, निसार खान फतेहपुर, अब्दुल रहमान मोयल चुरु, सत्तार खान मोयल चूरू, इस्माइल खा पंवार फतेहपुर, जहीर खान मोयल बीकानेर, इस्माइल मोयल फतेहपुर, अल्ताफ खान मोयल, साबिर खान चायल गोगामेड़ी, मेजर खा जाटू ठेलासर, आदि ने आपको समर्थन और बधाई व खुशी का इजहार किया। मकसूद ख़ान बबलू ने सभी का आभार व्यक्त किया।

जलापूर्ति शिकायतों के लिए जिला स्तरीय नियंत्रण कक्ष स्थापित

पाली, (रॉयल पत्रिका)। जिले में आगामी जलापूर्ति शिकायतों को ध्यान में रखते हुए तथा प्रोटोकॉल स्थापित करने के निर्देशानुसार पाली जिले के लिए जिला स्तरीय नियंत्रण कक्ष (फोन नम्बर 02932-221407) स्थापित किया गया है। जलदाय विभाग के अधीक्षण अभियंता मनीष माथुर ने बताया कि जिला स्तरीय नियंत्रण कक्ष पाली के प्रभारी हेमंत पालीवाल, सहायक अभियंता (मोबाइल नं. 9660007767) होंगे। यह नियंत्रण कक्ष चौबीस घंटे कार्य करेगा, प्राप्त शिकायतों पर तत्काल कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि सर्कल के अंतर्गत सभी कार्यकारी, सहायक और कनिष्ठ अभियंताओं को सभी गतिविधियों पर है। इसमें पानी के उत्पादन, आपूर्ति की स्थिति, पानी की गुणवत्ता और दैनिक आधार पर उपभोक्ता शिकायतों के त्वरित समाधान की व्यापक निगरानी शामिल है।नियंत्रण कक्ष प्रभारी यह सुनिश्चित करेंगे कि यह जिला स्तरीय नियंत्रण कक्ष प्रभावी एवं कुशलतापूर्वक कार्य करे। नियंत्रण कक्ष में शिकायतों के निवारण के लिए निर्धारित प्रारूप में एक रजि.स्टर में शिकायतों एवं उनके निवारण का समुचित रिकॉर्ड रखा जाएगा।

वित्तीय वर्ष 25 में वेदांता का मुनाफ़ा 172 फीसदी बढ़कर रु 20,535 करोड़ पर पहुंचा

-सालाना राजस्व में अब तक की अधिकतम बढ़ोतरी दर्ज की

-सालाना EBITDA भी अब तक के दूसरे सर्वोच्च स्थान पर

उदयपुर, (रॉयल पत्रिका)। वेदांता लिमिटेड (बीएसईः 500295, एनएसईः वीईडीएल) ने 31 मार्च 2025 को समाप्त होने वाली चौथी तिमाही एवं पूरे वर्ष के लिए अपने समेकित परिणामों की घोषणा की है। वेदांता ने वित्तीय वर्ष 25 में मजबूत आर्थिक आंकड़े दर्ज किए, इस अवधि के दौरान कपंनी का राजस्व 10 फीसदी सालाना की दर से बढ़कर अब तक के सर्वोच्च रु 1,50, 725 करोड के आंकड़े पर पहुंच गया। वित्तीय वर्ष 25 के दौरान कंपनी का EBIT-DA भी 37 फीसदी सालाना की दर से बढ़कर रु 43,541 करोड़ पर पहुंच गया, जो कंपनी के लिए अब तक का दूसरा सर्वोच्च स्तर है। इस अवधि के दौरान कर के बाद मुनाफ़ा (पीएटी) 172 फीसदी उछाल के साथ रु 20,535 करोड़ के आंकड़े को छू गया। चौथी तिमाही में कंपनी का राजस्व 14 फीसदी सालाना की दर से बढ़कर अब तक के अधिकतम रु 39,789 करोड़ के आंकड़े पर पहुंच गया। इस दौरान EBITDA भी 30 फीसदी सालाना की दर से बढ़कर रु 11,618 करोड़ पर आ गया। वहीं EBITDA मार्जिन की बात करें तो यह 35 फीसदी2 रहा, जो पिछली 12 तिमाहियों में सबसे अधिक 465 बीपी सालाना वृद्धि है। तिमाही के दौरान कंपनी का मुनाफ़ा 118 फीसदी सालाना बढ़कर रु 4961 करोड़ पर पहुंच गया। इस अवधि के दौरान रु 7814 करोड़ के फ्री कैश-फ्लो (प्री-कैपेक्स) के चलते वेदांता के नकद और नकद समकक्ष में भी 34 फीसदी का सुधार आया है। साल के दौरान वॉल्यूम के विस्तार और आपूर्ति श्रृंखला के एकीकरण के चलते कंपनी का कुल पूंजी व्यय रु 12626 करोड़ रहा। तिमाही के दौरान शुद्ध ऋण कम होकर रु 53,251 करोड़ पर पहुंच गया, वहीं शुद्ध ऋण/ EBITDA 1.2 गुना हो गया (जो दिसम्बर 24 में 1.4 गुना था)। वेदांता की क्रेडिट रेटिंग को क्रिसाइल और आईसीआरए दोनों ने अपग्रेड कर एए कर दिया है।

कंपनी का एलुमिनियम उत्पादन अब का अधिकतम 2422 किलोटन दर्ज किया गया। भारत में कंपनी के ज़िंक संचालन की बात करें तो अब तक का अधिकतम खनन 1095 किलोटन और रिफाइन्ड धातु उत्पादन 1052 किलोटन दर्ज किया गया। वेदांता के लौह अयस्क कारोबार ने भी 6.2 मीट्रिक टन उत्पादन के साथ 12 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की है, वहीं कॉपर कारोबार में कॉपर कैथोड़ का सालाना उत्पादन 149 किलोटन रहा है।

वित्तीय वर्ष 25 की चौथी तिमाही के परिणामों पर बात करते हुए अरूण मिश्रा, एक्ज़क्टिव डायरेक्टर, वेदांता लिमिटेड ने कहा, "वित्तीय वर्ष 25 की चौथी तिमाही में शानदार परिणामों की घोषणा करते हुए हमें बेहद खुशी का अनुभव हो रहा है, ये परिणाम संचालन में अनुशासन पर हमारे फोकस को दर्शाते हैं।

इस तिमाही के साथ हमने वित्तीय वर्ष 25 में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं, हमने न सिर्फ एलुमिनियम और ज़िंक के लिए अब तक का अधिकतम सालाना वॉल्युम दर्ज किया, बल्कि उत्पादन की लागत में भी काफी कमी लेकर आए हैं। ज़िंक इंडिया सीओपी और एलुमिनियम में एक्स-एलुमिना सीओपी चार साल के नीचले स्तर तक पहुंच गया है।

वित्तीय वर्ष 26 में भी हम विकास और दक्षता पर फोकस करेंगे। हम लांजीगढ़ रिफाइनरी के विस्तार और उड़ीसा में सिजीमली बॉक्साईट खान जैसी परियोजनाओं के बदलाव को गति प्रदान कर रहे हैं, जो अगले वित्तीय वर्ष में हमारी लागत की स्थिति में बहुत अधिक सुधार लेकर आएंगे। वित्तीय वर्ष 26 में कई विस्तार योजनाएं पूरी होंगी, ऐसे में हमें विश्वास है कि आने वाला साल और भी मजबूत होगा।

हम मार्केट में हो रहे बदलावों के अनुसार लम्बी अवधि में मूल्य-सृजन के अवसरों का लाभ उठाने के लिए प्रयासरत हैं।" अजय गोयल, सीएफओ, वेदांता ने कहा, "इस तिमाही वेदांता ने शानदार फाइनैंशियल परफोर्मेन्स देते हुए तब तक का अधिकतम राजस्व रु 39,789 करोड़ दर्ज किया। इस दृष्टि से कंपनी ने 14 फीसदी सालाना की बढ़ोतरी दर्ज की। इसी तरह EBITDA भी 30 फीसदी सालाना बढ़ोतरी के साथ रु 11618 करोड़ तक पहुंच गया।

पिछली 12 तिमाहियों में EBITDA मार्जिन 35 फीसदी रहा है। कर के बाद मुनाफ़ा 118 फीसदी सालाना बढ़ोतरी के बाद रु 4961 करोड़ पर पहुंच गया। संचालन दक्षता, लागत अनुकूलन तथा मार्केट में हो रहे बदलावों पर निरंतर फोकस करते हुए हमने ये शानदार परिणाम दर्ज किए हैं। इसके अलावा वेदांता लिमिटेड की बैलेंस शीट में चौथी तिमाही में 500 मिलियन डॉलर की कमी आई है, और अंतिम शुद्ध ऋण 6.2 बिलियन डॉलर रहा है। ऋण में 1.2 गुना तक का सुधार हमारी आर्थिक नींव को और मजबूत बनाता है।

विधायक जयकृष्ण पटेल पर एसीबी की गाज, रिश्वत के आरोप में गिरफ्तारी

-राजस्थान में पहली बार विधायक पर एसीबी की कार्रवाई, विधानसभा सवाल वापस लेने की डील

जयपुर। राजस्थान एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) ने एक बड़ा एक्शन लेते हुए राज्य के इतिहास में पहली बार किसी मौजूदा विधायक को रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया है। मामला बांसवाड़ा जिले के बागीदौरा विधानसभा क्षेत्र के विधायक जय कृष्ण पटेल का है, जो भारत आदिवासी पार्टी (BAP) से विधायक हैं। एसीबी ने रविवार को जयपुर स्थित विधायक निवास परिसर में छापा मारकर जय कृष्ण पटेल को 20 लाख रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ा। आरोप है कि विधायक ने विधानसभा में पूछे गए प्रश्नों को वापस लेने के बदले में शिकायतकर्ता से यह मोटी रकम मांगी थी। ब्यूरो की टीम ने पहले शिकायतकर्ता की शिकायत पर जांच की और फिर ट्रैप कार्रवाई को अंजाम दिया। जैसे ही रकम विधायक को दी गई, टीम ने मौके पर जाकर उन्हें धर दबोचा। इस कार्रवाई से प्रदेश की सियासत में हलचल मच गई है और भ्रष्टाचार के खिलाफ एसीबी की यह सख़्त कार्रवाई एक मिसाल के तौर पर देखी जा रही है।

एसीबी के महानिदेशक डा. रवि प्रकाश मेहरड़ा ने प्रेस कांफ्रेंस में यह जानकारी देते हुए बताया कि परिवादी ने गत चार अप्रैल को एसीबी में शिकायत की कि उनके पास माइन्स है और विधायक ने माइन्स से संबंधित विधानसभा में प्रश्न लगाया है और अब उसे वापस लेने के लिए उनसे रिश्वत की मांग कर रहे हैं। रिश्वत की मांग की शुरुआत तो दस करोड़ रुपए से हुई लेकिन बाद में टुकड़ों में ढाई करोड़ रुपए देना तय हुआ। एसीबी ने इसका सत्यापन कराया और पता चला कि आरोपी विधायक ने बांसवाड़ा में एक लाख रुपए पहले ही ले लिए थे। इसके बाद शनिवार रात को फिर बात हुई और रिश्वत की पहली किश्त के रुप में 20 लाख रुपए जयपुर में देना तय हुआ। हालांकि, आरोपी यह रिश्वत बांसवाड़ा में लेना चाह रहा था, लेकिन परिवादी ने कहा कि वह यह पैसे जयपुर में ही देगा। इस पर रविवार सुबह विधायक पटेल ने परिवादी को फोन किया और अपने एमएलए क्वार्टर पर परिवादी से 20 लाख रुपए की रिश्वत प्राप्त कर ली। एसीबी के महानिदेशक डॉ. रवि प्रकाश मेहरड़ा ने कहा कि विधायक ने परिवादी की खान से संबंधित प्रश्न विधानसभा में लगाया और उसे वापस लेने के लिये रिश्वत की मांग की। रविवार को सुबह विधायक ने परिवादी को एमएलए क्वार्टर बुलाया और 20 लाख की रिश्वत प्राप्त की। राशि वाला बैग अपने आदमी को पकड़ा दिया, जो बैग लेकर फरार हो गया। बैग देने से पहले विधायक ने पैसों को हुआ। मेहरड़ा ने बताया कि एसीबी टीम ने, विधायक के हाथ धुलाने पर उन पर रंग आ जाने और अन्य सबूतों के आधार पर पटेल को गिरफ्तार कर लिया गया। उन्होंने बताया कि विधायक से पूछताछ जारी है। उन्होंने बताया कि विधायक ने माइन्स से संबंधित तीन प्रश्न लगाये और परिवादी को बताया कि विधानसभा में ये प्रश्न लगाये हैं और पैसे देने पर यह प्रश्न वापस ले लिए जायेंगे। मामला ढाई करोड़ रुपए में तय हुआ और टुकड़ों में पैसे लेकर जब ढाई करोड़ पूरे हो जायेंगे तो प्रश्न वापस ले लिए जायेंगे। महानिदेशक हेमंत मेहरड़ा ने बताया कि बागीदौरा से विधायक जयकृष्ण पटेल के खिलाफ रिश्वत मामले में पुख़्ता सबूत मौजूद हैं, हालांकि 20 लाख रुपये की रिश्वत की रकम अभी तक बरामद नहीं हुई है। उन्होंने स्पष्ट किया कि चूंकि मामला एक विधायक से जुड़ा है, इसलिए गिरफ्तारी से पहले विधानसभा

अध्यक्ष वासुदेव देवनानी को सूचित किया गया और उनकी अनुमति के बाद कार्रवाई की गई।

मेहरड़ा ने बताया कि जयपुर स्थित एमएलए क्वार्टर परिसर और उसके आस-पास लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच की जाएगी ताकि पूरे घटनाक्रम की पुष्टि की जा सके। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि विधायक ने जिस खनन क्षेत्र से जुड़ा सवाल विधानसभा में उठाया था, वह उनके चुनाव क्षेत्र से सैकड़ों किलोमीटर दूर स्थित है। इस मामले की जांच एसीबी की अतिरिक्त महानिदेशक स्मिता श्रीवास्तव के नेतृत्व में कई टीमों द्वारा की जा रही है। फिलहाल आरोपी के ठिकानों पर तलाशी अभियान चल रहा है और साथ ही एसीबी अब इस प्रकरण में आय से अधिक संपत्ति के पहलू की भी जांच करेगी।

पहलगाम आतंकी हमले के मद्देनजर रक्षा सचिव ने पीएम मोदी से की मुलाकात

नई दिल्ली। रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह ने आज सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से नई दिल्ली में उनके आवास पर मुलाकात की। इनसे पहले कल रविवार को वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह ने पीएम मोदी से मुलाकात की थी। प्रधानमंत्री मोदी और नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी तथा सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी के बीच भी अलग-अलग बैठकें हो चुकी हैं। ये बैठकें पहलगाम आतंकी हमले के मद्देनजर हुईं।

पहलगाम आतंकी हमले में 26 निर्दोष लोगों की हुई थी मौत

गौरतलब है कि 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर स्थित पहलगाम में आतंकवादी हमला हुआ था। इस आतंकवादी हमले में आतंकियों ने 26 निर्दोष लोगों की हत्या कर दी थी।हमले के बाद से सुरक्षा बलों ने आतंकियों पर शिकंजा कसा हुआ है। आतंकवादी हमले के बाद पूरी स्थिति की समीक्षा करने के लिए

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, तीनों सेनाओं के प्रमुखों, चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार के साथ महत्वपूर्ण बैठक की।

सरकार ने सेना को स्थिति से निपटने के लिए दी है खुली छूट

इस दौरान सरकार ने सेना को स्थिति से निपटने के लिए खुली छूट देने का निर्णय किया है।

पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद सेना ने इलाके की घेराबंदी कर आतंकियों पर शिकंजा कस दिया है। इससे परेशान पाकिस्तान नियंत्रण रेखा पर संघर्षविराम का उल्लंघन कर रहा है।

कवि बशीर अहमद मयूख का 99 वर्ष की उम्र में निधन, साहित्य और आध्यात्मिक जगत में शोक

-हिंदुस्तानी तहज़ीब, कौमी एकता और साझी संस्कृति की मजबूत आवाज़ थे मयूख

कोटा, (रॉयल पत्रिका)। हिंदी के वरिष्ठ कवि, चिंतक और आध्यात्मिक साहित्य के प्रतीक बशीर अहमद मयूख का रविवार को 99 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उन्होंने विज्ञान नगर स्थित अपने निवास पर अंतिम सांस ली। सोमवार सुबह जंगलीशाह बाबा कब्रिस्तान में उन्हें सुपुर्द-ए-ख़ाक किया गया। उनके निधन से साहित्य, संस्कृति और समाज में गहरा शोक व्याप्त है। बशीर मयूख केवल एक लेखक नहीं थे, वे विचार और आंदोलन थे। उन्होंने ऋग्वेद, कुरान, गीता, बाइबिल, जैन आगम और गुरुग्रंथ साहिब जैसे धर्मग्रंथों का काव्यानुवाद कर धार्मिक समरसता और आध्यात्मिक एकता का संदेश दिया। उनके प्रमुख काव्य संग्रहों में स्वर्ण रेख, अर्हत, ज्योतिपथ, अवधूत अनहद नाद सुनो और शब्द रागी शामिल हैं। उनकी कई रचनाएं आज भी विश्वविद्यालयों और पाठ्यक्रमों में पढ़ाई जाती हैं। उन्हें बिरला फाउंडेशन का बिहारी पुरस्कार, मूर्तिदेवी पुरस्कार, दशरथमल सिंघवी एकता सम्मान और राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद द्वारा विश्व हिंदी सम्मान (2018) प्राप्त हुआ। वे राजस्थान सरकार द्वारा साहित्यकार पेंशन प्राप्त करने वाले पहले साहित्यकारों में भी शामिल थे। राजनीति से संन्यास लेने के बाद मयूख ने कोटा में मयूखेश्वर महादेव मंदिर की स्थापना की, जो आज सांप्रदायिक सौहार्द का प्रतीक स्थल बन चुका है। मंदिर के प्रवेश पर लिखा है: "ईश्वर, अल्लाह, वाहेगुरु, चाहे कहो श्रीराम

– सबका मालिक एक है।" 15 अगस्त 1947 के दिन लिखी उनकी पंक्तियाँ "तू हिन्द नहीं, नहीं मुस्लिम, केवल हिंदुस्तानी बन" आज भी उतनी ही प्रासंगिक हैं। बशीर मयूख अपने लेखन के माध्यम से धर्म नहीं, अध्यात्म की बात करते थे। उन्होंने जीवनभर इंसानियत, संवाद और समरसता की मशाल जलाए रखी। अपने अंतिम जन्मदिन पर उन्होंने लिखा था —

"मेरे जाने के बाद ज़माना पूछेगा, वो शायर कहां गया?

तो कहना, 'वो शायर अब शब्दों की रोशनी में अमर है।'"

उनकी लेखनी, विचार और रचनाएं आने वाली पीढ़ियों को इंसानियत और एकता का रास्ता दिखाती रहेंगी।

इस्लामी विद्वान मौलाना गुलाम मोहम्मद वस्तानवी का इंतक़ाल, तालीमी दुनिया में शोक

नई दिल्ली। देश के जाने-माने इस्लामी विद्वान और शिक्षाविद मौलाना गुलाम मोहम्मद वस्तानवी का रविवार को निधन हो गया। वे कुछ वक़्त से बीमार चल रहे थे। मौलाना वस्तानवी न सिर्फ़ दारुल उलूम देवबंद जैसे बड़े

मदरसे के मोहतमिम (कुलपति) रहे, बल्कि उन्होंने इस्लामी तालीम में जमाने के साथ चलने की सोच को भी बढ़ावा दिया। महाराष्ट्र के अक्कलकुवा में स्थित जामिया इशातुल उलूम के वे संस्थापक और रेक्टर थे। उनकी रहनुमाई में यह तालीमी इदारा मुल्क के बड़े इस्लामी और मॉडर्न एजुकेशन सेंटरों में शुमार हो गया। उन्होंने IIMSR मेडिकल कॉलेज की भी बुनियाद रखी। यह भारत का पहला अल्पसंख्यक समुदाय द्वारा संचालित मेडिकल कॉलेज है जिसे MCI (मेडिकल काउंसिल ऑफ इंडिया) की मंज़ूरी मिली थी। 2011 में मौलाना वस्तानवी को दारुल उलूम देवबंद का मोहतमिम बनाया गया था। हालांकि कुछ आंतरिक विवादों की वजह से वे ज़्यादा दिन इस पद पर नहीं रहे, लेकिन उनकी तैनाती को मदरसा एजुकेशन में बदलाव और सुधार की एक बड़ी पहल माना गया। उनके इंतक़ाल की खबर से देशभर के मुस्लिम धर्मगुरुओं, तालीमी संस्थानों और उनके चाहने वालों में ग़म की लहर दौड़ गई। सोशल मीडिया पर भी लोग मौलाना को याद करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित कर रहे हैं।मौलाना वस्तानवी को इस बात के लिए जाना जाता था कि उन्होंने दीनी तालीम के साथ-साथ साइंस और टेक्नोलॉजी जैसी मॉडर्न इल्म की तालीम को भी अहमियत दी। उन्होंने हमेशा समाज में एकता और तालीमी तरक़्क़ी को अपना मक़सद बनाया।

प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार 2025 के नामांकन की अंतिम तिथि 31 जुलाई, ऑनलाइन आवेदन शुरू

नई दिल्ली, (रॉयल पत्रिका)। केंद्र सरकार ने प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार (पीएमआरबीपी) 2025 के लिए नामांकन आमंत्रित किए हैं। नामांकन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 31 जुलाई 2025 है। प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार 18 वर्ष से कम आयु (31 जुलाई 2025 तक) के उन युवाओं को सम्मानित करता है, जिन्होंने निम्नलिखित 6 श्रेणियों में उत्कृष्टता का प्रदर्शन किया है, जैसे-बहादुरी, सामाजिक सेवा, पर्यावरण, खेल, कला और संस्कृति, तथा विज्ञान और प्रौद्योगिकी। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के अनुसार, सभी नामांकन आधिकारिक राष्ट्रीय पुरस्कार पोर्टल https://awards.gov.in के माध्यम से ऑनलाइन प्रस्तुत किए जाने हैं। नामांकन 5 से 18 वर्ष (31 जुलाई 2025 तक) की आयु के बच्चों के लिए खुला है। कोई भी व्यक्ति या संस्था असाधारण उपलब्धियों वाले बच्चों को पीएमआरबीपी के लिए नामांकित कर सकती है। बच्चे स्व-नामांकन के माध्यम से भी आवेदन कर सकते हैं। अधिक जानकारी और नामांकन के लिए पोर्टल (https://awards.gov.in) को विजिट करें। आवेदन करने के लिए, आवेदकों को पहले अपना नाम, अंतिम नाम, जन्म तिथि, आवेदक का प्रकार (व्यक्तिगत/संगठन), मोबाइल नंबर, ईमेल आईडी, आधार नंबर आदि जैसे विवरण और कैप्चा सत्यापन करके पोर्टल पर पंजीकरण या लॉग इन करना होगा। पंजीकरण के पश्चात्, उन्हें चल रहे नामांकन अनुभाग के अंतर्गत "प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार 2025" का चयन करना चाहिए और "नामांकन/अभी आवेदन करें" पर क्लिक करना चाहिए।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्वाधिकारी मुन्नाखान के लिए अम्बर ऑफसेट प्राइवेट लिमिटेड, 3-A, डी एल टावर, विद्या आश्रम इंस्टीट्यूशनल एरिया, जेएलएन मार्ग, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय 4312, मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरबाडा, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित।

संपादक : मुन्नाखान मो. 9772552446 कार्यालय फोन - 0141-4982834 Gmail : royalpatrika@gmail.com Yahoo : royal_patrika@yahoo.com